

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 71

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 14, 1981 (माध 25, 1902)

No. 71

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 14, 1981 (MAGHA 25, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग 111-- खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं ए 35014/1/80-प्रशा -II--संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में के० स० से० का स्थायी ग्रन्भाग ग्रिध-कारी श्री एस० के० मिश्र को ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा म्रायोग द्वारा 15-1-81 से 14-4-81 तक की म्रवधि के लिए ग्रथमा नियमित प्रबंध किए जाने तक प्रथवा ग्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ भ्राधार पर स्थानापम्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाना है।

2. श्री एस० के० मिश्र संघ लोक सेवा श्रायोग में वरिष्ठ विक्लेषक के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनिय्क्ति पर रहेंगे श्रौर उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित विन मंत्रालय के कार ज्ञार मर एफर 10(24)-ईर $\Pi^{1}/60$ दिनांक 4-5-61 में मिन्नहित उपबंधों के ग्रन्सार विनियमित होगा । पी० एस० राणा,

श्रन्भाग श्रधिकारी **कृते ध**ध्यक्ष

नई विल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1981

संo एo 32014/4/80-प्रशाo-II---सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा इस कार्यालय में स्थायी संपदा पर्यवेक्षक श्री ग्रार० पी० सिंह को 17-1-1981 से तीन मास की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-35-810-द० गे०-35-880-40-1000-व रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ प्राधार पर संपदा प्रबंधक एवं बैठक ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मं० ए० 32015/1/80-प्रशा०-I---मिवव, सेवा स्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा स्रायोग के वर्ष्यालय में स्थायी अनसंधान महायक (भ्र० एवं सा०) तथा स्थानापन्न भ्रनसंधान भ्रन्वेषक श्री राम सिंह को 2-1-81 से 31-3-81 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, श्रीमती राज कुमारी श्रानन्द, कनिष्ठ ग्रन्-संधान प्रधिकारी (घ०एवं०सा०) को भ्रवकाश प्रदान किए जाने के कारण उनके स्थान पर भायोग के कार्यालय

में कित्रिष्ठ प्रनुसंधान प्रिधकारी (अ॰ एवं सं॰) पर तक्ष्यं आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० राणा, ग्रनुभाग ग्रधिकारी, **इसे** मचिव

नई विल्लो-110011, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० ए० 32013/3/79-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा ग्रायोग की समसंख्यक ग्रिध्सूचना विनोक 25-10-1980 के श्रनुक्रम में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I ग्रिधिकारी (संघ लोक सेवा भ्रायोग के संवर्ग में) श्री एम० भ्रार० भागवत को राष्ट्रपति द्वारा 24-11-1980 से 23-2-1981 तक ग्रीर तीन मास की ग्रवधि के लिए ग्रथवा श्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उप मचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन, उप समिव मंघ लोक सेवा आ**र्या**ग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रिधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 जनवरी 1981

मं० ए.०-11/19/80---निम्निखित प्रवर्तन ग्रिधिकारी/ ग्रिश्रोक्षक ग्रपना कार्यभार ग्रहण करने की तारीख मे श्रगले ग्रादेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किए गए हैं।

उनकी नियुक्ति के स्थान श्रीर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके प्रत्येक के नाम के सामने दी गई है:--

ऋ० नाम सं०	नियुक्तिकास्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1. श्री वी० बोस	मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली	9-12-80 (पूर्वाह्म)
2. श्री ए० के० राय	तदैय	9-12-80 (पूर्वाह्म)

एम० एस० बिन्द्रा, निदेशक गह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० श्रो० दो० 658/70-स्थापना-श्री एघ० सी० सूद ने सरदार वन्त्रभ भाई पटेल, राष्ट्रीय पुलिस ग्रकाधमी में सहायक निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति होने के फलस्बरूप, उप-प्रधानाचार्य, सी०टी०सी०-II, केन्द्रीय रिजर्च पुलिस बल, श्रावाडी के पद का कार्यभार दिनांक 22-12-1980 (ग्रपराह्म) से छोड़ा।

ए० के० **सूरी,** सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी, 1981

मं० 11/37/80-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति. उत्तर प्रदेण, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री लखन सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 29 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न में एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

- 2. श्री सिंह का मुख्यालय लखनऊ में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति श्री सिंह को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकमिकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता ग्रीर ग्रागे उच्च पद पर पदोन्न्नित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति की नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिमा कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पद्मानाभ, भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

एन० (18)प्रणा०-II---मुद्रण निर्देशक ने अअहिम फिलिप, तकनीकी अधिकारी (फोटोिसथी) को दिनांक 15 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले अवेश होने तक, भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ में उप-प्रबन्धक (फोटोिलथी) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

विनांक जनवरी, 1981

सं. आर (44) प्रशा -11 : -- मृद्रण निदशक ने श्री बी. आर. रत्न को भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मृद्रणालय, चण्डी गढ़ में सहायक प्रबंधक (प्रशा -) के पद पर रा. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000 द. रो. -40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में 1 जनवरी, 1981 के पूर्वाहुन से अगले आदोश होने तक नियुक्त किया है।

(सु. सू. प्रकाश राव) संयुक्त निवंशक (प्रशासन)

(श्रम म्यूरो)

किमना-171004, दिनांक 7 फरवरी 1981

सं• 23/3/80 सी• पी• आई• -- दिसम्बर, 1980 में बौदोगिक अभिकों का अखिल भारतीय अपभोक्ता मूक्य सूचकांक (आधार वर्ष 1980 = 100) नवम्बर, 1980 के स्तर से तीन अंक घट कर 408 (चार सी आछ) बहा है। दिसम्बर 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949 == 100 पर परिवर्तित किए जाने पर 496 (चार सी छियानके) आता है।

ए० के० मलहोस्रा उप मि**देशक**

वित्त मंत्रालय श्राधिक कार्य विभाग बैकनोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 17 जनवरी 1981 सं० बी०एन०पी०/सी०/5/80—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह "ख") की सिफारिशो पर निम्नंसिखित प्रश्चिकारियों की, उनके नाम के समक्ष दर्शाये गये स्थाई पदों पर, उनके सामने मिर्दिस्ट तिथि से मूल नियुवित की जाती है।

क नाम सं०	स्थाई पद जिस पर मूल नियुक्ति की गई	• •
(ग्र) नियंत्रण विभाग		· ·- ·
1. एस के० माथुर	उप नियंत्रण श्रधिकारी	21-8-80
2. एम० एल० नारायण	उप नियंत्रण ग्रधिकारी	21-8-80
(ब) कर्मशाला		
"क" वासानुकूलन विभाग		
1. बी॰ एस॰ गिरी	सहायक म्रभियता (वातानुकृलन)	2-5-80
"ख" विश्वतुत विभाग		
2. जी० एन० दिसावल	स हायक ग्र भियंता (विद्युत)	3-4-78
3. ए० के० सक्सेना	सहायक प्रभियंता (विद्युत)	17-10-80
"ग" सिविल विभाग		
4. सी० बी० एन० इलाइथु	सहायक ध्रभियंता (सिविल)	4-8-80
		मु० बै० चार,
	6	प्र-महाप्रबन्धक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 जनवरी, 1981

सं० 119 सी० ए० 1/54-80—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (बा०) निम्नलिखित अनुभाग श्रिधिकारियों (बा०) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (बाणिज्यिक) के रूप में स्थापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और आगे आवेश विये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं:—

क ० सं०	धनुभाग ध िधकारी (वा०) का नाम	कार्यालयःजहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोम्नति के बाद लेखापरीक्षा भ्रष्ठिकारी (वा०) के रूप में तैमात किये गये	लेखापरीक्षा प्रधिकारी के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
1.	सर्वश्री राधे क्याम	. महालेखाकार- ¹¹ , मध्य प्रदेश, ग्वासियर	महालेखाकार-II, बिहार, पटना	30-5-80

1	2		3	4	5
सर्वश्री)				
2. एस० वे	के०पाल ,		सदस्य लेखापरीक्षा कोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० लेखापरीक्षा कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक था०, लेखापरीक्षा, कलकत्ता	15 -5 -80
3. वी० ए	न० सोमायानारायनन	•	महालेखाकार, केरल, तिवेन्द्रम	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० लेखापरीक्षा, बम्बई	12-6-80
4. टी॰ एर	म० रविन्द्रन	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० लेखापरीक्षा, मद्रास	महालेखाकार कर्नाटक, बंगलौर	9-6-80
5. एम ० वे	^{हे} ० भट्टाचार्जी	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक गा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	महालेखाकार-II, प० बंगाल, कलकत्ता	13-5-80
6. জী ং শ্ল	ार० हनुमन्तारा य		भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लि० मे बाह्य सेवा पर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० बंगलौर	26-5-80
7. एच० ए	स० कोहली .		महालेखाकार पंजाब चंडीगढ़	महालेखाकार, हिमाचल तथा चण्डीगढ़, शिमला	19-5-80
8. के० के०	वियोत्ना .		महालेखाकार पंजाब, चंडीगढ़	महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर, श्री नगर	21-5-80
9. एन० ग्र	ार ० चौ धरी		महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर	महालेखाकार-II बिहार, पटना	10-6-80
0. बी० एल	।० गुप्ता .		निदेशक, गा०ले० प० (खाद्य) भोपाल	सदस्य ले खापरीक्षा बोर्ड ए वं पदेन नि० वा० ले० प० रांची	29-5-80
1. ए० के०	गुप्ता .		सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निद० वा० ले० प० रांची	27-5-80

यं० रा० सोमेश्वररात्, प्रशा० ग्रिधि०/उप निदेशक (वा०)

महालेखाकार गुजरात का कार्यातय

भ्रहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी 1981

सं० स्था (ए) जी० सी०/1882—महालेखाकार गुजरात के ब्रधीन लेखा-सेवा के स्थायी सवस्यों को उनकी नामावली के सामने वर्शाए गए दिनांक से लेकर ग्रगला ग्रावेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

1. श्री भार० वी० दोराई 1-1-81 (पूर्वाह्न से)

*उपर्युक्त पदोन्नित तदर्थ भाधार पर भीर 1980 के विशेष दीवानी सिविल भावेदनपत्न संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के श्रंतिम श्रादेशों की प्राप्ति की शर्ती पर की जाती है।

> हस्त० अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (प्रथम) का कार्यालय इलाहाबाद, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० प्रशासन/11-144/अधिसूचना/386—महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

 श्री महेण्यर नाथ सिंह 	6-11-80	(भ्रपराह्म)
 श्री वीरेन्द्र कुमार भारतीया 	6-11-80	(श्रपराह्म)'
 श्री कृष्ण स्वरूप भटनागर 	15-12-80	(पूर्वाह्न)
 श्री श्री काशीनाथ चटर्जी 	15-12-80	(पूर्वाह्न)
5. श्री राधे श्याम अग्रवाल-2	15-12-80	(पूर्वाह्म)
 श्री विजय कुमार मजूमदार 	2-1-81	(पूर्विह्नि)
7. श्री सी० पी० मुदगल	27-12-80	(पूर्वाह्म)
8. श्री कैलाश नाय वर्मा	31-12-80	(पुविह्नि)
 श्री चन्द्र लाल 	27-12-80	(पूर्वाह्म)

एस० जे० एस० श्राहलूवालिया, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

भारतीय म्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकता-16, विनाँक 14 जनवरी 1981

सं० 1/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्रधि-कारियों की, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० स्रो० एफ० के पद पर, उनके नामों के सामने दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रार० के० सक्सेना,

29 नवम्बर, 1980

सहायक प्रबन्धक (पी)

2. श्री के० एन० एन० दारथा, सहायक प्रवन्धक (पी) वही

3. श्री एस० के० गुप्ता,

वही

सहायक प्रबन्धक (पी)

4. श्री ए० के० सिन्हा,

वही

सहायक प्रबन्धक (पी) 5. श्री श्री० श्रार० घोष,

ਸਈ

अध्याद्यक्र प्रबन्धक (पी)

वही

श्री सी० एम० पी० कुजुर,

वही

ग्रस्थायी सहायक प्रबन्धक

्वी० के० मेहना सहायक महानिदेशक [भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंद्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरवा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1981

सं० ए०-12025/1/5/80-व्यवस्था- $II(\pi)$ ---राष्ट्रपति, श्री लक्ष्मण मुकाजी पोनिकर को 20 दिसम्बर 1980 के श्रपराह्म से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, पानीपत में सहायक निदेशक ग्रेड I (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-12025(1)/5/80-व्यवस्था-II(क)—-राष्ट्र-पित, श्री वी० श्री रामुलू को 10 दिसम्बर 1980 के पूर्वाहन से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास में सहायक निदेशक ग्रेंड-I (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० णंकर, संयुक्त विकास ग्रायुक्त (हथकरमा)

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० 12(760)/62-प्रशा० (राज०)-खंड-2—स्वयं के प्रनुरोध पर पदावनित के परिणामस्वरूप श्री गुरू स्वामी ने दिनाक 10 दिसम्बर, 1980 (श्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा के उप निदेशक (यांद्रिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 11 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 19018(185)/75-प्रणा० (राज०)--नमक स्रायुक्त, जयपुर के कार्यालय में सहायक नमक स्रायुक्त के पद पर नियुक्ति होने पर श्री एस० सुन्दरेसन ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1980 (भ्रपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निदेशक, ग्रेड-र्रे (रसायन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018/496/80-प्रणा० (राज०)—विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) ग्रापने कार्यालय के लघु उद्योग संबर्द्धन ग्रिधकारी (रसायन) श्री वाई० एस० भटनागर को दिनांक 19 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से इसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड- 2 (रसायन) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० 12/346/62-प्रशा० (राज०)—श्रीश्रोगिक बस्ती विकास प्राधिकरण, साना, यमन श्ररव गणराज्य में परामर्श- वाता के रूप में उनकी प्रतिनियुक्ति हो जाने पर श्री कृष्ण देव खोसला ने दिनांक 27 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाञ्च) से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) पद का कार्यभार छोड दिया

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० ई-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के प्रधिसूचना सं० ई-11(7) में वर्ग 2 "नायट्रेट मिश्रण" के श्रधीन "ग्रमेक्स" प्रविष्टि के पूर्व "विनिर्धिष्ट स्थलों पर 31-12-1981 तक क्षेत्र भ्रभिप्रयोग हेतु "ग्रल्फा- डाइन-पी ई-1 एटी" जोड़ा जाये।

दिनांक 17 जनवरी, 1981

सं० ई-11(7)—-इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969, के ग्रिधसूचना सं० ई-11(7) में निम्नलिखित जोड़ दिया जाये:—

श्रेणी 2 नाइट्रेट मिश्रण के प्रधीन

- प्रविष्टि "डायनेक्स" के पश्चात् "डायनेक्स-2 विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र ग्रिभिप्रयोग हेतु 30-6-81" तक
 - श्रेणी 3 वर्ग 2 के ग्रधीन
 - (i) प्रविष्टि "प्राथमेक्स" के पूर्व "पावरपौक विनिर्दिष्ट स्थलों पर निर्माण एवं क्षेत्र ग्रभिप्रयोग हेनु 30-6-81 तक" तथा
 - (ii) "टोनाइट सं० 3" के पश्चात् "ट्रायनेक्स-सी विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र श्रभिप्रयोग हेतु 30-6-81" तक

चरणजीत लालः मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए-19011/30/70-स्था० ए०—दिनांक 31-12-80 (प्रपराह्म) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री डी० वी० कुलकर्णी, स्थायी उप श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी तथा स्थाना-पन्न ग्रधिकार श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी को एतव्हार 31-12-80 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। श्रीर तबनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

विनांक 23 जनवरी 1981

सं० ए-19012/138/80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० एम० काझी, स्थानापन्न विर्घ्ठ तकनीकी सहायक (रसायनविद) को स्थानापन्न सहायक रसायनविद् के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 18-12-80 के श्रपराह्म से श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19012/139/80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति सिमिति की सिफारिश पर श्री बी० एस० मोरोने, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायनविद) को स्थानापन्न सहायक रसायनविद् के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 18-12-80 के श्रपराह्म से श्रागामी आदेश पक पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19012/140/80-स्था० ए०—विभागीय पदोस्रति समिति की सिफारिण पर श्री के० जी० इंगले स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्र० प्र०) को स्थानापन्न सहायक ध्रनुसंधान अधिकारी (ग्र० प्र०) के पव पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनाक 18-12-80 के अपराह्म से ध्रागामी ब्रादेश तक पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19012/141/80-स्था० ए० — विभागीय पदो-श्रांत समिति की सिफारिश पर श्री ए० एस० एस० एस० हरगोपाल, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ध्र०प्र०) को स्थानापन्न सहायक ध्रनुसंधान ग्रिधकारी (ध्र०प्र०) के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 19-12-80 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नति प्रदान की जाती है।

दिनांक 24 जनवरी 1981

सं० ए-19011/280/80-स्था० ए० संघ लोक सेवा धायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री नरेश चंद्र नारायण देशकर को दिनांक 26 दिसम्बर 80 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० भली, कार्यालय भ्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भ्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० 4(40)/80-एस-1—महानिदेशक, ध्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती रूमा घोष को ग्राकाशवाणी नई दिल्ली में 31-12-80 से ग्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 विसम्बर 1980

सं० ए-32013/1/80-एस-पांच --- महानिदेशक आकाश-वाणी, श्री भरत सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक प्रधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता को 18 विसम्बर, 1980 (पूर्वाह्र) से श्री ग्रार० के० गर्मा, जो पहले ग्राकाशवाणी महा निदेशालय में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त थे श्रीर दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में प्रशासन उपनिदेशक के रूप में स्थानांतरित किए गए थे के स्थान पर लेखा निरीक्षक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री, प्रशासन उपनिदेशक **इते** महानिदेशक

सुचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए-22012/4/80-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली के सहायक व्यापार प्रबन्धक श्री सी० बी० गुप्त को 1 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश तक व्यापार प्रबन्धक, विक्रय एम्पोरियम, लखनऊ के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

भ्रजय प्रसाद उप सम्बव

बम्बई-26, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० ए० 24013/6/80-स्था०-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री एस० ए० नाईक, स्थायी विकेता, फिल्म प्रभाग, बम्बई को, श्री पी० एस० रावतेल, शाखा प्रबन्धक के श्रवकाश पर जाने के कारण, दिनांक 10-12-1980 के पूर्वाह्न से 24-1-1981 तक शाखा प्रबंधक के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एन० सिंह, सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1981

स० ए.22013/3/80-के० स० स्वा० योजना-I—डा० बी० पी० मिश्र होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक, का केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना विल्ली में तबादला हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 30 सिदम्बर, 1980 के श्रपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मेरठ से होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक का कार्यभार छोड़ दिया और 1 अक्तूबर, 1980 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक कार्यचिकित्सक के पश्च का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 15 जनवरी 1981

सं० 16-9/70-के० स० स्वा० यो०-I—डा० बी० सी० राय का केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में तबादला हो जाने के फलस्थरूप उन्होंने 31 प्रक्तूबर, 1980 के प्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, जयपुर के प्रधीन होम्यो-पैथिक कार्यचिकित्सक के पद का कार्यभार छीड़ दिया है प्रारं 3 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथी के वरिष्ठ कार्यचिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

टी० एस० राव, उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०) नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए०-12026/36/79-(रा० म० उ० का०)/प्रशा-सन-I---राष्ट्रपति ने श्री एच० पी० नागराजश्रप्पा को राष्ट्रीय मले/रया उन्मूलन कार्यक्रम निवेशालय में 4 दिसम्बर, 1980 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रावेशों तक उप सहायक निदेशक (भण्डार) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० ए-31013/6/76 (रा० सं० रो० सं)/प्रशा०-1--राष्ट्रपति ने डा० (श्रीमती) क्यू० जैड० हुसैन को 30 श्रक्तूबर, 1975 से राष्ट्रीय रोग संचारी संस्थान दिल्ली में उपनिदेशक (जीव रसायन) के स्थायी पद पर स्थाधी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/22/79-(के० प्र० सं०)/प्रशासन-I— राष्ट्रपति ने श्री श्ररुण कुमार भगवान रामटेक को केन्द्रीय श्रनुसंधान संस्थान, कसौली में 28 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्म मे श्रागामी धादेशों तक उप सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० 1-34/68-प्रणासन-I—राष्ट्रपति ने श्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के स्वास्थ्य शिक्षा के सहायक प्रोफेसर श्री बलदेव राज की 6 दिसम्बर, 1980 के श्रपराह्म से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, दिल्ली में वरिष्ठ प्रशिक्षण श्रिधकारी के पद पर बदली कर दी है।

श्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जम स्वास्थ्य संस्थान, कलकता मे श्रपने तबादले के फलस्वरूप श्री बलदेव राज ने 8 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, दिल्ली में विरुठ प्रशिक्षण ग्रिधि-कारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मं० ए० 12025/26/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एन० के० वर्मा को 11 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के ग्रधीन श्रस्थायी रूप से तथा ग्रागामी ग्रादेशों तक डैंटल सर्जन के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक

कृषि मूल्य स्नायोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1981

मं० 2-5/76-प्रणासन ग्रनुभाग--श्री ए० एल० शोरी, श्रामुलिपिक श्रेणी 1 को 13 जनवरी, 1981 के (मध्याह्न पूर्व) से ग्रागामी श्रादेशों तक कृषि मुख्य श्रायोग के ग्रद्यक्ष के मिजी सजिब के पद पर ग्रस्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है।

> म्रार० एस० हंसरा, प्रशासन भ्रधिकारी

ग्रामीण पुननिर्माण मन्नालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाद, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० 19023/9/78-प्र०-III---फरीदाबाद में इस निदेशालय के विपणन ग्रधिकारी श्री उमावल पाण्डे का दिनांक 6 जनवरी, 1981 को निधन हो गया है।

दिनांक 23 जनवरी 1981

सं० ए० 19025/61/80-प्रo-III-संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्रनुसार श्री सुप्रिय कुमार हलदर को इस निवेशालय के अधीन नई विल्ली में विनांक 11-12-80 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विप-णन भ्रधिकारी (वर्ग II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 30 भ्रन्तुबर 1980

सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/0312/3149- जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के अनुरक्षण ईंधन संयंत्र के कारीगर 'ब' श्री मोहम्मद मीरन की, बिना पूर्व सुचना/ मन्मति के मनिधकृत रूप से दिनांक 8-5-1980 से तथा-कथित श्रनुपस्थिति के कारण संयंत्र के कार्य में बाधा पड़ी, ग्रौर इस प्रकार उन्होंने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी म्रादेशों के भ्रन्च्छेद 39 (5) एवं केन्द्रीय नागरिक सेवा (म्राचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) (II) ग्रौर 3 (1) (III) के अन्तर्गत दुराचरण किया;

ग्रौर जब कि उक्त श्री मीरन को उनके विरुद्ध लगाये गये धारोप की तथा उनके विरुद्ध श्रागे की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० स०/ **का**० प्र० 5/2606/0312/1887, दिनांक 11-9-1980 द्वारा दी गयी;

ग्रौर जब कि पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 11-9-1980 का उक्त ज्ञापन, उनके स्थानीय पते: नि॰ सं॰ 1-9-707, ग्रदिकमेट, हैदराबाद, से डाक प्राधि-कारियों द्वारा विना वितरित किए हुए, "चला गया", श्रम्युक्ति के साथ लौटा दिया गया;

श्रीर जब कि पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके स्थायी पते : ग्राम ग्रनंदूर, पत्नालय चित्तंलचेरू, तालुका नर्सापूर, जिला मेदक को प्रेषित उक्त दिनांक 11/9/80 का ज्ञापन भी डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इन भ्रभ्युक्तियों के साथ लौटा दिया गया, "व्यक्ति यहां पर नहीं है तथा उसके हैदराबाद में होने की खबर हैं'';

और जब कि उक्त श्री मोहम्मद मीरन के, नामिकीय इँधन सम्मिश्र को ग्रपना वर्तमान ग्रता-पता दिना सूचित किए ग्रनधिकृत रूप से कार्य से ग्रनुपस्थित रहने के एवं स्वेच्छया सेवा परित्यागन के दोषी होने के कारण प्रधी-हस्ताक्षरी संतुष्ट है कि केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीरकण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965, और नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी ब्रादेशों के ब्रनुच्छेद 41 के ब्रनुसार जांच करना तर्कयुक्त व व्यावहारिक नहीं है;

श्रीर ग्रतः श्रधोहस्ताक्षरी श्रव नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश संख्या 22(1)/68-प्र० II, दिनांकः 7-7-79 के साथ संयोजित कर, इनमें प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री मोहम्मद मीरन को तुरंत प्रभाव से सेवाग्रों से मुक्त करते हैं।

> एन कोंडल राव, मुख्य कार्यपालक

1. श्री मोहम्मद मीरन, 2. श्री मोहम्मद मीरन,

नि० सं० 1-9-70*7*,

ग्रामः अनंदुर, पत्नालय: चित्ंलचेरु,

अदिकमेट,

तालिका : नर्सापुर, हैदराबाद । जिला: मेदक।

हैदराबाद-500762, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/219---इस कार्यालय की श्रक्षिचना सं० का० प्र० भ०/0704/7858, विनांक 15-12-1980 के कम में मुख्य कार्यपालक, श्रीधो-गिक ग्रस्थायी ग्राशुलिपिक (प्रवरण श्रेणी) श्री भ० ल० गणपति शास्त्री को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर, तदर्थ ग्राधार पर, ग्रस्प कालिक रिक्त स्थान पर दिनांक 20-1-1981 से 17-2-1981 पर्यन्त ग्रथवा ग्रगले ग्रावेशों तक, जो भी पहले घटित हो, नियुक्त करते हैं।

> यू० वासूदेवा राव, प्रशासनिक श्रक्षिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1981

नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास, एयरपोर्ट, मद्रास के श्री श्रार० एच० मुकन्द, तकनीकी सहायक को दिनांक 4-9-80 (पूर्वाह्न) से सहायक तक्ष्मीकी श्रधिकारी के ग्रेष्ठ में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेणन पर नैनान किया है।

मं० ए-32014/3/80-ई० मी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखन श्राठ मंत्रार सहायकों को, जो इस समय सहायक संचार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे हैं, विनांक 27 दिसम्बर, 1980 से नियमित श्राधार पर सहायक संचार श्रिधकारी के ग्रेड में नियमत किया है, और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

कम नाम सं०	तैनाती स्टेणन
 श्री वी० बी० कुलकर्णी श्री भ्रनित कुमार बनर्जी श्री एम० वैरियर श्री के० एस० बाजवा श्री एम० के० दास 	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर। वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी। वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता। वैमानिक संचार स्टेशन, श्रमृतसर। वैमानिक संचार स्टेशन, पोर्ट- ब्लेयर।
6. श्री एस० डी० सिलवा 7. श्री के० पी० जनार्दन 8. श्री एस० वी०, चीलकर	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदरा- बाद । वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर। वैमानिक संचार स्टेशन, भ्रहमधा- बाद्य ।

भ्रार० एन० दास, सहायक निदेशक, प्रशासन

वन श्रनुमंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० 16/356/80-स्थापना-I—श्रध्यक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री हमीदउल्लाह, सहायक फुलसचिव, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 31-12-80 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निष्कृत होने की श्रनुमति दे दी है।

श्रद्धक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहरा-दून, ने श्री डी० एस० बिष्ट, कार्यालय श्रधीक्षक वन श्रनु-संधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून को दिनांक 31-12-80 के अपराह्म से अगले आदेगों तक सहर्ष सहायक कुल सचिव, नियुक्त किया है।

> श्रार० एन० महन्ती, कुल सचिव वन श्रनसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

सीमा शुरुक एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

सीमाशुस्क

मद्रास-1, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1980 स्थापना

मं० 12/80--श्री श्रार० एस० चेन्डल को संघ लोक सेग श्रायोग के उम्मीदवार 22-10-80 के पुर्वाह्म से श्रमके श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप से सीमाणुल्क घर मे मीधी भर्ती श्रप्रेंसर (विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 9 दिसम्बर् 1980

मं० 15/80--श्री उदया बाय् कालवाडेकर को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 1-12-80 के पूर्वाह्म से श्रमले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप से सीमाणुल्क घर में सीधी भर्ती श्रश्रैसर (विशेषक्क) नियुक्त किया जाता है। वेदो साल तक परखा-धीन काल में रहेंगे।

दिनांक 27 दिसम्बर 1980

सं० 16/80--श्री महेंब्र कुमार श्ररोरा को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 19-12-80 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेण तक, श्रस्थाई रूप से सीमाणुरूक घर में सीधी भर्ती श्रप्रैसर (विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। दे दो साल तक परगाधीन काल में रहेंगे।

> ए० सी० सल्दाना, सीमाशुल्क समाहर्ती

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

सं० 36/80—श्री के० डी० मठ ने, जो पहले निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 16-12-80 के श्रादेश फा० सं० 1041/68/80 के श्रनुसार निदेशालय के मुख्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप दिनांक 16-12-80 (पूर्वाह्म) को उक्त पद का कार्यभार संभाग लिया।

सं० 2/81—श्री भगवान सिंह ने, जो पहले निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी विल्ली में सहायक मुख्य लेखा श्रिष्ठकारी के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 13-1-81 के श्रादेश फा० सं० 1041/68/80 के श्रनुसार निदेशालय के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण श्रिष्ठकारी, (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'बी' के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप विनांक 13-1-81 (श्रपराह्म) को उक्त पद का कार्यभार मंभाल लिया।

एस० घी० सरकार, निरीक्षण निवेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनाक 23 जनवरी 1981

सं० ए-19012/865/80-प्रशा० पाच—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री विश्वारजन दास, पर्यवेश्वक को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इजीनियरी) के ग्रेड मे क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 10-10-1980 की पूर्वाह्र से छ महीने की अवधि तक अथवा पद को नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत: अस्थायी एव तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य, अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एव श्रपना डिस्ट्रीब्युटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनाक 16 जनवरी 1981

मं० 17614/560(3)—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर अपना जिस्ट्रीब्युटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिष्त न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटीत कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मेसर्स ह्यान्डी ग्रन्गल (इंडिया) प्रा० लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनौंक 16 जनवरी 1981

मं० 12298/560(3)— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा(3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ह्यान्डी अन्यल (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रोम प्रकाण जैन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर आयोग मोल्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० 3702/34898---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण मे एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन मास के प्रवसात पर के श्रोमेगा मोस्ट प्राईवेट लिमिटेड

का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पानी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर इण्डो इन्टरनेणनल मर्चेन्ट प्रा० लिमिटेड के विषय से।

नई दिल्ली, दिनाक 16 जनवरी 1981

सं० 2248/1226—कस्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर इण्डो इन्टरनेशनल मर्चेन्ट प्रा० लिभिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया ग्या तो रिज़स्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जायेगी।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 म्रौर मैं० बन्गा फाइनेन्स एण्ड चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे ।

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० 3641/1656—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर में० बग्गा फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल महायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त विल्ली नई दिल्ली, विनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० सी० आई० टी०-5 ज्यूरि/80-81/31334—— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124
की उपधारा (1) व (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग
करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचना में अशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त
दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेग देते हैं कि आयकर अधिकारी
डि० 1(1), नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि० 1
(1) अतिरिक्त नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/
निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार
क्षेत्र होगा किन्तु इसमें धारा 127 के अतर्गत सौपे गये या
इसके बाद सौपे गये मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए श्रायकर आयुक्त, दिल्ली-5, निरीक्षीय सहायक आयकर श्रायुक्त, रेज-5-सी, नई दिल्ली को श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 124 की उप-धारा (2) में प्रवैक्षित ग्रादेशों को पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं।

यह श्रिधसूचना 1/12/80 से लागू होगी।

सं० सी० घाई० टी०-5/ज्यूरि/80-81/31440— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) व (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई ग्रधि-सूचना में ग्रांशिक संशोधन करते हुए, ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ग्रायकर ग्रधिकारी डि० 4 (1), नई दिल्ली का ग्रायकर ग्रधिकारी डि० 4 (1) ग्रिंसिक्त नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में समवतीं ग्रिंधकार क्षेत्र होगा। किन्तु इसमें धारा 127 के ग्रंतर्गत सौंपे गये या इसके बाद सौंपे गये मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-5-सी, नई दिल्ली को श्रायकर श्राधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) में श्रवेक्षित श्रादेणों को पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं।

यह प्रधिसूचना 1/12/80 से लागू होगी।

सं० मी० ग्राई० टी०-5/ज्यूरि/80-81/31540--- ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) व (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई ग्रिधिस्चना में श्रीशिक संगोधन करते हुए, श्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-5, नई दल्ली निदेश देते हैं कि श्रायकर प्रधिकारी डि० 4 (3) नई दिल्ली का श्रायकर श्रिधकारी डि० 4 (3) भ्रातिरिक्त नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धाण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इसमें धारा 127 के अन्तर्गत सौषे गये या इसके बाद सौषे गये मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की मृविधा के लिए ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, निरोक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, रेंज-5-सी, नई विल्ली को ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) में ग्रवेक्षित ग्रादेशों को पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं।

यह ऋधिसूचना 1/12/80 से लागू होगी।

सं० जूरि/डी० एन०/5/80-81/31640—स्रायकर सिध-नियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं अन्य सभी शक्तियां जो इस विषय पर मान्य है के अनुसार अनुरूप आयकर आयकत दिल्ली-5 नई दिल्ली निवेश करते हैं कि निम्नलिखित आयकर सिकलों की स्थापना दिनांक 1/12/1980 से की जायेगी।

- 1. डि॰ 4 (1) (म्रतिरिक्त), नई दिल्ली
- 2. डि॰ 4(3) (श्रतिरिक्त), नई दिल्ली
- 3. डि॰ 1 (1) (झर्तिरिस्त), नई दिल्ली

श्रार० डी० सक्सेना, श्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली

श्रायकर ग्रपील ग्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 20 जनवरी 1981

मं० एफ 48-एडी (एटी)/80---श्री नारंजन दास स्थानापन सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें भ्राय-कर भ्रपील भ्रधि-करण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ ग्राधार पर, ग्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 17-10-1980 में 16-1-1981 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने को ग्रनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 16-10-1980 की श्रधिमूचना क्रमांक एफ 48-एडी (एटी)/80, की श्रव श्रायकर श्रपील म्रधिकरण, दिल्लो न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ म्राधा**र** पर ग्रस्थायी क्षमता मे, सहायक पंजीकार के पद पर ग्रीर तीन महीने की अवधि प्रथित् दिनांक 17-1-1981 स 16-4-1981 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेत् नियमित नियुक्ति संघलोक सेवा श्रायोग द्वारा नही की जाती, जो भी शीझतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

2. उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर यह श्री नारंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी मे प्रोन्नत किये जाने की पालता ही प्रदान करेंगी।

> टो॰ डो॰ मुग्ला, ग्रध्यक्ष

प्रकृप भाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन

(श्राई॰ पी॰ इस्टेंट,) नई विस्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ एस० आर०-II/
5-80/3325 अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मांधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम गांधकारी को, यह विश्वास करने
का कारग है कि स्थावर गमाति, जिनका उक्ति बाजार मूल्य
25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 17 है, तथा जो पंजाबी बाग, गांव मावीपुर, दिल्लो संडेट, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकरती अधिकारी कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान स्तिक स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान स्तिक का पन्द्रह सिकत से प्रभेक है जीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्ति तिक्षे) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न्ति विश्वत सहै किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुई किसी साय की बाबत, उन्त अधिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करते के उससे अबने में सुविधा के जिए, और/या
- ्या) एंसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 268-ग क अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धवित्:--

- श्री राम सरूप जैन, श्री जयकुमार गोयल और श्री सेवक चन्द जैन बेटे श्री भोगी राम, 7055, गली टंकी वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स नाईस एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, 6/85, करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री एच० एस० हंस पाल भौर शेरसिंह चावला ।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह सू**चना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

एक्त सम्पात के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अवस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज कि में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हिसबढ़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विख्या में किए बार कोंगे।

स्पड्टी तरग - - इस में प्रयुक्त सब्दों और पद्रों हा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का हिस्सा जोकि प्लाट नं । 17 व शेड रोड नं । 41, जिसका क्षत्र फल 2195 37 वर्ग गज है जोकि गांव मादीपुर में स्थित है ।

> ग्रार० बी० एन० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज- , विकास भवन, एच० ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, न**ई दि**ल्ली

ता**रीख** :24-1-81

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-II, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जनवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम०ग्रार०-II---5-80/3368---ग्रतः मुझे, श्रार० बी० एन० भ्रग्नवान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 223 है तथा जो रेबेन्यू एस्टेट गांव रोशनपुरा, नजफगढ़, ब्लाक, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल के 15 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अविनियम की धारा 269-म के, अनुमरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियम अस्तर--

- श्री शिवगोयल, बेटा दिवान स्वरूप
 - (2) श्रीमती दिरावा मोहनी पन्नी शिव गोयल, डी-11-12, ग्रजय एनक्लेव, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिजन्द्रा बिहारी लाल बेटा श्री ग्रार० बी० माथुर मी-417, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सुची

कृषि भूमि, 79 वर्ग गज व 4 विश्वास खसरा नं० 223 (4-4), 224(4-16), 225 (4-16), 227 (4-10), 228 (4-7), 229 (4-16), 230 (4-16), 231 (4-16), 232 (4-16), 233 (4-16), 234(3-10), 234/3 (0-16), 236(0-5), 237 (4-12), 238/1 (1-07), 238/3 (2-19) 239 (4-16), 240 (4-16), 241 (4-16) 246 (4-14), जौकि रेवेन्यू एस्टेट, गांव रोशनपुरा, नजफगढ़ ब्लाक में स्थित हैं।

ग्रार० वी० एल० अग्रवात सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, विकास भवन, एच ब्लाक, श्राई० पी० इस्टेट नई दिल्ली

तारीख: 24-1-1981

प्ररूप आह".टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, ग्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 जनवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०1//एस०ग्रार०-III/5-580 359----ग्रत: मुझे, ग्रार० की० एल० ग्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 14 बीघा 11 विस्वास गांव शत्तरपुर, में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुभूची में पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1980

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री राम बाबू महेक्वरी, बेटा श्रार० एस० महेक्बरी ए-1, सरवोदया एनक्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स इच्चर ट्रेक्टर इंडिया, लिमिटेड, 212, दीन दयाल उपाध्याय, मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3, हिस्सा कृषि भूमि का 14 बीधाज व 11 विश्वास खसरा नं० 1227 (4-16), 1226/1 (2-0) 1228 (4-16), 1229/1 (1-17), 1229/2 (1-2) जोिक गाव शत्तरपुर में स्थित है।

श्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रजैन रेज ^I, विकास भवन, एच ब्लाक, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 28-1-81

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, विकास भवन,

एच ब्लाक, ग्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 जनवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-I/एस०ग्रार०-III/5-80/357—ग्रत. मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो 14 बिषाज व 11 विसवास गाव शत्तरपुर, तहसील महरोली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वों क्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात्:--

- श्री बिशन चन्द महेस्वरी, श्रेटा श्रार० एस० महेश्वरी, ए-1, सरवोदया एनक्लेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- मैसर्स आईणर ट्रैक्टर इण्डिया लिमिटेड,
 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग.
 नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर-सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/3 हिस्सा जोकि कृषि भूमि 14 बीघाज व 11 विसवास खसरा नं o 1227(4-16), 1226/1(2-0), 1228(4-16) 1229/1, (1-11), 1229/2(1-2), गाव णक्तरपुर तहसील महरोली, में स्थित है ।

भार० बी० एल० श्रमवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, विकास भवन एच ब्लाक, ग्राई० पी० एस्टेप्ट, नई विरुक्षी

तारीख: 28-1-1981

प्रस्प आई। हीत है । एहं क

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा ८७१ (1) के भिधी। सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-I, विकास भयन

एच ब्लाक, श्राई०पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 जनवरी 1981

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/I/एस० श्रार० III/5-80/394—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त यधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुएए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव शत्तरपुर तहसील महरोली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली मे

रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तम नाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उदेश्य से उना अन्तरण गिथित में जास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- क) सम्तरण में हुई किसी आय की बाबत खबत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में किसी करने या उसमें बचने में गुविधा के गए; भीर/या
- (ज) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संबंधा के लिए;

श्रतः, भ्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयित :---

- श्रीमती बानू दुग्गल,
 ए-12, वेस्टेन्ड, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2 श्री हरविन्द पाल सिंह, श्रीमती कुलदीप कौर श्रीमती निरूम कौर, एन-3, एन० ए० एम० ई०, पार्ट-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति क ग्रजन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वन स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसो अन्य न्यक्ति द्वारा, प्रशीहस्ताश्चरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:--इलमं प्रयुक्त गड्यों चौर पदों का, जो उका ग्रधि-नियन के अध्याय 20-रु नं परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि जो कि गांव शत्तर पुर तहसील महरांली, खसरा नं 1901, (3-16), 1902/2(1-05), 1902/1 (0-18), 1900(4-16), 1902/2(1-06), 1899/1, (1-13), 1899/2 (1-05) 1899/3(1-09)।

आर० बी० एस० श्रग्नथास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज-J, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-1-1981

प्ररूप आर्क्टः टी. एन ३ एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (त) क्रो अधीन सूचना

भाग्रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-, विकास भवन

एच ब्लाक इन्द्रप्रस्थ एस्टेप्ट, नई दिल्ली-110002

नई विरुली-110002, दिनांक 28 जनमरी 1981

निर्वेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/5-80/217---ग्रतः मुझे, ग्रार बी० एल० ग्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 25 बिगाज 15 विसवास गांव शाऊर पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त! रितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्मिनिसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी क्रिसी आब वा किसी अन ग्रा अन्य आफ्तिकां करे, जिन्हें भारतीय अध्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--3—456/GI80

- श्री राजिन्द्र ताम प्यवक्तर बेट्टा स्वर्गीय श्री बेली राम श्री-15.2/ए, डिफ़ेंस क्रालोती, नई दिल्ली । (भन्तरक)
- 2. डिवाइन यूनाइटेड, ग्रारगेनाइजेशन, योगाश्रम हंस मार्ग महरोली, नई दिल्ली, द्वारा सम्पूर्णा नन्द, प्रेजीडेन्ट, भौर वेदप्रकाश, ट्रेजरार (श्रन्तरिती)

को यह सुक्रमा आरपी अरको प्रविधित सम्परित की अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन हो सङ्घन्ध में कोई श्री नाक्ष्मेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्यक्ति साद भी समाप्त होतेशे हो, की भीतर पूर्वितत स्यक्तिसों भी निस्ती व्यक्तित दशहरता;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्फ्रक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में निक्ष का सकोंगे।

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

मन्स्की

कृषि भूमि 25 बीचा व 15 विसंवास जोकि गांव शाऊर पुर बसरा नं० 199(4-7) 200 (3-19), 201 (5-16), 202 (3-1), 203 (3-6) 204 (4-16), में स्थित है।

> श्चार० ब्री० एक० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, ग्लाई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 28-1-81

प्रारूप बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के प्रधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई विल्ली-110002

. **नई** दिल्ली-110002, दिनांक 28 जनवरी, 1981

निदम सं० म्राई ० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०भ्रार०-ÎII/5-80/ 358—म्रतः मुझे, भ्रार० बी० एल० भ्रम्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्रशिकारी की, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से भिष्ठक है

गौर जिसकी सं० 1227(4-16), 1226/1(2-0), 1228 (4-16), 1229/1(1-17), 1229/2(1-2) है तथा जो गांव शत्तर पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के छितित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, ससके वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रश्नितयम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे मुविधा के खिए;

अंतः अय उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री शाम बाबू, महेश्वरी, बेटा श्री श्रार० एस० महेश्वरी,

एन, सर्वोदया एनक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 मैससं भ्राईशर ट्रैक्टर इण्डिया लिमिटेड, 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोइस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त घिष्ठिनियम के ग्रव्याय 20क में परिकाधित है, वहीं धर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा 14 बीघा व 11 विसवास, खसरा नं० 1227 (4-16), 1226/1(2-0), 1228(4-16), 1229/1(1-17), 1229/2(1-2), जोिक गांव शक्तरपुर, नई दिल्ली में स्थित है ।

ग्नार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 28-1-81

मोहरः

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ग्रार०-III/5-80/ 173--- ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व हे प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 192/1, 192/2,195 382 भौर 381/1है तथा जो गांव शोरपुर तहसील महरौली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण सं तुई किसी भाँध की बाबत, उक्त भक्षि-कुं नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धनकर घिष्टि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अता, ग्रव, एक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्- मैसर्स डी० श्रार० थापुर,श्रीर बेटा
 कोटेलिया, मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

श्री गगन चोप ड़ा,
 श्राई-22, महरानी बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः ---

- (त) इत पूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाषा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त अधि -नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि 15 बीगा, 17 विस्वास खसरा नं० 192/1, 192/2, 195, 382 तथा 381/1, गांव भौरपुर तहसील महरौली, में स्थित है ।

धार० बी० एल० ध्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, भ्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 27-1-1981

प्रस्प अनक्षे. दी. एन . ऐसं. -----

आंग्रेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, भ्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई क्लिस-110002, विनोक 20 जनवरी, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स॰ 1 (7-10), है तथा जो 2 (5-8), 7 (4-6) ग्रौर गाव ग्रीरपुर, तहसील महरौली 8-धारा (4-8) में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-मती ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मेपेटित का उभित बाजार मृख्य, उसकी देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यकान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी अपरंते या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनेसी किसी आयं या किसी धन या अस्य आसिता कांग्रे कहें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थी या किया जाना चाहिए था, छिपाने में से किया के लिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निकालिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री दरग्रायु सिंह, राम सिंह बेटे केशो राम, निवासी गाव नागरा, नई दिल्ली-37

(भन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र कुमार जैन, बेटा श्री बी० एल० जैन, सी-2, 630 जनक पुरी, नई विल्ली-58

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित की जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्संस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 चिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जंकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्विध्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों की, जो उकत अधिनिध्या, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मगुसूची

कृषि भूमि 21 विंगांज व 12 विंसवास, खसरा नं व (7-10), 2(5-8), 1 घटा (4-6), भीर 8-(4-8) जोकि गांव गोस्पुर तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है।

भार० बी० एल० भग्नवाल संक्षम प्राधिकारी संहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I', विकास भवन एच ब्लाक, भाई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तरिंख 27-1-81 मोहर: प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ० प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक भावकर प्रायुक्त (निरीक्रण) प्रजीन रेंज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, म्राई० पी० एस्टेट नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनाक 27 जनवरी 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-I/एस०प्रार०-III/5-80/ 182--श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है भीर जिसकी सं० 457 (2-6), है तथा जो 460 (4-16), 461 (4-16) गांव खानपूर, तहसील महरौली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय दिल्लीमें रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्तल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने ा। कारण है कि यथापूर्वोग्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमा प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशन अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनियम, श्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्त था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता भव, उक्त मिश्रिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मिश्रिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के भारीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री जगदीश चन्द्र बेटा श्री मोहन लाल प्रार०-41, ग्रेटर कैलाश,-I नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रवण सिंह दुगाल, बेटा श्री राम सिंह दुगाल, बी-1/277, जनकपुरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरा सम्पत्ति के प्रजैन के माम्बरक में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रत्रिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मं 45 विन के भीतर उपन स्थावर सम्पर्शि में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पंधीकरकः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रिश्चितियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, नो उस प्रद्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि भूमि 11 बीषा व 18 विसवास, खसरा नं० 457(2-6), 460(4-16) 461(4-16), गांव खानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> श्चार० बी० एल० श्चग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्चायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच-ब्लाक, श्चाई०पी० इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 27-1-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस•----

पायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, माई०पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी 1981

निर्वेश सं० धाई०ए०सी०/एक्यू०-I/एस०ग्रार०-III/5-80/172—यतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिषत बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक हैं

मौर जिसकी सं० 196, 200, भौर 381/1 है, तथा जो गांव भोरपुर, तहसील महरौली, में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूनी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राधिनियम, के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--- मैसर्स डी० प्रार० थापर, भौर बेटे
 19, कौटिल्या मार्ग, नई विल्ली ।

(भन्तरक)

 चारू चोपड़ा, म्राई-22, महारानी श्राग, नई दिल्ली

(भ्रम्सरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

भगुसुची

कृषि भूमि 11 बीगास व 17 बिसवास, खसरा नं० 196, 209 भौर 381/1, जोकि गांव शोरपुर, महरौली में हैं।

> म्रार० बी० एल**ं प्रग्नवाल** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, न**ई** दिल्ली

तारीख: 27-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, भ्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ग्रार०-III/5-80/ 362—यत: मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 645 है, तथा जो गांव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) र्विजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई. 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिभियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री जागे राम, थाना, सन्स, ग्रमी लाल गाँव नेम सराय, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

कुमारी सुनीता डान, बेटी महिन्द्र कुमार जैन,
 डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई विल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 वर्ग गज व 16 विसवास, जसरा नं० 645, गौव नेम सराय में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० मग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, माई० पी० ईस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 27-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आस्क्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-I, विकास भवन

एच ब्लाक, नई दिल्ली-110002, मई दिल्ली-110002, दिलाक 27 जनवरी, 1981

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०ध्रार०-III/ 5-80/ 36.1 अतः मुझे श्रार० क्षी० एस० श्रम्रगाल

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वत 'उक्क आधिनियम' कहा ग्रेग है), की धारा 269 के अधिन सक्क प्राधिकारी को यह किवास करने का कारण है कि स्थान्नर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 639 (1-16), 664 (2-9) तथा जो गांव नेम सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 19,08 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथरपूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- श्री जागे राम और धन्य बेटे घ्रमी लाल गांव नेम सराय नई दिल्ली.

(मन्तरक)

कुमारी सुनीता जैन, बेटी महिन्द्र कुमार जैन,
 डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(म्रन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की कारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि 4 वर्ग गज व 5 विसवास, खसरा नं० 639/1, (1-16), 664 (2-9), गांव नेम सराय, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

श्चार० वी० एल० ग्रप्रवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्ता(निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्त स्टेट, नई विस्ली

तारीख: 27-1-81

प्ररूप बाइ . टी. एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-I, विकास भवन
एच ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-ा/एस०आर०/III/5-80/ 363—यतः मुक्षे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 640 है, तथा जो गांव नेमसराय, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दापित्व में कमी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/मा
- .ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, भृष्तिः--4—456GI/80 श्री जागे राम, थाना, बेटे, श्रमी लाल, गांव नेम सराय, नई विख्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुनीता जैन, बैटे मोहिन्दर कुमार जैन डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब शें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- ववध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 41 वर्ग गज व 16 बिसवास, खसरा नं० 640, गांव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बी० एल० भ्रमवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली।

तारीख: 22-1-81

प्ररूप आहें । दो । एन । एस । —

कायकर अधिनियम, 1,961 (19,61 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-र्, विकास भवन एच० ब्र्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनाक 22 जनवरी 1981

निदेश संब्याई० ए० सी०/एक्यू-1/एसब्य्यार०-III/5-80 श्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

श्लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 चुंब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 644 है तथा जो गाँव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्म्यमान प्रतिफल से एसे ब्रह्म्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

 श्री जागे राम, थाना बेटा, ग्रमी लाल गाँव नेम सराय, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

कुमारी सुनीता जैन, बेटी महिन्दर कुमार जैन,
 डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना को राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभाहस्ताक्षारी के पास जिलिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 वर्गगण व 16 विसवास खसरा नं० 644, गाँव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्चार० बी० एस० श्चग्रवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-^I, विकास भवन एच, ब्लाक, श्चाई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तित्यों, अधित्:——

तारी**ख**ः 28-1-81

प्ररूप आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच० ब्लाक, आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी 1981 निदेश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०-I/एस०म्रार०-III/5-80/ 365—म्रतः मुझे, भ्रार०बी० एल० भ्रप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 641, तथा जो गांव नेम सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्द प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः-- श्री जागे राम थाना बेठे, ग्रमी लाल, निवासी गांव नेम सराय, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

कुमारी सुनीता जैन, बेटी श्री महिन्दर कुमार जैन,
 डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई विल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीधा व 16 विसवास खसरा नं० 641, गांव नेम सराय, तहसील महरौली में स्थित है ।

> म्रार० बी० एल० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-I, विकास भवन एच० ब्लाक, म्राई० पी० इस्टेट, नई विल्ली ।

तारीख:27-1-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, विकास भवन
एच० ब्लाक, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी 1981

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० झार०-111/5-80/ 366---श्रतः मुझे, झार० बी० एल० श्रग्रवाल,

मायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जसकी सं० 663 है, तथा जो गांव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से भधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उन्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के निएए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंथध के लिए;

शतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- श्री जागे राम बाना, बेटा, ग्रमी लाल निवासी गांव नेम सराय, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

कुमारी सुनीता जैन, बेटी महिन्दर कुमार जैन,
 डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त् सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्रता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जम् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मृत्यी

कृषि भूमि 4 बीघा य 16 विसवास खसरा नं० 663, गांव नेम सराय, नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, विकास भवन एच० ब्लाक, ग्राई० पी० ईस्टेट, नई दिल्ली

बारीख: 27-1-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेण सं० ए० पी० 2404—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा ढिलवां लकां में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रान्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

 श्री करनैल सिंह पुर श्री चेतसिंह वासी गांव ढिलवां कलां, तहसील फरीदकोट

(ग्रन्तरक)

 गुक्देव सिंह पुत्र खडग सिंह वासी गाँव ढिलवां कलां, तहसील फरीदकोट ।

(ग्रन्तरिती)

- जैंसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब ब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी आ से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य ध्यक्ति क्षारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त धिन नियम, के घ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही धर्य होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 674, मई 1980 रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय में लिखा है।

> ग्रार० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**खः** 14-1-81

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांकः 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2405—यतः मुझे म्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- र. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो ढिलवा कलां में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीदकीट में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्रयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वों कतः सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से एसे दरयमान प्रतिकाल का पद्गह प्रतिवात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्तियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकाल, रिक्तिका दर्षय से उक्त अन्तरण निखित को निस्ति के वास्तिवार इस्प्य से उक्त अन्तरण निखित को वास्तिवार इस्प्र से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; बार/या
- (क) प्रेली किसी आय या किसी धन या अस्य अस्टियों करिं। जिल्हें भारतीय शाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिका के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीन :--

श्री करनैल सिंह पुत्र श्री चेत सिंह,
 वासी ढिलवां कला, तहसील फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुरवेष सिंह पुत्र खड़क सिंह, वासी गांव ढिलवां कला, तहसील फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जो जिसके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण:---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृचीिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति; जैसा कि विलेख नं० 732, मई 1980 रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, फरीदकोट ।

तारीख :14-1-1981

प्रस्य मार्थं टी० एत एस०---

आयकर अ**विनियम, 1961 (19**81 का 43) की घारा 2**69-व (1) के अ**घीन भूजना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक, 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2406—यतः मुझे स्नार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो खोजा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख मई, 1980

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अग्नियम के प्रधोत कर धने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या जनमे उचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या जिसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीधिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के असीक, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :— श्री स्वर्ण राम पुत्र राम लोक वासी गांव खोजा, तहसील नवा शहर ।

(श्रन्तरक)

 श्री मोहिदर सिंह पुत्र ब्टा सिंह, वासी गांव खोजा, तहसील नवा शहर ।

(भ्रन्तरिती

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जसिके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंसप कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में मकायान की लागील के 48 दिन की घवछि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वर्धा, को भी-अवधि-काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्यबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 771, मई, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवा शहर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख :14-1-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2707--यतः मुझे, श्रार० गिरधर, षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुस्य 25,000/- रुपये से ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो ऊरापुर में स्थित है (भ्रौर इससे छपाबन्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुग्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (मन्तरकों) यौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में मुविधा के लिए; शौर/या

उद्देश्य म उक्त ग्रन्तरण निजित में गरनकित रूप ने कथित

नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत:—— चेन सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी गांव ऊरापुर, तहसील नवाशहर।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रमर सिंह पुत्र भक्त सिंह ्वासी ऊरापुर तहसील नवागहर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितकद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त भिन्न-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

व्यक्ति ग्रीर सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 493, मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवाशहर में लिखा है।

> म्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्मर

प्ररूप आहे. टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2408—यतः मुझे, न्नार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित आजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० जैसा कि श्रनुसूची में है लिखा है तथा जो बरनाला कला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवाशहर में जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिचित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्रिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अन्सरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्ं :-- 5--456GI/80

 श्री जसबीर सिंह पुत्र शेर सिंह वासी गांव सलहो, तहसील नवांशहर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री मुलिकित राम पुत्र चौधरी बीशनी राम, वासी सलहो, तहसील नवांशहर।

(भन्तरिती)

उ. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पक्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पक्ति में हितवाद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं त्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-विष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, खा उस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

व्यक्ति श्रीर सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 537, मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> भ्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, नवांशहर

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2409—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शाहपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोबर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

कं प्योंक्त संपरित के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम में अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्यआस्तियों का, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनिधम, या धनकर प्रधिनिधम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अम्भरेज में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री प्यारा सिंह, पुत्र इन्दर सिंह द्वारा श्रीमती नाशोतारकौर पत्नी श्री प्यारा सिंह, लाहोरी गेट, कपूरथला । (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री मंगल सिंह पुत्र तारा सिंह, वासी गांव शाहपुर, श्रौर श्रीमती भजन कौर पत्नी मलिकयत सिंह गांव छभरवाल बिल्ला, तहसील नकोदर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग म सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में र्हीच रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे भें श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितब है)

को यह मूजना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सध्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

ध्यक्ति ग्रौर सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 486 मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नकौदर में लिखा है ।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जालम्बर

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 क(1) के ग्रधीन सूजना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालम्थर

जालन्घर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी०-2410---यतः मुझे न्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थानि, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- य० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लखा है तथा जो ललमा खुरद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई. 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिकत के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफन का पण्यह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आय को बाबन, उक्क प्रिधिन नियम के प्रधीन कर देन के प्रन्तरक के प्रियम में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी ग्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— गुरबशन सिंह पुत्र जवाला सिंह वासी लालीन खुरद, तहसील जालन्धर,

(श्रन्तरक)

 बलवत सिंह, परमजीत सिंह, सरबजीत सिंह, गुरमेलसिंह सुपुत जोगेन्द्र सिंह वासी गांव लालीन खुरद, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उत्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भन्नि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आहता.
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंके।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भोर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिप्रावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, ग्रीर सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 973 मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर, (सक्षम ग्रधिकारी) सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालस्धर

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए० पी० 2411—यतः मुक्षे प्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गहगा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पाव पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिवहरबा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन निस्नलिखित व्यक्तियों अधितः --

 देवेन्द्र सिंह पुत्र ईश्वर सिंह, वासी मुक्तसर ।

(भन्तरक)

2. श्री मीनी हरप्रीत कौर बेटी नितरंजन, पाल सिंह, वासी गहगा ।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके मिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

व्यक्ति, ग्रौर सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 201, मई,1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गिइंडवाहा, ने लिखा है।

> ग्नार० गिरघर, (सक्षम श्रधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-81

मोहरः

प्रकप साई० टी• एन• एम•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायौलय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश स० ए० पी० 2412—यतः मुझे श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकोट मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम , 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कांध्य नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री नेकचन्द पुत्र श्री वीर चन्द, वासी, कोटकपूरा।

(ग्रन्तरक)

 श्री रतन लाल पुत्र श्री कंश राम, पुत्र हरगोविन्दमल, वासी कोटकपुरा ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिसब है)

का यह सूचना जारी **करके पर्वा**क्त सम्प**रित के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैशा कि विलेख नं० 347, मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> भ्रार० गिरघर, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारी**ख**ः 14-1-81

प्रारूप माई• टी• एन• एस•----

भायकर पविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० 2413—यतः मुझे भ्रार० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के धवीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका छचिन बाजार पूम्य 25,000/- अपए से धिक है

भौर जिसकी सं० जैसािक श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित हैं (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाम निकल निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरक जिल्लाखन में सस्तिक हम में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितम्य के भक्षीत कर देते के भन्तरह ह दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त भिधिनियम, धा धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विधा के लिए;

क्त: सब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकिया व्यक्तियो, अर्थात् ।—— श्री नेक चन्द पुत्र श्री वीर चन्द वासी कोटकपुरा,

(भ्रन्तरक)

 श्रोमप्रकाश, सुभाष चन्द्र , मुरेश कुमार, पूर्ण चन्द्र सुपुत्र राम कुमार श्रीर श्री मित सुखदेवी परनी श्री रामकुमार, वासी कोटकपुरा ।

(भन्तरती)

जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 अो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर कपूर्वीका सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रावाच में प्रकाशन की ताये ज से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 िन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी भ्रम्य क्यमित द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्बीकरण ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, औ छक्त अधिनिषम के अध्याय 20-क में परिधाबित है, बड़ी घर्ष हीमा, जो खस बण्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 348 ,मई 1980 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

> न्नार० गिरधर, सक्षम म्रिधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, फरीदकोट

तारी**ब** 14-1-1981 :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, जालधर जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० पी० 2414—यत: मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मेन बाजार, फरीदकोट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोका मंतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निखिक्त व्यक्तियों अर्थात्ः-- मोती राम पुत्र रूलिया राम वासी फरीबकोट।

(श्रन्तरक)

 श्री बलदेव राज पुत्र शाम लाल, शाम लाल पुत्र मोती राम, लाजवन्ती पत्नि शाम लाल वासी मुहल्ला तलाब, फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पित्त है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।

 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, शही वर्ष होगा जो उस सक्याय में दिया गया है।

मनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 356 मई, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी फरीदकोट में लिखा ।

> म्रार० गिरधर सक्षम म्रधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-1981

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दनांक 14 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० पी० 2415—यतः मुझे ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोरापुर तहसील नवां शहर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिख्त व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री परगान सिंह पुत्र देवी सिंह, वासी गांव श्ररापुर, तहसील नवां शहर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती जीत कौर पत्नी श्रमर सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी गांव श्ररापुर तहसील नवां शहर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 767, मई, 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता म्रधिकारी नवां गहर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखाः 14-1-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालंघर

जालन्धर , दिनांक 14 जनवरी 1981

मं० ऐ० पी० 2416—यतः मुझे श्रार गिरधर, आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया हैं), की श्रारा 269-ख के श्रिधीन सञ्जाम श्रिधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जित्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० ज अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बेगमपुर तह्सील नवाशहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवाशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यसान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, तिम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिगिन में वास्नविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/म
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

ग्रत: प्रव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री धन्ना सिंह पुत्र कृपा सिंह मुहल्ला जट्टा नवाशहर । (श्रन्तरक)
- श्री बलवन्तराय पुत्र ग्रोमप्रकाण वासी रेलवे रोड, नवा-णहर ।

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रिक्षिनियम के श्रद्ध्याय 20-7 में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृष्टी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 380 मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवागहर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जासन्धर

विनांक: 14-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्षान रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

सं० ए० पी०-2417-यन मुझे श्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो नवाहर मार्किट शाहकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शाहकोट मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह ित्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री सन्त लाल पुत्र ताहजा राम वासी शाहकोट तहसील नकोदर

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरमेज सिंह , जयगुरदेव सिंह पुत्र श्री सज्जन सिंह वासी छछीगाल तहसील नकोदर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिल्बंद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 248 मई 1980 रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोट में लिखा है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी नहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालक्क्षर।

दिनांक : 14-1-1981

प्रसप भाई० टी० एत० एम०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के धाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

स० ए० पी० -2418—यत मुझे ग्रार गिरधर, ग्रायकर ग्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुष्ण से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसाकि ग्रनुसूची में लिखा है कि तथा जो कीटक-पुरा रोड, मुकतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का उन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बोध ऐस प्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य प उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक हा प्रकार के विश्व रही किया गया है:——

- (क) प्रनारक ने र्इ किस आठ को बाबन, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, कीरनित:
 - (ग) एसा किसो बार या किसो घत या अन्य प्रास्तिथा को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उका प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयाजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में त्रिवधा के लिए.

अतः प्रत्रं, उत्त पश्चितियमं की धारा 269-ग के श्रनुतरण में, चे, उक्त प्रतिविद्य की धारा 269-न की उपधारा (1) के अनोतः कि संविद्या अस्तियों, प्रयोगः --- श्री नरजन देव दिवान सुपुत्र श्री नन्दिकशोर वासी मुक्तसर श्रीर श्रीमित सरोज कुमारी पित्न श्री नरजन देव वासी मुक्तसर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री रमेण कुमार सुपुत्र श्री दीपचन्द मुपुत्र श्री डोरीलाल वासी बारा बजार वासी मुक्तसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरो
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **अर्जन के** लिए कार्य**वाह्यिमं करता** हं।

उक्त सम्पत्ति हे वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इन सूचना के राजनत ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील न 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्राउटो तरण: — इसमें प्रयुक्त णख्यो और पर्दो का, जो उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हीगा को उर प्रध्याय ने दिया गया रे

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 431 मई 1980 रजिस्ट्रीकर्ता मुक्तसर में लिखा है।

> स्रार० गिरधर, सक्षम स्रधिकारी महायक आयक्त साय्**मत (निरीक्षण)** स्रजी रेंज, आलन्धर

दिनांक : 14 जनवरी, 1981।

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-ष (1) के भ्राधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० ए० पी०-2419—यतः मुझे झार गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क्ये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची मे है तथा जो बस्ती गोविंद गढ़ मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में स्थित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से, ऐसे

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उग्न्यमान प्रतिफल है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्नरण के निए तम पाया गम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उका प्रतिण निश्वा में जाम्निह रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में दुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि नियम के अधीन कर देने के ग्रन्नरक के दायित्व में कमी करने या उपा बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय में किसी प्रत्य या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय कर भिर्धानयम, 1923 (1922 हो 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिद्या के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण मे, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :--- मनी राम सुपुत्र लक्ष्मण दास वासी बस्ती गोबिंद गढ़ मोगा ।

(भ्रन्तरक)

 पूरन सिंह मुपुत्र हीरा सिंह, जसपाल सिंह, किरणपाल सिंह, वासी मोगा ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के भ्राजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (ा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य ध्यकि। द्वारा, श्रुबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पध्नीकरण:-- - उसमें प्रयुक्त णक्दों ग्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-निश्म के यध्याथ 20-क में परिभा पत है वही प्रयं दोता ज उस प्रध्याय में दिया गया है।

भमुस्थी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 923 मई 1980 रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिककारी में लिखा होता है।

> श्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आहुं ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1981

सं० ए० पी०—2420/यतः मुझे स्नार गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो बस्ती गोबिन्द गढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मई 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आग्र की बाबत उक्त अधि-निग्रम का अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अवित '--

- श्री पूरन सिंह सुपुत्र श्री हीरा सिंह वासी बस्ती गोबिंद गढ़ मोगा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती महीन्द्र जीत कौर पत्नी श्री सुखविन्द्र सिंह श्रौर श्रीमति सुणील कौर श्री बाबुमिह वासी वस्ती गोबिदगढ़ मोगा । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति से कचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लियित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 922 मई 1980 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी मोगा ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

नारीख: 14-1-1981

प्रकर आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के भंभीन पूचना भारत सरकार

कार्यात्र, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2421—यतः मुझे श्रार० गिरधर, आयकर श्रिक्षियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिक्षिनियम' कहा गया है), की घारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी रोड, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्त मिन्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उकत अधि-वियम के धंधीन कर वेने के धन्तरक के दाखित में कमी करने या उससे अजने में मुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐमी किसो अप या किसी घन या अग्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनिधम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनिधम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिकिन व्यक्तियों. अर्थातः ---

> केहर सिंह सुपुत्र श्री मोहन सिंह वासी करतारपुर

> > (ग्रन्तरक)

 श्री राम कुमार, राम बलदेव, कृष्ण लाल, श्रौर खैराती लाल, भवेण खड़ा,

रबड इन्डस्ट्रीज, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

- (1) बलबीर सिंह सुपुत्र शिव सिंह मार्फत बलबीर सिंह साईकिल स्टोर, मंडी रोड जालन्धर ।
 - (2) प्रेम नाथ सुपुत्र वैजनाथ, मैसर्स बी० नं० कपूर एण्ड सन्स, मंडी रोड, जालन्धर ।
 - (3) इन्द्र सैन, सुपुत्र बंशी राम मैसर्स मुहरा मिल्स स्टोर मंडी रोड, जालन्धर ।
 - (4) दर्शन लाल सुपुत्र बी० डी० भोला, मार्फत इन्द्रपरीत पिक्चरस मंडी रोड, जालन्धर ।
 - (5) दलजीत सिंह सुपुत्र सुरेन्द्र सिंह विस्णू पिक्चर्स मंडी, रोड, जालन्धर ।
 - (6) बकील सिंह पुत्र सासरण सिंह, रूबी फिल्म्स मंडी, रोड, जालन्धर ।
- 3. जैसा कि ऊपर 2 नं० में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितब बहै)

को यह मूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्बन्धि के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी पाछोप .--

- (६) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविव या तन्सम्बन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा नकींगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जा उप अध्याय में दिया गया

प्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसाकि विलेखनं० 1397, मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर ।

तारीख 14-1-81 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2422, दिन—यन: मुझे घ्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची में लिखा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, 14, फगवाड़ा, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णक्प से वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने को कारण हो कि मन्त्रिक्त को जिल्हा वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अमर सिंह पुत्र राम धन, जी० टी० रोड, फगवाडा ।

(अन्तरक)

 मैसर्स गनेण राईस दाल जनरल मिल्ज इन्डस्ट्रियल एरिया-14, फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 408, दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाडा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर संक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः: 3-1-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2423—यतः मुझे स्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो नई श्रावादी स्कन्ध वाला, श्रमर कोट, श्रबोहर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीद दिनांक मई, 1980

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकान के लिए अन्ति रत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतांक्त सर्पात्त का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिवक रूप से किंधन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों स्थातिः—

- ज्ञान सिंह पुत्र लाल सिंह,
 वासी गांव कन्धवाला, ग्रमरकोट तह० फाजिल्का।
 (ग्रन्तरक)
- किशनचन्द पुत्र सन्त राम वासी श्रबोहर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ! (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हो सम्बन्ध मो कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिलिन में किए जा नकाँगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

श्रनुसुधी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 498 दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख :13-1-1981

प्रकार बाई । ने । एन । एस । ...

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(।) के धन्नीन सूचना

श्रारत मन्जार

कार्यापय, सहायक आयकर आम्म्स्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्यर,

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2424—यत: मुझे प्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उण्त अधिनियम' कहा गंथा है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ बित वाजार मूल्य 25,000/-र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सोतीहरी रोड, हुशियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रिजट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीवा दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह अश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मयत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर पन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्लरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निषम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत :——
7—45601/80

 श्रीमती हरमुनिन्दर कौर पत्नी सुखजीत सिंह पुत्र डा० मौहन सिंह वासी सीतिहरी रोड, होशियारपुर ;

(अन्तरक)

3. श्रीमती उत्तम कौर विधवा स्व० श्री हरबन्स सिंह श्रौर प्रेम बखशीश सिंह पुत्र हरबंश सिंह, वासी श्ररजन सिंह स्ट्रीट, हुशियारपुर ।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं ० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखना है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यु सूचना बारो बरके पूर्णकत सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता है।

एक्त मंपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी धाक्रीप ।---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामीन से 30 दिन की धविध, जो भी भनेंस
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसा व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकःशन की नारीच से 45 दिन के भीतर शक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्परदीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वी उसत धिश्रितयम के अग्राय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सम्पत्ति तचा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 676 दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

ग्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, जालन्धर।

ता**रीख**्री 3-1-81 मोहर :

मारव सरकार

फार्याजय, सहायक भायकर धामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० ए० पी० 2425—यत: मुझे आर० गिरधर, आयकर पिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'धनत पिष्टिनयम' कहा वया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावध सम्वत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 25,000/- वपए से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो। राजा सिनेमा, रोड, फाजिल्का, में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमाम प्रतिष्ठल के लिय अग्तरित की गई है और मृत्रों यह निश्वास करने का कारण है कि अवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिषठल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिषठल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अग्तरिक (सग्तरकों) और धग्तीरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के विष् तय पाया वया प्रतिषठल, निम्नलिखित छहुरेय से उक्त अग्तरण लिखित में बास्तिन स्था न स्थात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग को बामत उपत अभिनियम के भ्रमीन कर दन के अन्तरक के दायिश्य में चमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी निसी भाय या किसी भ्रम या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर भिर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भ्रम-कर भिर्मियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती का प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए था, कियाने में संविधा के लिए;

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्रीमती प्रमेश्वरी, देवी विधवा तुलसी राम वासी फाजिल्का,

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्द्र सेन, धर्मबीर सुपुक्त क्रिज लाल वासी गांव किंधहरा तह० फाजिल्का

(भ्रन्तरिती)

जसािक ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध ैहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

|उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 बिल की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उनत स्वावर सम्मत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहश्ताकारी के पाम निखित में किए वा सकेंगे।

स्पव्होक्करणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शक्षिक्तिमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्वीकियं होगा, जो उस भव्याय में विधा गया है

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति विलेखनं ० 522 दिनांक मई, 1980 को रजिम्ट्रीकर्रा ग्रिधिकारी फाजिलका में लिखा है ।

> श्रारः० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी ,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 15-1-1981

. मोहर :

प्रस्प माई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० पी० 2426---यतः मुझे भार० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रूपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो राजा सिनेमा, रोड, फाजिलका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनसुची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफक्ष से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रष्टिक है गौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिचाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, भै, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-भ की उपग्रारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत:— 1. श्रीमती प्रमेण्यरी देवी विश्ववा स्व० श्री तुलसी राम वासी फाजिलका ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भीम सैन, ग्रमर सिंह सुपुत्र किंज लाल वासी गांव किंछहरा, तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में झश्रोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अम्रोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है वही श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 523, दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फाजिलका में लिखा है।

> द्यार० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्मर

ता**रीख**ः 15-1-81

प्रस्त् नाई. धी. एन्. एस्.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालश्वर

जालन्धर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० पी० 2427—यतः मुझे ग्रार० गिरधर, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रमुस्ची में लिखा है तथा जो गांव माहलवा, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रमुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रश्निकारी के कार्यालय मूंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएकांक्त संपरित का जीवत बाजार मूल्य, उसके दूपमान प्रतिफल से, ऐसे द्ययमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम वा आपकी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, मुर्थात्≦-- कुन्दन सिंह पुत्र केंसर सिंह गांव काहलवा तह० जिला हुशियारपुर

(भ्रन्तरक)

- 2. मुहिन्दर सिंह पुक्त गुरबचन सिंह , श्री रणजीत सिंह, जसबीर सिंह सुपुत्र मुहिन्दर सिंह गांव काहलवा, डाकखामा म्ंगा, जिला हुशियारपुर। (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजधन को तनरीय में 45 दिन की खबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी खबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहिस्ताक्षरी के गास निषित में किए ा सकागे।

स्पष्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्या गया ही।

नन्त्र्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जसा कि विलेख मं० 320, दिनांक मई, 1980, को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठकारी, मूंगा में लिखा है।

> श्रार० गिरघर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर ।

सारी**ख**ः 15-1-81

माहर:

प्रकृप धाई० टी० एन०एस०---

ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 20 जनवरी 1981

निवेश मं० ए० पी० 2428—यतः मुझे श्रार० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन मक्षप प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिन, जिनका उत्ति नाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव नलोइयां, हुकियारपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रंप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के व कार्यालय हुकियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन दिलांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से भाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश ने उक्त यन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से सुविधा के लिए:

अतः प्रव, उनत प्रश्निनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उनत प्रश्निनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रश्नीम, निम्नविश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री हरीपास सिंह् भुत्र किंण लाल।
 वासी गांव नलोहयां, जिला हुशियारपुर।
 - (भ्रन्तरक)
- मैसर्स हुशियारपुर रोलंर फ्लोर मिल्ज, हुशियारपुर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिन रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजेंन के सम्बन्त में कोई भी ग्राकेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्ध व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकतिकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही भ्रयं होना जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 579, विनांक मई, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ती श्रेधिकारी हृशियारपुर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-1-1981

मुख्य आहे. थी. एस्., एस.---

क्त्यकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालधर, विनांक 20 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2429— अतः मुझे, ब्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- य के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जैमा कि श्रनुसुषी में लिखा है तथा जो गांव नलोहयां (होशियार पुर) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रोधकारों के कार्यालय, होशियार पुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रत्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक कृष से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियंब के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वारित्व में कभी करने या उससे सकते में सुविधा के लिए, और/वा
- (स) एंसी किसी राय पा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन-निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः--- (1) श्रो राजिन्द्रसिंह पुन्न क्रिज जाल वासो गांव नलोहयां जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं मसं हुशियार रोलर फ्लोर मिस्स, हुशियार-पुर।

(ब्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा हुन्ना है। (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके नारे में प्रघोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सपिता में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

वमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 580 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ^{प्र}ज, जासधर

तारीख :20-1-81 मोहर :

प्रकृष बाई॰ टी॰ एग॰एस॰---

धागकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मंत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० नं० 2430— अतः मुझे, आर० गिरधर प्रायकर प्रक्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ज के अधीन सम्मान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूख्य 25,000/- वपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव नलोइया (हुणियार पुर) म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध म, श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हुणियारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908) का 16 के प्रधीन मई 1980 की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के बृद्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित को गई है धौर मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृद्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्राप्तित्यम के अधीन कर देने के अस्तरक के बाधिका में कभी करने या उक्षसे बचने में सुविधा के जिए; भीर/या
- (छ) ऐथा किमा भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत भिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के निए:

अतः, अत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) धीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रथति :--- (1) श्री हरवियाल सिंह पुत्र क्रिज लाल वासी। नलोइया, जिला हृशियार पुर।

(ग्रंतरक)

(2) मैंसर्स हुशियार पुर रोलर पलोर मिल्ज, हुशियार पुर।

(म्रन्तरिती)

(3) जैंग्ग कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग म सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में घिच रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे म श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि बह संपक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ेसम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की स्वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिन्द द किसी बस्प स्पक्ति द्वारा, बधोइस्ताकारी के पास लिखित में बिए जा सक्षेत्रे।

स्पच्छीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पर्दो का, जो उक्त असिनियम, के बक्याय 20-क में परि-भाषित हैं, रही पर्य दोना, जो उस प्रकाय में विका कमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 581 दिनांक मई 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हुशियार पुर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंद्यर

तारोख :20-1-81

प्रकप बाई ० ठी । यन । यस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कीय सिय, सहायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० पो० ए० न० 2431— अतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसुची नें लिखा है तथा जो गांव नलोइया (हुशियारपुर) में स्थित है (और इससे उचानद अनुसूचों म श्रीर पूर्ण रूप में विजल है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हुशियारपुर में रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन विभाक मई 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्वमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल किन्तरित्या उच्ये हैं से अपना प्रतिकल का से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्र (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल का से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग्र की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकाड अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः गवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भः की उत्तभारा (1) को अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रो राजिन्द्र सिंह पुत्र क्रिज लाल वासा गांव नलोइया जिला हिशियारपूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैमर्स हिणियारपुर रोलर फ्लोर विस्स, हुणियार पुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पक्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापत
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्वष्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया को।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 642 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हुशियार पुर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, आलंधर

तारीख: 20-1-1981

प्रका पाई० टी० १९० एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज. जालंधर

चालंधर, विनांक 21 जनवरी 1981

निदेश सं० ए०पी नं० 2432----ग्रत: मुझे, ग्रार० शिरधर आयकर प्रधितिगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारम है कि स्<mark>यावर सम्पत्ति जिसका उचित</mark> मूरुप 25,000√- रुपए से पश्चिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसुच में लिखा है तथा जो गांव नलोहरा (हणियारपुर) में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद ग्रन्मुच। में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्स्ट्रं,वर्ताश्रधिकार, के कार्यालय, हुणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के भ्रधोन दिनांक मई 1980 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बजार मृहय से कम के वृष्यपान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे** दुश्यमान प्रतिकार का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम से दुई किसी धात की बाबत उक्त प्रांत-नियम के पत्रीन कर देने के सन्तरक के द्रांतिन में कभी करते या असमे बचने में मुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी स्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय स्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिसाने में स्रोवधा के लिए;

ग.सः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचितः---8---456 G1/80 (1) श्राहरदियाल सिंह पुत्र श्रिज लाल वासा गांव नलोहया जिला हुशियारपुर ।

(श्रंतरक)

- (2) मैंसर्स हुशियारपुर रोलर प्लोर मिल्स हुशियारपुर। (अन्तरितः)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 3 में है। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरा जानता है जिवह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए अर्पवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति हे प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिनवद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भग्ग्डोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रुषं होगा जो उत श्रष्ट्याय में दिया गया है।

श्रनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख सं० 643 दिनाम मई 1980 को रिजस्ट्रोफर्ता ग्रिधिकारी, हुणियारपुर में लिखा है।

> स्रार० गिरधर संक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, जालंघर

तारी**ख**: 20-1-8 1

प्रकप बाई⊕ टी० एन० एस०-----

अ।यकर **समिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीभण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

स० ए०पी०एन० 2433---यतः मुझे, म्रार० गिरघर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे 43) इसमें इसके पश्चात 'उबन अधिनियम' कहा गया है). को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका में अधिक है उचित धाजार मुल्य 25,000/÷ ব৹ ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रन्सूची में लिखा है तथा जो गांव नलोइया (होशियारपुर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हुणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मई 1980 को पूर्वोक्त मन्दिन के उचिन बाबार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्मत्ति का एचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आप की बाबत सक्त अधिनियम के मधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने वचने में सुबिधा के किए; और/या
- (था) ऐसी किसी साथ या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उन्त अधिनियन की बारा 269-म के अनुसरम नें. मैं, अन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अपन्नारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री हरीपाल सिंह पुत्र ब्रिजलाल वासी नलोईया जिला हिशायारपुर । (श्रन्तरक)
- 2. मैं मर्स हुशियारपुर रोलर फ्लोर मिल्ज हुशियारपुर। (श्वन्तरिती)
- जैसाकि ऊपर न० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है

 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत क्यक्तियों में से कि ... क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रसाधन की तारीख से 45 दिन के मीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवीहराक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे:

पढटोकरण :--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो छक्त अधिनियम के पत्थाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याग में दिया गया है।

धनु सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 644 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रो कर्ना प्रधिकारो हुशियारपुर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण)

विनोक : 20-1-81

म्रर्जन रेज, जालन्धर

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी, 1981

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. स अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एन द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिबित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्थात्:--

 श्रोमती राम कौर विधवा बलवन्त सिंह, वासी : 8 मन्डी रोड, जालंघर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री वकील सिंह पुत श्री सरन सिंह, वासी : गांव व डाकखाना टांडा, जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नम्बर दो में लिखा है।
 पैरा माऊन्ट फिल्मज मण्डी रोड, जालन्धर
- 2. नन्द फिल्मज कार्पोरेशन मण्डी रोड, जालन्धर
- 3. मैसर्स राज फिल्मज मण्डी रोड जालन्धर
- 4. रूबी फिल्मज मण्डी रोड, जालन्धर
- 5. मैसर्स अमृतलाल टी स्टाल मण्डी रोड, जालन्धर
- 6. मैंसर्स राहुल पिक्चर्स , मण्डी रोड, जालन्धर (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।

 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सक⁵गे।

स्यख्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख न० 1119 दिनांक मई, 1980 के रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रोंज, जालंधर

दनःक 20-1-81 मोहरः प्रस्य माई• डी० एर० एर० ———— स्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० एन० 2435—यतः मझे, आर० गिरधर, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ह अभीत सजन अधिकारी को, यह विश्वास करने हा आरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— हपये से अधिक है और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बिनर्डिंग सं० 8 मण्डी रोड आलंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख 21-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से श्रधिक है धोर अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरम निद्धा में वास्तवित रूप से कथित किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त शोधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मा सावधा का लिए; गौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त निभानगम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्रीमती रामकौर विधवा बलवंत सिह वासी 8---मण्डी रोड जालंधर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री वकील सिं**ह पुत्र** सरन सिंह गांव व डाकखाना टाण्डा जिला होणियारपुर (श्रन्तरिनी)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० दो मे लिखा है।
 - (1) पैरामांऊट फिल्मज मण्डी रोड, जालंधर
 - (2) नन्द फिल्मज कार्पोरेशन मण्डी रोड, जालंधर
 - (3) मैसर्स राज फिल्मज मण्डी रोड, जालंधर
 - (4) मैंसर्स खबो फिल्मज मण्डी रोड, जालंधर
 - (5) अमृतलाल टी स्टाल मण्डी रोड जालधर
 - (6) राहूल पिक्चर्स, मण्डी रोड, जालंधर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के। रिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1116 दिनांक 21-5-80 की रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी जालंधर में लिखा है।

> आर० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-1-81

प्रस्य आई० टी० एन० एस०-----

अংএকৰ মাধাদখন, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 ष (1) क धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जलधर

जलधर, दिनाक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० एन० 2436—यत. मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ६५में से प्रधिक हैं और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दूकान कोटकपूरा में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रनभुची धाँर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीयन्तां श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम , 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक 16-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे वह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एम दृश्यमान प्रतिकल है और ध्रम्यमान प्रतिकत है और अन्तरक (भन्तरका) और भन्तरिती (अन्तरितियो) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, नम्नलिखित उद्दश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत उपत अधि-नियम, के अधीन कर दमें के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसये बचन में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ज) एसा किसा आया का किसी धन या अध्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आपकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1)57 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त प्रधिनिश्म को बारा 269-ग के प्रनु-मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, ग्रयीन :--- श्री प्ररिवन्द्र सिंह पुत्र बलवन्त सिंह वासी कोटकपूरा

(भ्रन्तरक)

2. श्रो भगवान दास पुत्र रामचन्द श्रांर परदीप कुमार पुत्र काला रामवामी कोटकपूरा काला राम म : सी: ट्रक युनीश्चन कोटकपूरा ।

(भ्रन्तरिती

3 जैसा कि ऊपर दो मे लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखना है।

(वह व्यक्ति, जिनके कारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है।)

को यह पूजना नारी करह पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त भम्पनि के अर्जन के सम्बाध के भाषा :--

- (ह) इत पुता हिराजात में तहागत की तारी का से 45 दिन की भवधि या नरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रता के राजपत्र में प्रकाशन का नारोख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिताबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहम्नाक्षरा के पास लिखि। म किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण:---इपर्मे प्रवृत्त जावा आर पत्रा हा, जो उपत अधि-नियम के प्रत्याय 20-क में परिचाणित है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेखन मं० 1739 दिनांक 16-7-80 की रजिस्ट्रीकर्ता फरोदकोट में लिखा है।

> स्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जालन्धर

दिनांक 20-1-1981 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० एन० 2437—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, श्रायकर घ्रियिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से घष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्राहाता बदन सिंह मोगा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1980 की

पूर्वीवत सम्मत्ति के जिनत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जिनत बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया मया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रंब, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती बचन कौर पितन मोहन सिंह वासी ब्राहाता बदन सिंह भीगा (ब्रन्तरक)
- 2. श्री दर्शन लाल पुत्र दौलत सिंह वासी ब्राहाता बदन सिंह मोगा (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 मे लिखा है।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त णव्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेखा नं० 1540 दिनांक 2-6-80 को रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

> स्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 20-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, जालंधर

जालधर, दिनांक 20 जनवरी, 1981

सं० ए० पी० एन० 2438—यतः मुझे आर० शिरधर, भ्रायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उम्रत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रिधिक है

थौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भ्राहाता बदनसिंह मोगा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध में भ्रनुसूची में और पूर्ण कर में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रजीत, दितांक जुन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिबित उद्देश्य में उक्त श्रम्तरण निष्त्रित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रतरण में दूई किसो ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन हर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,में, एक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित स्यक्तियो. धर्यात :--- श्रीमती बचन कौर पत्नी मोहन सिंह वासी श्राहाता बदन सिंह मोगा

(ग्रन्तरक)

2 श्री बलवंत राज पुत्र दौलत सिंह वासी श्राहाता बदन सिंह मोगा

(भ्रन्तरिती)

3 जैमा कि ऊपर नं० 2 मे लिखा है। (शह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित है)

4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 दिन को अवधि या तहा स्वन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी ग्रन्य अ्थक्ति ग्रारा ग्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वड्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1943, दिनांक 6-6-80 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मोगा ने लिखा है।

> म्रार० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज, जालन्धर

दिनांक 20-1-81 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालंधर

ज(लंधर, दिनांक 20 जनवरी, 1981

र्मं० ए० पी० एन० 2439—यतः मुझे ग्रार० गिरधर जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुभूची में लिखा है तथा जो श्राहाता बदनसिंह मोगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, तारीख जन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-- श्रीमती बचन कौर पत्नि मोहर सिंह वासी ग्रहाता बदन सिंह मोगा

(भ्रन्तरक्)

 श्री जोगिन्द्र पाल पुत्र दौलत सिंह वासी ग्रहाता बदन सिंह मोगा

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्तिसम्पति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिमित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

जैसा कि विलेख नं० 2114 दिांक 9-6-80 की रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी मोगा ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जेन रेंज, जालन्धर

दिनांक 20-1-81 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालंधर

जालंधर दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० नं० 2440—यतः मुझे, आर० गिरधर, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकन ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रीधक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बंगा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपमें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हु[ू] किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो आप या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिकि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था छिपाने में सुविधा के क्षिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- श्रीयती चनन कौर पत्नी उजागर सिंह वासी बंगा

(ग्रन्तरक)

2 दी सुनलज पिंडलक स्कूल वैगा

(भन्तरिती)

3 जैमा कि अपर नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्साक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० नं० 167, मई 80 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी बंगा ने लिखा है।

> श्रार॰ गिरधर स**लम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 20-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहापर गाएकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, जालधर

जार्लधर दिनांक 20 जनवरी 1981

मं० ए० पी० 2441 — यत. मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु॰ में अधिक है

स्रोर जिसकी म॰ जैसा कि अनुसूची में लिखा है कि तथा जो जालंधर में स्थित है (स्रोर इससे उपावस अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक मई 1980

को भूवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमाम प्रति-फल के लिए अन्तरित की गर्ह और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रिष्ठक हैं भौर बन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के विष् तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किया आव का अपन उक्त अधि-ोपन ह पर्योत : रंग के अपर के हे दायित्व म कनो हरते म असी बजने में मूजिया के लिए; जीगीया
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या आस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त यधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त यधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियो, अर्थात :—

- प्रोपप्रकाश, क्षणमीरी नान पुत्र साधुराम श्रीर श्रीमित पत्रन कुमारी पत्नी मनोहरलाल वासी कलयानपुर तहसील व जिला जालंधर । (श्रन्तरक)
- 2 श्री तीरथ सिंह पुत्र सवरन सिंह त्रामी जालंधर।

(ग्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

अवन सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में को है पो आक्षेप . --

- (क) इस भूषना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबज किसी धन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख र्न० 862 दिनांक 8-5-80 को रजिस्ट्री-कर्ना ग्रिधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरोक्षण) घ्रजेंन रेंज, जालंधर

तारीख: 20~1-1981

प्रकप आई • टी • एन० एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के समीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी 1981

र्सं० ए०पी०एन० 2442—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- वपये से श्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो सरीह में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वॉगन है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नकोदर रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को पई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिकत से घन्निक है और अस्तरक (अस्तरकों) प्रीर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे किया नहीं किया गय है ——

- (क) जन्मरण से हुई किसी जाम का बाबन उन्त प्रश्लियम, के प्रजीत कर डेने के प्रकारक के बायित्म में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 () 922 का 11 या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः भ्रव, उक्त अभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रजिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री हरबंस लाल पुत्र रामधन्द
 गाव व डाकखाना सारीह तहिसील नकोदर ।
 (ग्रन्तरक)
- 2 श्री नसीच चन्द पुत्र काचल वासी सारीह तहिसील नकोदर।

(श्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पित्स हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) उन सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीश्व से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर प्जना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी भन्नि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितवड किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताभ्रारो के पास निखित में किये ना मर्केगे।

स्पब्सीकरण:--नइसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो जक्त आधिल नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

धनसूचा

जैमा कि विलेख नं० 350 दिनांक मई 1980 को रिज-म्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी नकोदर ने लिखा है।

> आर० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-1-1981

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

बायुकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जालंधर

जालंघर, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० एत० 2443—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इत. से अधिक हैं और जिसकी सं०

जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री गुलजार सिंह पुत्र जसवंत सिंह वासी 7—-गुरदेव नगर लुधियाना मुख्तयार राकेश ढिलो आई० पी० एस० राजिन्द्र सिंह मुरादाबाट ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती संतोश परनी इन्द्र मोहन, 338 लाजपत नगर, जालंघर ।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जैसा कि विलेख नं० 1104 दिनांक 20-5-80 को रिज-स्ट्रोकर्त्ता जालंधर ने लिखा है।

> आर० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20 जनवरी, 1981

भोहर:

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269म (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालंधर

जालंधर दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० एन० 2444—यतः मुझे आर०, गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-र• से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसुची में लिखा है तथा जो जालंधर में ल्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के सिए।

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखिए व्यक्तिया अर्थात .--

- गुलराज सिंह जसवंत सिंह , वासी
 मुख्तयार श्री राजिन्द्र सिंह
 7----गुरदेव नगर लुधियाना।
 श्री राकेश (ढिल्लो ए०पी० एस०)मुरादाबाद ।
 (ग्रन्सरक)
- श्री इंदर मोहन मेनन पुत्र श्री धनपत राज 338-लाज-पत नगर जालंधर ।
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

हाक्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जैसा कि विलेखन नं० 1482 जून 80 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालंधर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जा**ल**न्धर

दिनांक: 20-1-1981

प्ररूप माई० दी० एन०एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 जनवरी 81

सं० ए० पी० 2445—यतः मुझे श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती धिधकारी के कार्यालय नकोदर में रिज-स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1980

को पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातुः--

 श्री स्वर्णसिंह पुत कर्मसिंह वासी मुहल्ला गढ़िया नकोदर

(ग्रन्तरक)

- श्री गुरचरण सिंह , रघनीर सिंह सुपुत्र करतार सिंह वासी मुहल्ला गढ़िया नकोदर ।
 - (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

जैसा कि विलेखन नं० 364 दिनांक मई 1980 के रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नकोदर ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 20-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

मं० ए० पी० 2446—यत मुझे आर० गिरधर, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रधिक है शौर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गोरापुर में स्थित है (शौर उससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ग्व से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या श्रान्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निक्नलिखित क्यक्तियों, ग्रथांत:--- श्री पियाना भान सपुत दौलत राम वामी गांव गोरापुर तहसील नवां शहर ।

(श्रन्तरक)

- श्री योगा सिंह हरदियाल सिंह सरदारा सिंह, सोहन सिंह सपुत्र केहर सिंह, वासी गांव श्रमर गढ़ तहसील नवां शहर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:→-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उसत श्रिध-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनु सूची

जैसा कि विलेख नं० 682 दिनांक मई, 1980 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांग्रहर में लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 20-1-1981 .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

मं० ए० पी० 2447—यतः मृक्षे, ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शृथीत्ः—

 श्री मोहेन्द्र सिंह सपुत्र श्री भावा निए वासी गांव मिठापुर मार्फन गुरमीत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह, मुख्यानरे श्राम

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री बलवन्त सिंह सपुत्र मेहर सिंह वासी गांव नूरपुर हाल 570 श्रार० माङल टाउन, जालन्वर । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि विलेख नं० 1236 दिनांक मर्ड, 1980 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ।

> ग्रार० गिरघर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 20-1-1981 मोहरः प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 20 जनवरी, 1981

सं० ए० पी० 2448 - पतः मझे ग्रार० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संवजना कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणिन है) रिजिम्ट्रोकर्ता श्रिकारी के कार्यालय बठिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह पिस्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्रप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नि**स्ति व्यक्ति**यां अर्थात्:--10—456GI/80

- श्री सीरी राम पुत्र हंसराज वासी बिठण्डा । मार्फत न्यू इण्डिया बुक स्टोर, बिठण्डा । (ग्रन्तरक)
- श्री केवल किशोर सपुत्र लहौंरी राम, बासी बठिडां (श्रन्तरिति)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना हो ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1180 दिनांक मई, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, बठिण्डा ।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-1-81

प्रकप मार्ड ही । एन । एस ।--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ए० पी० 2452—-यतः मुझे, श्रार० गिरधर बाकर अधिक्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से पिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1980 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान अतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगित का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती १ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरम निखित में वास्त्विक कप के किया नदीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी िन्सो प्राप्त या िनसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त भ्रघिनियम, की द्वारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:---

- श्री संतोख सिंह पुत्र महंगा सिंह वासी गढ़ा तहसील जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स सिंह पुत्र कुलदीप सिंह वासी ढालीवाल तहसील नकोदर, जिला जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। श्रीर
 - (1) श्रमर करयाना स्टोर
 - (2) पवन प्रवीजन स्टोर,
 - (3) हरबंस डायरी

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

 जो व्यक्ति ऋचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिश्वरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घ्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा, जो उस प्रध्यान में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० 753 दिनांक मई, 1980 में रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 20-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश न ० ए० पी० 2453—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबंध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य से उक्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्थात् :--

- (1) श्रोमती सुरेशता जैन पत्नी श्रतीश कुमार वासी गुलचमन गली लुधियाना हाल, जालन्धर ! (श्रन्तरक)
- (2) श्री पियारा सिंह पुत्न चमन सिंह वासी विलगा तहमील, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजांत के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितकब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किये जा सकोंगे।

हपब्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिषाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जैसा कि विलेख नं० 1190 दिनांक मई, 1980 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> भार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 20-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश नं० ए० पी० नं० 2454—प्रतः मुझे प्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बड़ा पिंड रोड गोगण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय फिलोर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1980 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री राम प्यारा, मोहिन्द्र पाल सपुत्र श्री तिलक राम, दूर्गी देवी विधवा श्री तिलक राम वासी बुडाला तहसील, फिलोर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भूपिन्द्र सिंह, त्रीत पाल सिंह, जसबीर सिंह सपुत्र मोहन सिंह वासी गोगण तहसील फिलोर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति ह)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 270 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी फिलोर में लिखा है

> ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक: 20 जनवरी 1981

मोहरः

प्रसप भारे टी० एन० एस०---

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2455—यतः मुझे, आर० गिरधर गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिस की स० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो बड़ा पिंड रोड़, गोगण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के वार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मृश्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर धम्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नानाखत उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखिन में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जबत भिन्न नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के बाधिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिसिनयम, या धनकर मिसिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने म युविधा के सिए।

अतः अव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्रो मोहिन्द्र पाल पुत्न तिलक राम मुख्तयार श्राम राम लुभाया, श्रीमती णकुन्तला देवी गाव बुडाला तहसील फिलौर, बिमला देवी पृत्नी तिलक राम वासी गांव बुडाला तहसील फिलौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहिन्द्र मिंह, प्रीतपाल सिंह, जसबीर सिंह सपुत्र मोहन सिंह बासी गोगण तहसील, फिलौर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (बह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तापील से 30 दिन की अवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भ्रम्य स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पानीकरण !--- इसमें प्रयुक्त सम्बोधीर पर्वो का, जो उक्त प्रिवित्यम के श्रम्याय 20-क में परिधाषित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस श्रम्याव में विधा गया है।

भ्रनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 312 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जज रेंज जालन्धर।

दिनांक: 20 जनवरी 1981

चन्द,

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना, लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी, 1981 सं० एस०ए म० ग्रार०/21/80-81:—ग्रतः मुझे, सुखदेव

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर मस्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये ने प्रधिक है, ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 25 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव चावा तहसील समराला जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक 5 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उकत भ्रिष्टिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- 1. श्री यशपाल सिंह, चरत सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी गांव धुराला तहसील खन्ना जिला, लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह, हरमेल सिंह, केसर सिंह, पुत्र श्री गजन सिंह निवासी गांव हरबंस पुरा समराला जिला लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येगहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में विशवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो छक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 25 कनाल 10 मरले गांव चावा तहसील समराला।

(जायदाद जैसा कि रिअस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी समराला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 938 मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 22 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी 1981

मं० ए० पी० नं० 2456 — यतः मुझे स्नार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 न्य के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो गली नं० 13-14, श्राबोहर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपा-बद्ध में श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण म्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीविकारों के कार्यात्मय श्रवोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रतीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्सियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्धातः-- 1. श्री जगदीण राये, गोबिन्द लाल मुपुत्र नन्द लाल वामी गली नं० 13-14, मण्डी भ्रबोहर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ऊषा राणी पत्नी मदन मोहन मोदी वासी गली नं० 13-14, मण्डी ग्रबोहर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितमक्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैंसा कि विलेख नं० 604 दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> ग्नार० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर ।

दिनांक: 22 जनवरी 1981

प्रकृष भाई० टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मूचना

धारत मरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

सं० ए० पी० नं० 2457:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिमियम' नहा क्या है), की बारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्वावर मध्यति, विस्ता उचित बाबार मूह्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है है तथा जो केसटा नगरी पटाना फाजिल्का श्रबोहर रोड, श्रबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य तिकल का प्राप्त है अर्थेर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐस दृश्यमान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रविश्वत से मधिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्वरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम स्था गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश में उना अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धनारण से हुन क्रिया प्राय की बाबत, उक्त सक्षि-नियम, क ध्रधीन कर देने के क्रम्लरक के दायिस्व भ कमा करने या उससे बचने में मुक्तिया के लिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या प्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उर्रेश अधिनियन की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उर्देश प्रक्रिक्य की धारा 269-व की राधारा (1) के बचीन निम्निवियन व्यक्तियों, अवीन् !---

- श्रो प्रकाश चन्द पुत्र गोपी राम वासी प्रबोहर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती तेज कुमारी पत्नी इन्द्र चन्द वासी गांव किकर खेड़ा तहिः फाजिल्का।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीख से
 45 दिन का धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षितियम के अध्याय 20क में परिमाचित है, वही भवें होगा जो उस सध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 636 दिनांक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> भ्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 22 जनवरी 1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिमांक 22 जनवरी 1981

सं० ए० पी० नं० 2458:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर शिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त शिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी श्रवीहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यां अव श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक मई 1980

को पूर्विवत सम्बंशि के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से पश्चिक है और मन्तरक (प्रन्यरकों) और प्रन्यरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्यरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्मिलिल उद्देश्य से स्वता अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्र घितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविद्या के लिए;

 श्री कुन्दमं नाल, प्रेम नाथ वासी गली नं० 13, मण्डी श्रकोहर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जनक राज पुत्र मंगत राये वासी गली नं ० 13, मण्डी श्रबोहर।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोंग्ल सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए का**र्यवाहियां कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी अपिक्त हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मैं किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 444 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जानन्धर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

मीहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए० पी० नं० 2459:—यतः मुझे झार० गिरधर, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो मण्डी श्रवोहर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः -- श्री लेखराज, कंबल नाथ वासी गली नं० 13, मण्डी अबोहर।

(श्रन्तरक)

 श्री जनक राज पुत्र मंगत राये वासी गली नं० 13, मण्डी श्रवोहर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 515 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम श्रीधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालम्धर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

(ग्रन्तरक)

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

आयक्**र अधिनियम**ः 1961 (1961 **था 43) की** घारा 269-च (1) के घंधील सूचना

भारत सरकार

काम्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए० पी० 2460:--यतः मुझे प्रार० गिरधर, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-सा के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- ४० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गंगा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नथाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बुश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उन्त अन्तरण शिखित में बास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; शीड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

बतः बद, उक्त व्यिष्तियम, की धारा 269-ए के जनुसुरण वो, स⁸, उक्त व्यिष्टिगयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्नुसिद्धित व्यक्तियों नुभृति≟---

- श्री जसवन्त सिंह पुत्र इन्दर सिंह बासी गांव गंगा,
 थाना नथाना सहसील श्रीर जिला भटिण्डा।
- 2. श्री गुरवेव सिंह गुरूकारण सिंह, सुरजीत सिंह, हरनेक सिंह, गुरजन्द सिंह सुपुत्र करू सिंह, वासी गांव गंगा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सप्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह स्वा जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकने।

स्पष्ठीकरणः -- इस्में प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त, अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषिकु हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रमुसूची

जैसा कि विलेख नं० 243 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी नथाना में लिखा होता है।

> म्रार० गिरधर सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालघर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

प्रकृष भाई । ही । एतः । एस ।

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सभीव सुम्बन

भारत सरकार

कार्याल्या, सहायक कारकर कार्यकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए० पी० 2461:—अतः मुझे झार० गिरधर, सायकर विभिन्नस्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हूं"). की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गंगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध्य में भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रश्किकारी के कार्यालय न्याना में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रभीन, दिनांक मई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-पाल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरफ से हुई किली आस की बाबत उक्त सि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के वधीन नियमतिश्वित व्यक्तियों अर्थात् ः—

- श्री जसवन्त सिंह पुत्र ईन्दर सिंह बासी गांव गंगा थाना नथाना तहसील भौर जिला भठिण्डा।
- 2. श्री भूरा सिंह, साधू सिंह, सुपुत कदू सिंह वासी गांव गंगा।

(प्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में खिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्कवाहियों करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूच्या के राजपृत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विक की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 विन की अवधि, जो भी क्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिक्षक्षः — इसमें प्रयुक्ता कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिकियक के अध्यक्तक 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्स्त्री

जैसा कि विलेख नं० 244 दिनाक मई, 1980, को एजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी नयाना में लिखा है।

> म्रार० गिरघर, सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जालन्मर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 23 जनवरी 1981

सं० ए० पी० नं० 2462:—यतः मुझे स्नार० गिरघर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो बान बाजार रेल बोर्ड फाजिल्का में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसांक मई 1980,

को पूर्वाक्स संपत्सि के उभित्त बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिंगिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, मिक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित वहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 श्री श्रमोक कुमार पुक्र हंस राज वासी नजदीक डी० श्रो० पी० ग्राफिस, फाजिल्का।

(भ्रन्तरक)

- श्री कृष्ण कुमार पुत्र नन्द लाल नागपाल, राजकुमार नागपाल पुत्र कृष्ण कुमार, श्रीमती ग्रंजू रानी पत्नी, कृष्ण कुमार वासी नागपाल कालौनी, फाजिल्का। (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (बह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिलाबत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उसु अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 456 दिनांक मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> भार गिरघर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिमांक: 23 जनवरी 1981

प्रकृप धाई • टी • एन • एस • —— आयक्र धाविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर दिनांक 24 जनवरी 1981

सं० ए० पी० 2463:--यतः मुझे ग्रार० गिरधर

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से भिधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो करतार पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय करतार पुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मई, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफान के पन्त्रह प्रतिशात से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फान निम्नानिवित उदेश्य म उक्त ग्रन्तरण निव्वत में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) प्रश्तरण म हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किश के लिए;

अतः, श्रव, उपत प्रिवित्यम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, अपत प्रिवित्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

1 केहर मिह पुत्र मोहिन्द्र सिंह करतार पुर। (भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री जसपाल सिंह सुपुत केहर सिंह, निवासी करता रपुर मदन मोहन मल्होता सुपुत्र नत्थू राम, कपूरथला कंचन मल्होता पत्नी बृज मोहन सुपुत्र नत्थू राम, 166, भक्त नगर लुधियाना, भवतार कौर पत्नी चरण जीत सिंह रन्धावा पुत्र हरनाम सिंह सारासा नगर लुधियाना जितन्त्र कौर पत्नी ताजिन्द्र सिंह पुत्र सुद्दर्शन सिंह 132, (कें वी व) कें वी वस स्टेशन जानंग्रर सारोज पुना पत्नी मदन मोहन गृष्ता साराभा नगर लुधियाना चिरन्जी लाल गोयल पुत्र जगन नाथ, 564 एल० माइल टाउन लुधियाना।

विमाना कपूर पत्नी सरदारी दलाल कपूर, 7 न्यू विजय नगर जालन्धर।

रामेश टण्डन पत्नी सत पाल टण्डन, चीप क्लाथ हाउस लोगर बाजार शिमला।

स्रविनाश मैनी पुत्र बाबू राम फिरोजपुर रोड लुधियाना बनदेव मिह पुत्र सोहन सिंह गांव पोखाना, करनाल प्रकाश रानी गोसांई पत्नी प्राण नाथ 218/2, शहीद अध्रम सिंह नगर जालन्धर।

कुलिबन्द कौर जग्गी पत्नी गुरबचन सिंह कपूरथला,
यगराल मल्होत्रा पुत्र नत्थू राम पुत्र राम चन्द लाहौरी गेट
करूरथला प्रादर्श पारती पत्नी करण वीप पारती जहुपूरा
कपूरथला बिमल छावड़ा पत्नी रमेश चन्द लुधियाना उमिला
खन्ना पत्नी रमेश खन्ना पुत्र सोहन लाल 40, दीन वयाल नगर
जालन्धर रागेन्द्र कौर पत्नी बलबीर सिंह मरवाहा ईन्द्र नगर
पखनाड़ा पृत्री राज शर्मा पुत्र लेख राज शर्मा धम्बाला।
(धन्तरिती)

3 जैसा कि तं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

वह ध्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) । जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

- उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :-(क) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45
 विन की सबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुबना की
 तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी प्रविधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति हारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोड्स्साखरी के पास लिखित में किए । सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त सक्यों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के धम्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस धम्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 145 दिनांक मई, 80 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी करतार पुर में लिखा है।

भार० गिरघर सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालंधर।

दिनांक : 24 जनवरी, 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 जनवरी, 1981

सं० ए० पी० नं० 2464:—यत: मुझे भ्रार० गिरधर भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिष्ठक है

ग्रौर जिसकी र्न० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो करतोर पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करतारपुर में रिजस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धर्धि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, प्रयौत :---

श्री जमपाल सिंह पुत्र केहर सिंह करतार पुर।
 (श्रन्तरक

सर्वश्री मदन मोहन मल्होत्रा सुपुत्र नत्थू राम, कपूरथला, कनचन मलहोत्रा पत्नी बृत्रमोहन सुपुत्र नत्थू राम, 166, भगवन नगर मल्होत्रा, लुधियाना ।

भ्रवतार कौर पत्नी चरण जीत सिंह रनधावा पुत्र हरनाम मिंह सराभा नगर लुधियाना जितन्द्र कौर पत्नी ताजिन्द्र सिंह सुपुत्र सुदर्शन सिंह 132, (कें वी०) कें वी० सब स्टेणन जालन्धरसारोज गुण्ता पत्नी मदन मोहन गुप्ता सराभा नगर लुधियाना।

चिरंजी लाल गोयल पुत्र जगन नाथ, 564 एल माइल टाऊन लुधियाना।

बिमला कपूर पत्नी सरवारी लाल कपूर, 7 न्यू विजय नगर जालन्धर।

रामेण टण्डन पत्नी सत पाल टण्डन चीप क्लाय हाउस लोग्रर बाजार शिमला।

श्रविनाण मैनी पुत्र बाबू राम, फिरोजपुर रोड लुधियाना बलदेव मिह पुत्र सोहन सिंह गांव पोखाना, करनाल प्रकाश रानी गोसाई पहनी प्राण नाथ, 218/2, शहीद उधम सिंह नगर जालन्धर।

कुलविन्द्र कौर जग्गी पत्नी, गुरबचन सिंह कपूरथला यगपाल मल्होत्रा पुत्र नस्थ राम पुत्र राज चन्द लाहोरी गेट कपूरथला प्रादर्शे पारती परनी करणदीप पारती जट्टपुरा कपूरथला

विमल छाबडा पत्नी रमेण चन्द लुधियाना उरमिला खन्ना पत्नी रमेण खन्ना पुत्न सोहन लाल 40. दीन दयाल नगर जालन्धर, राजेन्द्र कौर पत्नी बलबीर सिंह मरवाहा इन्द्र नगर फगवाड़ा पृथ्वी राज शर्मा पुत्न लेख राज शर्मा ग्रम्बाला।

(श्रन्तरिती)

3 जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

खक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्थ व्यक्ति ढारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जैमा कि विलेख नं० 146 विनांक मई 1980 को रिजस्ट्रीफर्ना ग्रिधकारी करनारपुर ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर, मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालन्धर

विनांक : 2/4 जनवरी 1981

प्राक्ष्प आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

भागीलय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जनवरी 1981

स० ए० पी० न० 2465:—यतः मुझे आर० गिरघर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० से प्रधिक है

भौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो करतार पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय करतार पुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यकान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखिन में बास्तविक का से कांचत नहीं किया गया है:---

- (क) यक्षरण से हुई किसी घान की बाबत उन्त मिन-नियम के श्रवीन कर देने के मन्तरक के दानित्व में कमी करने या कक्षरे वचने में सुविधा के निए; मौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या घन-कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भादिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, ध्रम, उन्त ध्रष्ठिनियम, की धारा 269-म के ध्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रष्ठिनियम की धारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नवाँसः :--

- जसपाल सिंह पुत्र केहर मिंह करतार पुर।
 (ग्रन्तरक)
- सर्वेश्वी मदन मोहन मल्होन्ना सुपुन्न नत्थू राम, कपूरथला।
 श्रीमती कन्चन मल्होन्ना पत्नी बृज मोहन सपुन्न नत्थू राम 166, भक्त नगर सुधियाना।

त्रवतार कौर पक्षी चरण जीत सिंह रम्बावा पुत्र हरभजन सिंह माराभा नगर, सुधियाना । श्रीमती जितिन्द्र कौर पत्नी ताजिन्द्र सिंह पुत्र सुदर्गन सिंह 132, के० बी० उप स्टेशन जालन्धर, सरोज गुप्ता पस्नी मदन मोहन गुप्ता माराभा नगर, लुधियाना।

चिरंजी लाल गोयल पुत्र जगन नाथ, 564 एल माडल टाउन, लुधियाना।

श्रीमती विमला कपूर पत्नी सरदारी लाल कपूर, 7 न्यू विजय नगर जालन्धर।

श्रीमती राजेश टण्डन पत्नी सत पाल टण्डन चीप क्लाथ हाउस लोग्नर बाजार शिमला।

अविनाम मैनी पुत्र वासू राम फिरोजपुर रोड लुधियाना। बलदेव सिंह पुत्र सोहन सिंह गांव पोखाना करनाल श्रीमनी प्रकास रानी गोमाई पस्नी प्राण नाथ 218/2 महीद उधम सिंह नगर जालन्धर।

कुलविन्द्र कौर जग्गी पत्नी गुरबचन सिंह कपूरथला यगगल मल्होत्रा पुत्र नत्थू राम पुत्र राम चन्द लाहोरी गैट कपुरथला।

श्रीमती आदर्श पारती पत्नी करणदीप पारती जट्टपुरा कपूरयला श्रीमती जिमल छाजड़ा पत्नी रमेश चन्द लुधियाना। उमिला खन्ना पत्नी रमेश खन्ना पुत्र सोहन लाल 40, दीन दयाल नगर, जालन्धर।

श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी धलबीर सिंह मरवाहाइन्द्र कौर फगवाड़ा। पृथ्वी राज धर्मी पुत्र लेख राज धर्मा प्रम्बाला। (प्रस्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर तं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के <mark>मर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्रिधनियम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ हींगा जी एस अध्याय में दिया गया है।

ध्रमुसूची

जैसा कि विलेख ग० 11/ दिनाक मई 1980 का रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी करनार पुत्र में लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्नर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 24 जनवरी 1981

मोहर:

प्ररूप आई • टी • एन • एस • —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बन्नीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, पद्रायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रजेंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

म \circ 42बी मेर5/79-80'—-ध्रत मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1413/12 है तथा जो प्यारे लाल शर्मा रोड मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाधक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 12 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृस्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के निए जन्तरित की गई है और मुसं यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार यूस्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दक प्रतिगत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेम अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीफल, निम्नचिखन नवेक्य र अन्त सन्तरण लिखित में बास्त-किक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बावत सकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के पश्तरक के दायिस्व में अभी करने या उपके अधने में सुविधा कि लिए: और/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रंबिधा के लिए;

12-456/GI/80

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)के अधीन निम्नलिखित स्वितस्यों. अर्थातः-

श्री मदन लाल सहगल व श्री दयाकिशन सहगल पुत्ररान श्री भोलाराम सहगल निवासी मोहल्ला थापर नगर शहर मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री महेश चन्द्र जैन एडवोकेंट पिसरा लाल उत्तर सैन व श्रीमती सन्तोष जैन धर्म पत्नी श्री महेन्द्र चन्द्र एडवोकेट निवासी मोहल्ला इस्ताईल नगर णहर मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी तरके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की ग्रवधि या सम्संजंबी क्यमितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो मी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से कियो व्यक्ति दारा;
- (**ख)** इस स्वना के राजाद में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद किभी धन्य स्थावत द्वारा, ध्योहस्ता**धारी** के सस लिखित में किए वा सकोंगे।

हमडहीकरण :--इसमें प्रमुक्त गाव्या और पदों का, जी सकत प्रधित्रयम के प्रस्थात 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस ग्रहथाय में विया गया है।

अमुसूची

एक किता बिह्डिंग मायिक नम्बर 1413/12 एक 12 वी व 12 सी व 1413/12 डी, टूलगायत 1413/12 एल हाल नम्बर 299 व 299 ए टू299 एच प्यारेलाल जर्मा रोड मेरठ में स्थित हैं जो कि 16000 रू० में बेचा गया हैं।

बी० सी० चतूर्येथी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर।

नारीख: 6 दिसम्बर 1980

ंड दी एन एस ⊸-

कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 जनवरी 1981 सं० 287 म्रर्जन/मथुरा/80-81:——अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 र रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुम्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ई), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मथुरा में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक 9 ग्रप्रैंस 1979

को पर्श्वास संपत्ति के जीवत बाजार सल्य से क्ष्म के दश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार स्स्य. जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षर अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अनसरण में, म^{र्ड} उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) <mark>के अधीन, निम्</mark>नलि**सित व्यक्तियों उ**र्धात :-- श्री विष्णु प्रवतार पुत्र श्री साहू रामस्वरूप जी खुद व मुख्तार खास श्री कृष्ण प्रयतार सिंह पुत श्री साहू रामस्वरूप जी श्रीमती तारारानी धर्मपत्नी श्री सुरंग श्रवनार व श्रनिल कुमार पुत्र श्री कृष्ण ग्रवतार निवामी सिविल लाइन बरेली बर्जारये राकेण कुमार व राजीव कुमार पुत्र श्री कृष्ण श्रवतार व श्रीमती पुष्पारानी पत्नी श्री श्रोम श्रवतार निवासी सिविल लाइन बरेली।

(ग्रन्तरक)

श्री हरीचरन गाडोरिया व श्री नारायण प्रसाद व श्री बालकृष्ण गाडोरिया, गोडोरिया सेवा कोष द्रस्ट महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त मम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों को, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अम्त्र्ची

एक किता जायदाद नम्बरी नुपूर नम्बर 253व 254 वाके दोसायत बृन्दावन में स्थित है जो कि 196000/- रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 5 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 जनवरी, 1981

सं० 363/म्रर्जन फिरोजाबाद/80-81—म्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गांव श्रामफर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में, रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री हेतराम व कुवर पाल व देवीराम व हरदेव व दौलत राम पुमण सूखा उर्फ सुखा राम निवासी श्रासफाबाद, फिरोजाबाद।

(भन्तरक)

2 श्री रामकृष्ण नगर सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि० फिरोजाबाद द्वारा शिवनारायण पुत श्री राम किशन निवासी हुंडावाला वालाबाग व श्यामबाबू अग्रवास पुत्र श्री कैलाश वन्द्र घेर ग्रासगरान, फिरोजाबाद। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविधतत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्याराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

एक किता म्राराजी भूमि घरी बाके गाँव म्रासफरवाद नम्बरी 263 रकबा सात बिस्वा 270 रकवा एक बीघा पन्द्रह विस्वा पन्द्रह विस्वासी लगानी 30,000 रुपया सालान हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

ताररीख: 5 जनवरी 1981

प्ररूप आर्षः, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 आ 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० 385-श्रर्जन/श्रागरा/80-81---श्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर मिर्घानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त मिर्घानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर हाउस में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 12 मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रथिक है भीर अन्तरित (प्रन्तरितों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

भतः, सब, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) केअधीम निस्मिति क्यिनितयों सर्गात् !-- शीमती श्रमृतरानी पत्नी श्री कस्तूरी लाल निवासी बैंक कालोनी भागरा हाल निवासी 77 जयपुर हाकस कालोनी लोहा मण्डी, भागरा।

(म्रन्तरक)

2. श्री बैरी लाल श्रोबराय पुत्त स्व० श्री सेतराम श्रोबराय व श्रीमती राजरानी श्रोबराय पत्नी नैरी लाल श्रोबराय व राकेश कुमार पुत्र श्री वंशी लाल श्रोबराय, निवासी 74 ए, श्रजीत मार्केट, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, कहीं भ्रषं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

एक किता मकान बजबीजा नं० 77 म्युनिसीफल नं० 19/10 ए, बाके जयपुर हाउस कालोनी, लोहा मण्डी, ध्रागरा में स्थित है जो कि 1,75,000 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, कानपुर

तारीखाः 5 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी, एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जनवरी, 1981

सं० टी० ग्रार० नं० 1130 मथुरा/80-81:--ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेती,

अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रह. में अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० मकान 1321 है तथा जो गाहगज मथुरा में स्थित है (श्मौर इससे उपाबड अनुसूची में श्मौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 मई 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की एई हैं जी मूल्य यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वावन नर्पाता करने का कारण हैं कि यथापूर्वावन नर्पाता कर जीवत बाजान मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निल्लित में अन्तिवक्र रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-णं को, अनुसरणं मो, मो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

श्री जगदीण प्रसाद पुल श्री हरदयाल व श्रीमती जनक देवी पत्नी श्री श्रोम प्रकाण निवासी, लगड़ाकी वौकी श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

 श्री भुवनेश वर्मा, पत्नी श्री राम सिह निवासी चौक बाजार मथुरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक किता मकान नम्बर बाटर रेट 1321 शाहगंज दरवाजा मथुरा में स्थित हैं जो कि 54000/- रु०का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्बेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 7 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्णन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० 347-अर्जन/बागपत/80-81:----ध्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०है तथा जो बावली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19 मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कब्रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री गंगासहाय व हीरालाल पुत्र गण नानु निवासी ग्राम रुस्तमपुर पर० बड़ौत तह० बागपत जिला मेरठ।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरनारायण सिंह पुन्न श्री धन सिंह निवासी ग्राम बावली पर० बड़ौत तह० बागपत जिला मेरठ।
 (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किस जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

खसरा नं० 323/10-0-14 स्थित ग्राम बावली पर० बड़ौत तह० बागपत जिला मेरठ में स्थित है जो कि 63000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 5 जनवरी 1981

प्ररूप आर्ड, टी. एन . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

सं० 380-म्रर्जन/गाजियाबाद/80-81:—म्प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो फील्डकालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिन्द्रोक्तर्सा प्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास स्पर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों अर्थातुः-- महालक्ष्मी लैंग्ड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी लि० 8वी जिन्दल ट्रस्ट बिल्डिंग धासफग्रली रोड नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी श्री ग्रशोक कुँमार छाबड़ा पुत्र श्री देशराज छाबड़ा नि० रिगरोड लाजपत नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री लरूलू राम पुत्र श्री बुद्ध सिंह निवासी 197 जटवाडा वैरुन डासना गट गाजियाबाद।

(अस्तरिती)

को बह सृचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्ती कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृक किता प्लाट नं० 52 क्षेत्रफल 289-42 वर्ग गज स्थित खण्ड बी, नेहरू नगर गाजियाबाद व प्लाट नं० 52 क्षेत्रफल 265-58 वर्ग गज फी होल्ड कालोनी ग्रशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है जोकि 32500 रु० मे बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 जनवरी 1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एय०----

मायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 ता 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० 385-ग्रर्जन/गाजियाबाद/80-81'--- ग्रत मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), मी धारा 269-च के अधीन सक्षन प्राधिकारों को, गह विश्वास करने हा कारण । कि स्थाप सम्मति, जिपका उचि मुल्य 25,000/-स्पर् य ग्रधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ग्रार० 11/36 है नथा जो कालोनी राजनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 21 मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रसिफल के ि अन्तरित की गई है और मुझे सर् विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है ग्रीर अन्तरक (भन्तरको) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य । उत्तर अन्तरण निखित में नास्तविक रूप ने कथिन नहीं किया गया है '~~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने ये पस्तरक के दायिस्य में कर्म। करन या उससे बचन में सुविधा के लिए; अपर/या
- (का) ऐसी किसी आय म किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) तमोत निमालि विचार व्यक्तियों अधिनः-- श की जै० जै० सूद (जगजीत सूद) पुत्र की जै० एन० सूद (जगन्नाथ सूद) निवासी जै० 22 अंगपुरा एक्स-टेशन, नई किल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सत्य भूषण पुत्र श्री खासे राम निवासी सी एण्ड डब्ल्यू० 13 बी, घार० डी० एस० ग्रो० कालोनी मानक नगर लखनऊ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो म' मपूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उका सम्मत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र सम्मिनासन की तारीख से 45 दिन को अपित का जन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद न नगान होते ही, के भोतर न्वींका व्यक्तियों में इकिसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसयद्व किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 सानिश्चिम में किए वा पक्षि।

स्पब्दोकरण:—-इनम अपुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त क्षिशियम के यज्याय 20-क में परिभाषित है, वाग प्रयासीमा, जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किला प्लाट नंश्रार 11/36 (छत्तीस) क्षेत्रफल 1265.02 बाहर सी पेंस्ट पोइन्ट जीरो दो वर्ग गज कालोनी परजनगर में स्थित है जो कि 48070-76 पैसे का बेचा गया है।

> बी० सी० चसुर्वेदी सक्षम (प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त)निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर।

तारीखः 6 जनवरी 1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

सं० 386/श्रर्जन/गाजियाबाव/80-81:—-श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पये से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो राजनगर गाजियाबाव में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 1 मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धान्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धर्छ-नियम के धर्धीन कर देने के धन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; धौर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अल्य आस्तियौं को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त प्रधिनियम, का घनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री ताराचन्द गुलियानी पुत्र श्री सिद्धराम गुलियानी भ्तपूर्व निवासी दिरयागंज ग्रन्सारी रोड देहली 6 वेतनमान निवासी 643 गंग मीरखाना डिलाइट सीनेमा के पीछे नई दिसली-2।

(भन्तरक)

. श्री ए० के० सक्सेना श्रगोक कुमार सक्सेना पुत्र श्री दीघराज सिंह निकासी ग्रारः /1/159 राजनगर गाजियाबाद तह० व जिला गाजियाबाद।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के सम्मन्ध में कोई भी धावीप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर छक्त क्यांबर सम्पत्ति में हिंतबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संघोहक्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

श्रनु**स्ची**

ग्रार०-9/68 (ग्रडस०) क्षेत्रफल 800 वर्ग गज स्थित ग्रावासिक कालोनी राजनगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 32,000 ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज कामपुर

तारीखः ६ जनवरी 1981

भाकप आई० टी० एन० एस०------अभागकर धावितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कार्यालय कानपुर कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं॰ 296 श्रर्जन/झासी/80-81:-श्रतः मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी,

भायक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान है तथा जो ... में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय झासी में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख 2 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और पन्तरिनी (प्रन्तरिनयों) के बीच रेने प्रन्तरण के निए ना पाया गया प्रतिक्व, निम्मिशित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय का जिसी धन या अध्य प्रास्तियों भी, जिन्हें भारतीय खाय कर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रशिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

खतः. भव, उक्त ग्रिष्ठितियम को धारा 269-म के धनु-सरण में, थै. उक्त ग्रिष्ठितियम को गरा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिष्ठीन, निस्तिकिति व्यक्तियों ग्रामीन :--- श्री मानन्द मोहन खुदमुख्ताराम वृजमोहन पुत्र लाल साधूराम व मदन मोहन पुत्र ला० साधूराम निवासी सिविल लाइन झासी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रामकुमारी पुत्री जवाहरलाल निवासी बड़ा बाजार झासी।

(ग्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी अपके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्ववदीकरण: --- इसम प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं श्रवं होगा, जो उस मध्याय में दिमा गण है।

प्रनुसूची

एक किला मकान नम्बर 136 बुश बेरेला झासी में स्थित है जो कि 49000 रु० का वेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः 6 जनगरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं. 409-बी मेरठ/80-81:----श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०है तथा जो......में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मई 1980

को पूर्वों कत सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या सिसी धन या अन्य मास्तियों का, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों अधीत :--

- 1. श्री खचूडू पुत श्री लेखा निवासी ग्राम नगलाराढी पर० धौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सन्तपाल व श्रृषिपाल पुत्र गणमथन सिंह संरक्षक मथन सिंह निवासी ग्राम नगलाराढी मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो 40,000 रु० को बेचा गया स्थित ग्राम नगला राष्टी हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा 6 जनवरी 1981 मोहरः प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत,सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं. 379-नी/गाजियाबाद/80-81.---अतः मृझे नी. सी. जत्वेंदी,

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम श्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से श्रिष्ठक है

और जिसकी सं.

है तथा जो में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकित विधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकिरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 मर्द 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से पश्चिक है भौर मन्तरक (प्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, खक्त श्रीवित्यस के श्रधीन कर देने के मन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिवित्यम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—— श्री शिवादत्त उपाध्याय पुत्र श्री जे. एन. उपाध्याय निवासी 14 बी प्रसीड न्ट की रटेट, नई दिल्ली हाल् निवासी द्यारा डा. बाल किश्न सी,-16 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मिसोज लक्ष्मी अग्रवाल पत्नी एस पी. अग्रवाल,
 (2) मिसोज सुबोध कुमार पत्नी डा. सुशील कुमार,
 वोनों निवासी धामपुर जिला विजनोर (उ. प्र.) ।
 नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के भव्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

घनुसूची

एक किता प्लाट आर-1/6 पैमाइस 777,90 वर्ग गज राज नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 32,676 रु. का बेचा गया है।

> बी ःसीः चतुर्वेदीः, सक्षम् प्राधिकारीः, सहायुक आयकर आयुक्तः, (निरक्षिण) अर्थन रजे, कानपुर ।

तारीब : 6-1-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•----

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अनवरी 1981

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान 157 है तथा जो मुजफ्फर नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 8 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तिति (अस्तरितियों) के बीव ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तत पश्चितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री प्रेम चन्द्र पुत्र श्री चतर सेन निवासी 28 श्रम्पुरा पूर्वी मुजफ्फर नगर व जयकुवर पुत्र श्री जीवन सिंह भा० 157 ब्रह्मपुरी मुजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नन्द किशोर पुत्र श्री मिटठन लाल निवसी 157 ब्रह्मपुरी, मुजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उदन सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की भवधि या हरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि क्षाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूचोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (न्त्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की वारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धी वर्ष: --इनमें द्रयुवा शक्यों और पर्धों का, जो उसत मिध-नियम के झड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन सड़्याय में वियागया है।

मनु सूची

एक किता मकान नम्बर 157 दो मंजिला ब्रह्मपुरी मुजफ्फर नगर में स्थित हैं जो कि 45000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 5 जनवरी 1981

प्ररूप आहुँ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० 3194-ए/कानपुर/80-81:—-प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 140 है तथा जो ब्लाक क्यू स्कीम नं० 1 काकादेव कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (11) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- श्री वीरेन्द्र सिंह भौधरी वरूद गुरुदयाल सिंह एडवोकेट साविगज इटावा

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र नाथ शुक्ला वल्द स्व० टी० एन० शुक्ला, 194 बी 'झो' ब्लाक किदवई नगर कानपुर (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 140 ब्लाक क्यू स्कीम नं० 1 काकादेव कानपुर में स्थित है जो कि 48000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, कांमपुर

नारीख: 3 जनवरी 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायौलय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० 317 बी/कानपुर/80-81:—-प्रतः मुझे बी० सी० चतर्वेदी.

बायकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्वीर जिसकी सं० प्लाट नं० 431/88 है तथा जो ब्लाक एच स्कीम नं०-1 में स्थित है (श्वीर इससे उपाबद अनुसूची में श्वीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय काकादेव कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठकारी के कार्यालय काकादेव कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 3 मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है श्वीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का प्रस्तु प्रतिशान से प्रश्विक है और अन्तरण के लिए तय प्राथ्त ग्वा शिक्त मिम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:→→

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ खास्तियों को जिन्हों भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रियोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं होशा कि निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

- 1. श्री गिरधर मोहन ग्रागा ग्रात्मज श्री बी० एम० ग्रागा निवासी 15/264 सिविल लोडन कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. स॰ सन्तोष सिंह एवं स॰ जगजीत सिंह पुत्रगण स्व॰ म॰ भोला सिंह 28 सरोजिनी नगर कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इम सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस स्वता हे राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उका ग्रिधिक नियम, के ग्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता प्लाट 431/88 ब्लाक एच स्कीम नं० 1 काकादेव शहर कानपुर में स्थित है जो कि 53400/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3 जनवरी 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज कानपुर

कानपूर, विनांक 3 जनवरी 1981

सं० 3196-ए/कानपुर/80-81:----ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 169 है तथा जो रत्तूपुरवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सा श्रीधकारों के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 मई 1980,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्रो सोताराम पाल पुत्र श्रा देवो सिंह पाल निवासी 133/182 श्रो ब्लाक किदबई नगर कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रो रामचन्द्र व राम विशाल पुत्र गण रामधन 133/182 श्रो ब्लाक किदबई नगर कानपुर। (श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण्:--इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक किता मकान नम्बर 133/पी० 169 श्रो लीज ण्लाट नं० 166 रकवा 526 वर्गगण एक मंजिला बना है जो कि 80000 रु० को बेचा गया है।

> बीं० सीं० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्णन रेंज, कानपुर

तारीख: 3 जनवरी 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० 3192/कानपुर/80-81—ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट 431/22 है तथा जो काका देव कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिलस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कायिलय कानपुर में, रिलस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ज्वाह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, जबत प्रक्षितियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के रापित्व पें किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राप मा किसी बन या ब्रन्थ ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्राय-हर ब्रिबिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त ब्रिबिनियम, या बन-कर ब्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविद्या है लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, उन्त प्रविनियन को बारा 269-व को उपवारा (1) के अधीन निम्निवित काक्तियों, अर्थातुः ---

- श्री हरजात सिंह पुत्र श्रा गुरबचन सिंह मेठी निवासी एन० 8 2 ब्लाक एन किंदबई नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रं दुर्गा प्रमाद निगम पुत्र श्रा प्रयोध्या प्रसाद निगम नि० 8/118 म्रार्थ नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रज़न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना हे राजपत्त में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो छस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 431/22 ब्लाक एच स्कीम 1 वार्ड काकादेव कानपुर में स्थित है जो कि 71200 ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

तारोख: 3 जनवरी 1981

मोहरः

14-456GI/80

परूप आई॰ टी॰ एउ० एस० ----

आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यानय, महायक मायकर मामकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनकि 5 जनवरी, 1981

सं० 1899-ए/देहरादून/80-81 — अतः मृझे बी० मी० जन्ति जिल्लाहरी,

आपकर अधिनियम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रविक है और जिसकी सं. मकान ही तथा जो चन्द्र नगर वहराद्र में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुमुची से श्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रिजर्ट्र कर्ता श्रिधकारों के कार्यालय देहराद्र में, रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुन 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्रामता सामा पुत्रो बाल एम० चौहान तथा उत्थ एम० चौहान पुत्र ठाकुर भवानः सिह् नियामं 10 हर्येय णास्त्रा मार्ग, देहरादून।

(ग्रन्तरक)

2. श्राः विजयपाल सिंहः, चरनजान सिंह् पृत्र सुन्दर सिंह् निवासः 70/5 गार्थः रोडः, देहराद्वन ।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्ं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता मकान क्षेत्रफल 617.924 वर्ग मीटर मकान नम्बर 1 चन्द्र नगर देहराटून में स्थित है जो कि 51000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्नायकर स्नायुक्त, (निर्देक्षण), स्नर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 5 जनवरी 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिष्ठीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 18 विसम्बर, 1980

सं० 3650-ए/बुलन्दणह्र/80-81:—-श्रतः मुझे बी॰ सी॰ चतुर्वेदं।

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य० से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयरामपुर बांगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबदा श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है, रिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रनूपशहर रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रिधन तारीब 19 सिनम्बर 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः म्रब, उक्त भिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— शि महेन्द्र कुमार पुत्र श्रो राम गरण दास निवासी डिवाई मो० मण्डी सहदेव तहसील श्रन्पग्रहर जिली बुलन्दग्रहर ।

(अन्तरक)

2. श्री रजनी सिंह पत्नी डा० सुरेश चन्द्र सिंह तथा अनिल कुमार सिंघल पुत्र मांगेश्वर दयाल सिंघल निजासी मोहल्ला चौक दुर्गा प्रसाद कस्बा व पर० डिवाई तह० अनूपशहर जिला बुलन्वशहर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

90/2
एक किता सम्पत्ति नम्बर — ग्राम जयरामपुर
11158+6
तहः अनूपगहर जिला बुलन्दशहर में स्थित है तथा जो कि
30,000/- २० में बेचा गया है।

बी० सी० **चतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 18-12-80

प्रकृष बाह ० टी० एन० एस० --

आयकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

सं० 3068-ए/देहरादून/80-81---श्रतः मुझे बीः० सी० चसुर्वेदीः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० मकान 17 है तथा जो गोविन्दनगर रेसकोर्स में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वे वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारों के कार्यालय बेहराबून में, रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रर्धान दिनांक 5-5-80

को पूर्वों कत् संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्ल्ने में सुविभा के लिए; बहुद/या
- (का) एसी किसी आयु वा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-गुके अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नालीसत व्यक्तियों अधितः—

- 1. श्री स० मनमोहन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी 58-ए रेमकोर्स हाल रु 66 सेक्टर वो फरीदाबाद । (श्रन्तरक)
- श्री स० हरचरन सिंह पुत्र धमर सिंह निवासी 15-ए रेसकोर्स देहरादून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश मा प्रकारता है। तार के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्थळीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अधं द्वागा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

एक किता मकान म्यूनिसिपल न० 17 ब्लाक 2 स्थित गोविन्द नगर रेसकोर्स देहरादून में स्थित है जो कि 70,000 ६० को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 6-1-8 1

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनां ह 6 जनवरी, 1981

मं० 3069-ए/देहरादून/80-81----श्रतः मुझे बी० मी० च**तुर्वेद**ः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण कृ कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्मीर जिमको सं ० मकान 44 है तथा जो देहरादून में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्मीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारोख 2-5-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभल से एसे दृश्यमान प्रतिभल का जन्द्रह प्रतिशत स शिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल कि निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, गी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थितः-- श्रीमती जानकी देवी पत्ने श्रं वृष्णसाल निवासी 1/44 चख् बाला टैगोर कालोने चक्राता रोड, देहरादून।

(भ्रन्तरितः)

 श्री रतन चन्द्र पुत्र श्री धन्नाराम निवासो 1 ई/3 न्यू टाऊन फरीदाबाद

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (य) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'प्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला क्षेत्रफल 1226 वर्ग फिटया 114, 948 वर्ग मीटर स्थित भूमि नं० 44 बाके चकराता रोड देहरादूत में स्थित है जो कि 48,000क्० में बेचा गया है।

> बो० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक: 6-1-1981

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस॰------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 6 जनवर्ः, 1981

मं 3074-ए/देहरादून/80-81—श्रत. मुझे, बी o सी o चतुर्नेदः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / र_ि. से अधिक है

गौर जिनका स० महान 36-वा है तथा जो बलबीर रोष्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट, हर्ना अधिकारः के कायलिय देहरादून में, रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिना। 9-5-80

का पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से एसे इष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्याथायाकियाजाना चाहिए था छिपाने मे सविधा के लिए;

अत. अब, उक्त गिंधनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भं में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. डा० चरन मिह पुत्र श्री सन्त सिह निवासी 36-बी/36-2 बलबोर रोड, देहरादून (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रेनुहा खन्ना पतिन श्री इन्द्रप्रकाश खन्ना 15/3 सरकुल रोड, वेहरादून

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के अञ्जपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को 'लक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 36-बी/36-2 बलबीर रोड देहरादून में स्थित है जो कि 1,8 5,000/- रु का बेचा गया है।

> र्बं ० सी ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपूर ।

नारोख : 6 - 1-8 1

प्रस्प आई०टी० एन० एन० ---

श्राय कर अधिक्यिम, 196! (196! ता 13) की जारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

पार्थातर, हायात आयाहर चारुकत (निरीक्षण) अर्वत रेज, मानपूर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

सं० 3045-ए/जन स०/80-81----ग्रतः मुझे बी० मी० चतुर्वेदी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 事] (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये में श्रधिक है श्रीर जिसकी मं० मकान है तथा जो खतौली में स्थित है (श्रीर इससे उगावद अनुभूनों में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय जानसठ में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-80 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) हे बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित

(क) श्रम्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-वियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के श्रायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या िसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधी। निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत:--- श्री **पोखरचन्द्र** जैन पुत्र लाला णितल प्रसाद जैन निवासा खतीली भी० राजाराम रा० न पर० खतीली तह० जानमठ, जिला मुख्यकरनगर

(प्रन्तरक)

2. श्री सुखनन्दन प्रसाद पुत्र श्री ग्राग्व सिंह व प्रशीक कुमार व सुर्थाल कुमार पुत्रगण सुखनन्दन प्रसाद ना० बा० बलायत सुखनन्दन प्रसाद पिता हुकीर्मा खुद नि० खतौली मौ० कानूनगोपान पर० खतौली तह० जानसठ जिला मुजफ्फरनगर

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के धर्जन ि लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

एक किता मकान जो कि दो मंजिला हुकान पश्चिमी मुहाना हदूदरवा: पूरव धावचक व मैदान जैन कालिज पश्चिम सड़क उत्तर दुकान जैन कालिज दक्षिण दुकान श्रीपाल धादि की है जो दि 40000 ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप आइ⁴. टो. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज.

ग्रानपुर, दिनाक 6 जनवरी 1981

स० 3061-ए/मु०नगर/80-81---श्रत मुझे बी० सी० चतर्वेदी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको स० कान स० 2 ए है तथा जो नई मण्डो आबार्दा मण्डो मे स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिल्स्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय मुज्जफरनगर में रिज्स्ट्रोकरण शिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनाश 7-5-80

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितंशित में अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वाल्लिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या स्वापित्यम, गार्कित अधिनियम, या स्वापित्यम, १०८७ (1947 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वाप्त के लिए

1 श्री केमोराम पुत्र िण्णनलाल व लालचन्द्र, सुरेणचन्द्र, नरेणचन्द्र पुत्रगण लाला रतनलाल निवासी मगलीर तह० रुडकी जिला महारनपुत्र

(श्रन्तरक)

2. श्री बारबाल दास जिन्दल पुत्र लाला शिवलाल निवास। 64 वा नई मण्डी, मुजफरनगर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता मकान नम्बर 2 ए का छाधा भाग जो कि झाबादी मण्डी जिला मुज्जफरनगर में स्थित हैं जो कि 70,000 के का बचा गया है।

> वी० मी० चतुर्वेदी सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, शानपुर

सत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनाक : 6-1-81 मोहर: प्रस्प आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निवेश नं० 306-बी/कानपुर/80-81---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमै इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000√- रुपए से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं भकान 7/109 एवन है तथा जो स्वरूप नगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 13-5-80 को थूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (पन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम, के श्रधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ भास्तियों कों, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

धतः धन, उन्त घितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उन्त प्रिप्तियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित स्पन्तियों, अर्थात्:——
15—456GI/80

(1) मिस्टर चार्लस एलवर्ट नील पुत्र श्री मिस्टर एम० जी०, नील 34-मी, एल० ग्राई० सी०, कालोनी लिखनपुर, कानपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद श्रसलाम पुत्र श्री मिस्टर ए० गफ्र, 7/109 एवन, स्वरूप नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करक पृत्रीक्त मम्पति के अर्थन के लिए सार्थनाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की भ्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीनर उदन स्थावर जन्मित में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टी हरग: --- इनर्पे प्रयुक्त गन्दों और पदों हा, जो उक्त ग्राधि-नियम के ग्राध्याय 20 ह में परिभाषित है, कही ग्रार्थ होगा, जो उप ग्राध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक किता मकान नं 7/109 ए, 1 स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है जो कि 78,144 रु को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 18 विसम्बर 1980

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्या**लय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जनवरी 1981

निदेश नं० 359म्पर्जुन/मथुरा 80-81---- ग्रतः मुझे, बी० सी० चतर्वेदी

सायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इमके पश्चात् 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रजीन सक्षम ग्रीधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से ग्रीधक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो मौजा सहार में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय छाता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-5-80,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क नृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिक्रत से अधिक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) श्रीर भग्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निक्ति निक्ति में वास्तिक रूप से कांचित नहीं किया वयः) है:—

- (क) प्रकारण स वृद्ध किसो धाय की बाबत, उक्त प्रश्विनवस के ध्रधीन कर देने के प्रकारक के बायश्व में कभी करने या जससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त धिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री श्रहमदम्रली व श्रपूनमतीव मोहम्मदपूनर्मैव णंकर ग्रली बकमन सिंह बल्लो पृत्रगण राखी मि तहसील छाता जिला मथुरा (श्रन्तरक)
- (2) श्री शिवचरण पुत्रगण नूदन हरचरन वछेदी सूरजपाल व रामपाल श्रोम प्रकाश पुत्रगण विजयपाल निवासी मौजा साहर छाता जिला मथुरा (श्रन्तरिती)

हा यह मूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अविभागों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी न से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जनत श्रिवित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमिग्राम मौजा शहर छाता जिला मथुरा में स्थित है जोकि 52900 रुका बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

दिनांक: 5 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश नं० 372-बी/ग्रर्जन/गाजियाबाद/80-81—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 9-5-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के मुभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, मुर्भात्:--

- (1) श्री जितन्द्र कुमार बदल पुत्र श्री नन्द किशोर बदल, निवासी स्टेडियम सिनेमा मधुरा रोड़ नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसवन्त सिंह गिल व सरदार कृपाल सिंह गिल व सरदार जगजीवन सिंह गिल पुत्न सरदार सनन्तसिंह गिल, निवासी III डी/272 नेहरू नगर गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रपी

एक किता प्लाट नं० IIIs1/29 क्षेत्रफल 273.08 वर्गगज में स्थित है नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 1,12,800/-६० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी ॄसक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक : 9 जनवरी 1981

प्ररूप माई०टी०एव०एस०---

म्रायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक झामकर **भ्रायुक्त (निरीक्षण)** भ्रजीन रेंज, का**लपुर**

> > कानपुर, दिमांक 9 जनवरी 1981

निदेश नं० 352-बी/मेरठ/80-81—श्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिधक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो करीम नगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 21-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन
 कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

(1) श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी श्री रतनलाल गुप्ता निवासी 1147/8 मोहल्ला बेगमबाग पी० एल० शर्मा रोड़, शहर मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) मु० प्रस्तरी बेगम जीजे हाजी करम इलाही निवासी पुरवा श्रहमदनगर गर्वीश्रली कोठी, शहर मेरठ।

(मतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :-- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, कही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में विधा मया है।

अनुसूची

एक किता श्रहाता मये दुकान सं० 75 बाके मोहल्ला करीम नगर शहर में स्थित है जो कि मेरठ शहर में स्थित है।

> बी० सी० घतुवदी सक्षम ग्रियकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निवेश नं० 349-बी/मेरठ/80-81--श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं कि मकान है तथा जो करीम नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-5-80 को पूर्वोक्स संपित्त के उपात बाजार मूल्य से कम के खर्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उपात बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गामा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री जमालेहक उर्फ जमालुद्दीन पिसर रहमतुल्ला निवासी बागीचा मृ० हसन शाहपीर गेट शहर मेरठ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजहां उर्फ भूरी पुत्नी हफीजुद्दीन उर्फ फीजूदी निवासी ग्राम हाजीपुर पर० व तह० जिला मेरठ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटिशेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सकान नम्बर 2 बाके मोहल्ला करीम नगर शहर मेरठ में स्थित है जोकि 65000/ रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेण नं० 366-बी/गाजियाबाद/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- कु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० क्वाटर नं० 148 है तथा जो राजेन्द्र नगर गाजियाबाद में स्थित है) श्रीरइसने उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक 6-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए ग्रन्नरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीक्षक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया ग्रितिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ुमधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री अर्जुन अरोरा पुत्र श्री लीलाराम अरोरा निवासी 171 यू० आवूलेन मेरठ कैन्ट मृखतार साम श्रोर से कुमारी श्रंशू अरोरा पुत्र श्री डा० कुण्णलाल अरोरा नि० सिविल हासिपटल लखनऊ। (अन्तरक)
- (2) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री पूरनचन्द्र निवासी 80 पुरवा फेयाजग्रली गहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दो तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी 'छक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूचो

एक किता मकान नम्बर 418 क्षेत्रफल 22-5-88 वर्गमीटर स्थित कालोनी राजेन्द्र नगर सैक्टर 8 गाजियाबाद में स्थित है जो कि 54500 २० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

विनांक : 9 जनवरी 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश नं० 343-बी/मेरठ/80-81—-भ्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर नम्मति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान है तथा जो सदनपुरी में स्थित है (ग्रौर इसमें उनाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रिथित। री के कार्यात्रय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9-5-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफन, तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक का मन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अपन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी बन या थन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) पा उत्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विद्या के लिए;

अतः श्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) सरदार दयाल सिंह पुत्र सरदार राजदन्त सिंह सिम्बसाकिन कदीम म० न० 50 गोविन्दपुरी कंकर खेडा हाल निवासी कमेरु खेडा पर० तह० जिला मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र सिंह पूनिया पुत्र श्री भीमसिंह व हरेन्द्र सिंह ना० व जितेन्द्र सिंह ना० भीम सिंह मजकूरान विलायत व वजरिये श्री भीम सिंह भ्रकवाम जाटसा किनान मौजा सकरपुर तह० सरधना जिला मेरठ।

(भ्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वीक्त सम्पत्ति के धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो छक्त प्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक किता मकान एरिया 148 60 वर्ग गज बाके मोहरूल सदनपुरी कंकर खेडा मेरठ में स्थित है जो कि 85000/ रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

मीहर:

प्ररूप भाई । टी । एन । एस :------

आयकर भ्रिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रिभीत सूचना

मारत सरकार

कार्यात्रय, महायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कानपुर

कासपूर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निवेश नं० 334 बी/मेरठ/80-81—⊸ग्रत' मुझे बी० सी० चतर्वेदी

आयकर प्रधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है भीर जिसकी स० जायदाद है तथा जो खैर नगर मे स्थित है (श्रीर इसने उगाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 5-5-80

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा, वॉक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्न अन्तरण निखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाष को वाबन उक्न मिल-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए;

अगः, ग्रव, उस्त ग्रिश्वितयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उस्त ग्रिश्वितयम को धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) तो तनाति पित होरा पुत श्री प्रेम सिंह होरा तिश्वासी 219 वैस्टिएन्ड रोड मेरठ कैन्ट बवजाते चुद व मुख्यार ग्राम मिनजनिथ श्रीमती रामकोर बेवा बरनवीर सिंह होरा व मदनजीत सिंह होरा व जी० एस० होरा व राजेन्द्र सिंह होरा सम्पूर्ण सिंह होरा व हनमन्त सिंह होरा पिसरान सरदाप्रेम सिंहहोरा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ताहिर श्रली खा व मसररत श्रली खां उर्फ बाबू मिगा निसर प्रहसान श्रली खां निश्वासी डा० राधनाइनायतपुर पर० किठोर तह० मवाना जिला मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी सरके प्रवीका मध्यति के प्रवीन के जिए कार्यवाहिया करना हूं।

उका सन्तरि है प्रजैत के तस्त्रन्य स कोई सी पाक्षी '--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किया जायदाद निवासी 223 व 229 हाल नं० 97 बाके बाजार खैर नगर शहर मेरठ में स्थित है जो कि दो लाख रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेवी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एन • एस • -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के धन्नीन समय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का सारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छवित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है तथा जो बह्मपुरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमीन दिनांक 9-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विभ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूक्य छसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से जन्त प्रमार विखित में वास्तविक क्य से काबन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बादत अकत अधि-नियम, के मधीन कर देते के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या छ8से वजने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, धनत अधिनियम की धारा 269-त्र की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : --16—45601/80 (1) श्री सुखबीर सिंह पुत्र श्री स्व० श्री नानक जाति वैश्य पूर्व निवासी मोहरूला गली सेठान करवा सरधना निवासी 779/8 बी बर्तमान नं० 739 मास्टर कालोनी शहर मेरठ

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता गुप्ता पस्ती श्री जगन्नाथ गुप्ता निवासी मोहल्ला ब्रह्मपुर मकान नं० 752/9-बी, शहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीस्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध चिसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 779/8 बी वर्तमान नं० 739 स्थित मोहल्ला ब्रह्मपुरी शहर मेरठ में स्थित है जो कि 45000/ह० का बचा गया है।

बी० सी० **च**तुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

प्रकप बार्ट ∘टी • एन • एस • ---

आयकर निवित्यम, 1961 (1961 की 43) ही धार 269-व (1) के धधीन शवना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेग, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

निदेश र्सं० 301-अर्जन/श्रलीगढ/80-81--- धत: मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर ग्रीप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीप्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के नधीन सक्षम गणिकारी की या विश्वास करने का कारण है कि स्वावर भम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मुख्य 25,000/- हु॰ से श्रीक्षण ,

श्रीर जिनकी यं जन्मि है तथा जो सईनाथ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीव ती अधिकारी के कार्यात्य अलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-80
की पूर्वोंक पर्यांन के खित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्षण के निए अन्तरित की गई है पर मूल वर विश्वास
करने का कारण है कि उत्पूर्वोंक सम्पत्ति का उत्पित
बाजार मृत्य, उसक श्रथमार प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकान का सम्बंध प्रतिकार प्रशिक में और उत्पत्ति
(अन्तर्कों) का राम्यंध प्रतिकार प्रशिक विश्वास
अस्तरक के पर प्रतिकार प्रशिक प्रशिक कि विश्वास
प्रकारक के पर वर्ष स्था गया प्राप्तकन, विकालिय
प्रश्यक से उत्तर अस्तरक क्षित्तन में सम्बंध कर कर विश्वास

- (क) अन्तरण में हुई ियी आय को बाबत, उनत अधिति ए के अधीन कर देने के अन्तरक १ दाणिस्व में कमी करन या उससे बचन में सविधा ंचए; और या
- (ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम वाधिनियम वाधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अ रिती का प्रकट न किया के स्था जाना चाहिए का किया में सिका के सिक

अत: अब, उन: अधिनियम की धारः 200-ग र प्रनुसरण में, में, अब्त अधिनियम की धारा 200-च की उपधारा (1 के अधीन, निरुत्तांखर कास्तिगों, अथीत:— (1) राम प्रसाद पुत्र श्री प्यारेलाल महेण्वरी निवासी गाली पाड हाल निवार्स मार्व चौबेजीका कृवा जिला ग्रलीगढ़

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लीताधर पुत्र खान सहाय व रमेणचन्द्र पुत्र लीलाधर निवासी सरायजमा जिला प्रलीगढ़ (ग्रन्तरिर्तः)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ाम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस नूचना के राजपत्र में मकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त प्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजनः ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टी हरण :--इसमें प्रयुक्त शाकों और पदों का, जो 'खन्त श्रीधनियम के भवशाय 20-क में परिभाषित है, र नव होगा को उस भव्याय में दिया

अनुसूची

हिंदि निम प्राप्त मईताथ पर० व० तह० जिला ध्रलीगढ़ में न्यित हैं तो हि 45000/-६० हा बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 11 दिसम्बर 1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर समिनियम, 1961 (1511 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन धूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेग नं० 347-ग्रर्जन/80-81---ग्रनः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत समिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन समाम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हे कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिनकी संज्ञान है तथा को में स्थित है (श्रीर इससे उगात्रद्ध प्रनुष्यों में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के काथ लय मैनपुरह में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 17-5-80

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

थतः सब, उनत समिनियम की धारा 269-म के समुसरक में, में, उक्त समिनियम की धारा 269-म की उपमारा (1) के ब्राचीन, निम्मविचित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) डा० ईम्बर दयाल बर्मा पुत्र श्री स्व० हरदयाल बर्मा निवासी एम श्राई 14 हार्जेसिंग स्कीम लखनऊ हाल निवासी 6-3-666 बी पंजागटा हैदराबाद वहैंसियत पुत्र श्री ख्तारश्राम निजानिव श्रीमती कमलेश कुमारी देवी विधवा स्व० डा० हरदयाल वर्मा वर्ण कायस्थ नि० छपटी मैनपुरी श्रब एम श्राई 14, अलीगंज हाउसिंग स्कीम लखनऊ, हाल 6-3-666/बी गंजागुटा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार मित्तल पुत श्री स्व० बाबू हरिकशन लाल मितल निवासी हाल मुहल्ला छपटी शहर व जिला मैनपुरी ।

(भ्रन्तरिती)

का यह यूजन। आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षत्रेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 ्राचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए वा सकीं।

स्वब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्षों का, को उन्स प्रधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, जी उस अध्याध में दिया गया है।

अनुसूचा

एक किता मकान नम्बर 2094 था हाल नम्बर कमश 3968 है जिसका वर्गमीटर 72 वर्गमीटर दूसरी मंजिल 102 वर्गमीटर व नीसरी मंजिल 9 बर्गमीटर बना है। जो कि 45000/-रू॰ का वेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, धिनांक 9 जनवरी 1981

निदेण तं० 303 बी/दावरी/80-81---अत: मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिस की सं० प्लाट नं० 91 है तथा जो कन्टासरी कालीनी में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय वादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 15-5-80 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का न्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री एव० कें ० सूरी पुत्र श्री स्व० श्रमोलकराम सूरी नियामी बी-47 डिकेंस कालोनी नई दिस्ली-6 51 (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री सूरज सिंह निवासी ए-7/42 कृष्णा नगर देहरी-51। (ग्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्र**नुसूची**

एक किया ध्लाट नम्बर 91 पैपाइसी 593 वर्ग गज कान्तासूरी कालोनी सेक्टर VII चिकम्कपुर गाजियाबाद जो कि गाजियाबाद में स्थित है जो कि 38,545 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० जयवेंदी सक्षम प्राधिकारी महाथक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

भोहर:

प्रक्रप आई टी एन एस -----

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज, तानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

निदेग र० 348म्र जैन/मथुरा/80-81--म्रत मुझे बी० सी० चनुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ?5,000/- रु. से अधिक हैं

ब्रीट जिन ही त० अनुमूची है नया जो अनुमूची में स्थित है (ब्रीर इतने उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) कि ट्रीहिता को कारी के हार्यानय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 21-1-80 का पूजावत नेपां कि कि कि का मूख कि हम के स्थमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करों का कारण है कि ए-एए जिंका स्पार्त का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल भं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत न अधिक है जोर अन्तरिक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियो) के कीच एसं अन्तरण को लिए तय पाथा गया प्रतिक्त का निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नीलिखन में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए.

कत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) डाक्टर नन्द कुमार पुत्र श्री स्व० डाक्टर गोविन्द प्रसाद अरोड़ा स्व० मुख्तार खास प्रदीप कुमार भाई खुद व श्री मनो देवी पत्नी स्व० डाक्टर गोविन्द प्रसाद श्ररोडा नि० जैम्पीपा नग मधूरा (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हैमलता पत्नी विनोद कुमार व प्रमोद कुमार नि० हैम्पियर नगर मथुरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

अनुसूची

एक किता प्लाट 1388 अर्ग गज लाले डोम्पयर नगर मथुरा मथुरा में स्थित है जो कि 70000 इ० का बेजा गया है।

> वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 11-12-80 भोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० 369-म्रर्जन/गाजियाचाद/80-81---म्रतः मुझं बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिस की 10 कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-80 को पूर्वोक्स संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नृति्षित व्यक्तियों, अर्थात् ३--

- (1) मैसर्म सूरी एसवेपटस इन्डसीज प्रा० लि० ज्ञानी वार्डर जी० टी० रोड़ गाजियाबाद मुख्यकायां त्य 1955 प्रमाद गुजर्जी मार्श देहली द्वारा सरदार जगजीत सिंह पुत्र सरदार हरनाम सिंह सूरी नि० 33 विश्वती राज रोड़ न्यू दिल्ली डाइरेन्टर मजान इन्नकाल प्रापर्टी मैसर्म सूरी एसबेस्टस डायरेक्टर, (श्रन्तरक)
- (2) रेनर्प ट्रांननोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया लि० मुख्य कार्नानय महात्मा गान्धी रोड़ सिकन्वराबाद (मान्ध्र प्रदेश) द्वारा चौधरी शिवलाल पुत्र श्री गुलाव सिंह मि० 1-7440 ए ईस्ट गोरख पार्क सहादरा दिल्ली-32 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और प्रवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक कित्त। जमीन पैमाइसी 2011 50 वर्ग गज स्थित कड़कड़ माडल परगना लोनी तह० जिला गाजियाबाद जो कि 5,26,110/- में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंघ, कानपुर

दिनांक: 9 जनवरी 1981

मोहरः

श्रीवी० केणय

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) के विव नाथ

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजेंन रेंज, एरण।कुलम,

एरणाकूलम, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल० सी० 431/80-81--यतः मुझे वी० मोहन नाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की पं० ग्रनुसूचीकेश्रनुसार है, तथा जो माताधूविस्लाकोम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन ग्रनुसूची ; ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्त्ता ग्राधकारी के स्थाहित पंटम रें भारती रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1905 का 16) के अधीन, दिनांक 21-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिचास से अधिक ही और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरी।

म्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

11.175 cents of land with building as per schedule attached to Document No. 1978/80 dated 21-5-1980.

वी० मीहन लाल सक्षम प्राधिकारी सहाध्यक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणःक्लम

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---

दिनांक 2-1-5 1980 मोहर

प्रस्प श्रार्धः टी० एन० एम०--

ग्राप्यकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का **4**3) की बारा 269**-ष** (1) के श्रिधीन सूचना

भारत मरकार

क्षानि म. नडायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज,एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

निदेण मं० 433/80-81—यतः मुझे, बी० मोहन लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके प्रचान् 'खक्त अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269 ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ता कारण है ि स्थावर पम्पत्ति जिसका खिना बानार मूख्य 25,000/- रू० से अधिक है

ग्रौर जिस की गं० श्रनुभूची के श्रनुसार है तथा जो

में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वींगन है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्म मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन दिनाक 28-5-80

को पूर्वोक्त नमानि के उजित बाजार मूल्य से कन के बृश्यमान प्रतिफल के निष्यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त पम्पत्ति का उजित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ति), के बीच ऐसे अनर्ग के निष्य तय पाया गया प्रतिफल, निम्त । त उद्देश से उपन अन्तरम् लिखित में बास्तविक का जिल्ला की कार्या के जिल्ला की बास्तविक का स्वाम की स्

- तन्तरा १३ई किया आध्यका जावत, उक्त अधिनियम क शो। कर देते क अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसने जनने में द्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐनी ित्सा आप या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें अर्थाय आयकर अजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जाजनार्थ अन्तरिती ज्ञार प्रकट नडी किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुलिधा के निष्या

अतः अर्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, गू, उन्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री सोलमन प्रलिवार

(ग्रन्तरकः)

(2) गांची के नैनाट

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी हर ६ प्वॉक्त उम्पति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना है जिन्दा में प्रकाशन हो तारी के से अप दिन की अवधि या तत्मकान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की सर्वधि, औं भी प्रविध बाद में समाप्त कीती हो के भीतर पूर्ण व्यक्तियों में से किसी किस परहा
- ख) इस सूचना के राजपन्न में स्वायन की तारीख से 15 दिन के थोनर एकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य न्यवित टारा, अश्रोहरनाक्षरी के पास लिखित में किए सकें।

स्वन्दीकरण.--- धर्मे प्रयुक्त शब्दों औे दों का, बो उक्त अधि म के अध्या :-क में परिभाषित ह, वहीं में भा भे उस अध्याय में दिया

ज**न**भुष्य

7 cents of land with building in Sy No. 3335/6 of Matathuvilakom Village, as per Doc. No. 1677/70 dated 28-5-80.

वी० मोहनलाल (पक्षम ग्राधिकारी) यहायक श्रायकर श्रायुक्त (किर्रक्षण) यजेन रेज, एरण,कलम ।

दिनाक : 3 दिसम्बर 1980

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनाक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 432/80-81- यत. मुझे द ० मोहन लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसके: स० श्रनुसुच, के श्रनुसार है, जो में स्थित है, (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुच; मे श्रौर पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकार, के कायित्य पट्टे में भारत य रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न, दिनाक 22-5-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :--

(1) श्रा ए० सेन्माधव मेनोन ग्रागवडोट घर पुनिक्क विल्लेज।

(श्रन्सरक)

(2) श्रा विद्याधर स्रादः कोच्तरा घर, गोविग्दमुट्ट पुनुखर्लीः (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

17 cents of land with building as per schedule attached to Doc No. 1620/80,

वो० मोहनलाल, मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

नारीख: 10-12-1980

मोहर:

17-- 456GI/80

प्ररूप नाई • टो • एन • एस • -- --

धायकर धिवनियम 1941 (१९६1 कः 43) की धारा 289-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनाक 22 दिसम्बर 1980

सं एल सार 435/80-81—यतः मुझे वो मोहनलाल, आयहर स्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात् 'उन्त पश्चित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन मजन प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजा मूल्य 25,000/- रुपए के स्विक है

और जिसकी सं० ध्रनुसूच के ध्रनुसार है, जो कालडी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ध्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रीध गरार के वर्यालय श्राम् लनगरम में भारत य रि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना16) के ग्राधीन, विनांक 28-5-80

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त वाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए भन्निरिंग की गई है और मुखे रह विश्वान उसमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र अनार मूल्य, असके दूरयमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिक्षत प्रशिक्त है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरित। (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखित में बास्त-विश्व का से किया नहीं किया गया है:——
 - (क) अक्तरण से हुई कि ने आय की बाबत, खबत बक्कि जियम के अधीन कर के के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के जिए; और/या
 - (ल) ऐनो किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावतार्थं अक्तारेती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाक्रिए ना, शियाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उर्गत विविवयम की धारा 269-ग के अवसरत में, मैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) डाक्टर के० ऐ० श्रकबर खान और श्रामित जवाहर सुलताना।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर बा० प्रनिलकुमार

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यग्रीका परवा हूं।

छक्त सम्पत्ति । गर्जन के संबंध के कोई भी ग्रा**क्षेप:--**-

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अविधि पा तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती दो, के भीतरपूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दोरा;
- (ख) इस नूबना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो छम ाज्याय में दिया गया है।

अनुसूघी

Doc. No. 1007/80 27 cents of land with two buildings in Sl. No. 235/1/B1 of Manikkamangalam Village.

वा० मोहन लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,एरणाकुलम

तारीख 22-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्याच्य, सङ्ख्यक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 जनवरे। 1981

निदश सं०एल ० सीं० 449/80-81—यतः मुझे, वी० मोहनलाल, आयकर प्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृश्य 25,000/- क्पये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूचि के अनुमार है, जो तुक्कण्डियूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय तिरूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, 20-5-80,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है धौर अन्तरत (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के निए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्ष्य से उक्त श्रन्तरण लिखान में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रष्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टारक के वायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः मन, उन्त अधिनियम की बारा 269-य के बनुसरण में, में, उन्त पिधिनियम की धारा 269-य की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित :--- (1) श्रं सं । प्रभाकरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो कें । पि ओ । हंचा हालि

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी प्रनेप कालि। द्वारा, पंथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्दी तरण: ---इसमें अपुरत शब्दां श्रीरप हों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8.3 cents of land with a building in R. Sy. No. 203/10 of Thrikkandiyudesom as per schedule attachedw to Doc. No. 1244/80.

वो० मोहनलाल्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एर्णाकुलम

तारोख : 5-1-**8**1

प्ररूप कार्ड. टी. एन्. एस.-----

अग्रयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

काय स्थिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 जनवरं। 1981

निदेश सं०एल०सा० 450/80-81—यतः मुझे, बी० मोहनलाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० अनुसूचि के अनुमार है, जो नृक्काण्डियूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिकर में रिज-स्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्स अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बीस/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री सो० ग्रमोकन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० पि० भ्रो० हंजा हालि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनसची

8.3 cents of land with building in R. Sy. No. 203/10 of Thukkandijoor Desom. Doc. No. 1288/80 dated 26-5-80.

वा० मोहतलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, एरणाक्रलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 जनवरी 1981

निदेश सं०एल०सी० 451/80-81—यतः मुझे, बी० मोहनलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० श्रनुसूचि के श्रनुसार है, जो चालुकुछि में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय चालाक्तुडि में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 13-5-1980

को पूर्णक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप गाँकन संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के किय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य में उसत अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एगी बिक्षी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथोत्:-- (1) श्री ईनाशार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती साराम्मा जाजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाशिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन भी किए जा सकाग।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

धन्स्ची

45.5 cents of land with a shed in Sl. No. 36/1 of East Chalakkudy. Doc. No. 1544/80 dated 23-5-80.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

ता**रीख**: 5-1-1981

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन रेज, एरणाकुलम

एरणाकूलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

सं ग्लिंग्सि 455/80-81—यतः मुझे, बींग् मोहनलान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० श्रनुसूचि के श्रनुसार है, जो बेहटा, तिरुवनलपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में विजन है), रिजिस्ट्री हर्ती श्रीधकारा के कार्यालय तिरुवनपुरम में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, 22-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित मे वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए;

अत जब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो आगनम जीसफ

(अन्तरक)

(2) श्रं। एस० पी० मुहम्मत समाल भ्रोर श्रीमती नसीम जमाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

Doc. No. 1772/80 143/4 cents of land in Sy. No. 762/4 with a building No. 36/320 in Palkulangara Village Pettah, Trivandrum.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-1-81

<u>⊭ोहर</u>ः

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनाक 7 जनवरी 1981

निर्देश सं० एल० मा० 452/80-81—यतः मुझे, वा० मोहनलाल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अप्पत्ति, जियका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुमूचि के अनुमार है, जो गुरुवायूर में स्थित है (श्रीर इपन उनाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिम्ट्राकर्ता श्रिधिकारा के कार्यलय कोहुष्पिंड में रिजि-स्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 9-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिका, निम्मितियों उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण निण्वन में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से तुई िकसी आय की बाबत, उक्त पिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक्त में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के जिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धक्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. खिगाने मे भ्रविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधितियन की धारा 269-ग के प्रतृपरण में, मैं उक्त प्रधितियम, की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात :--- (1) श्री म्हम्मदुकुट्टि श्रीर श्रब्बकर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खालिद

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 ccnts of land as per schedule attached to Doc. No. 327/80 dated 9-5-80.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, एरणाकुलम

दिनांक: 7-1-81

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🕝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

मं० एत० सी० 456,80-81—यतः मुझे वी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रा० से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो चालक्कुडी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय चालक्कुड, में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक

कां पूर्वाक्त सम्पति के उषित बाजार मूल्य से कम के एरमान प्रितानल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गिया के लिए

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्या व्यक्तिया अर्थात् --- (1) श्रो कुजुबरीन श्रादी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तडकम श्रम्मा श्रादी

(ग्रन्तरिता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्षाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवस व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया ह¹।

श्रन्स्ची

8 cents of land with an upstair building in Sy. No. 296/8 of East Chalakudi Village. Doc. No. 1577/80.

वो० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैंन रेंज, एरणाकुलम

नारीख: 12-1-1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

(1) श्री कुझवरीन ग्रादी

(2) श्रीमती दाइकम भ्रम्मा भावी

(धन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

काय् लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० एल०सी० 457/80-81—यतः मुझे, वी० मोहन लाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० धनुसूची के धनुसार है, तथा जो चालक्कुडी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चालक्कुडी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनोक

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियाँ अर्थास्:—

18-456GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

Doc. No. 1579/80. 17 Cents of land with a line building in Sy. No. 296/8 of East Chalakudi Village.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनांक: 12 जनवरी 1981

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुल्लम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

निवेश सं० एल० सी० 458/80-81---यतः मुझे वी० मोहनलाल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

25,000/ रु. स अवक ह और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पुलोक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निच्चूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-1980 को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के च्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ब्ध्यमान प्रतिफल से, एसे ब्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वाों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक कप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री ग्रम्क्सशेरी राधव

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती प्रभा शिवदास, (माईनर्स)
 - 2. रमा भ्रौर हेमा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन के भीसर उक्त स्थादर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

Doc. No. 2687/80. 22.5 cents of land with a building in Sy. No. 11/3 of Aranattakan Village.

बी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिमांक : 12 जनवरी 1981

प्ररूप आहैं.टी.एन.एस.-----

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (सिर्धिशण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं ० एल० सी० नं० 459/80-81----यतः सुझे, बी० मोहनलाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो टहोल में स्थित, है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय निच्चूर मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 5-5-1980

कां पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) ग्रम्बलशेरी रायव

(भन्तरक)

(2) 1. श्रीमसी प्रभा शिवदास 2. रमा ग्रीर 3. होमा (माईनसं)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्सि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्यस्ता अक्षोहस्ताक्षरी के शास
 जिज्ञित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्यों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हु⁸।

1

23 cents of land in Sy. No. 11/3 of Aranattukara Village Doc. No. 2502/80 dated 5-5-980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 12 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० एल० सी० नं० 460/80-81---यतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो मुल्लक्लन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय ब्रालप्प में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 29-5-180

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)ं और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिश्त व्यक्तित्यों अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती शारदा सुन्दरम 2. काम्ती शिवशंकर 3. गोमती के० के० पति श्रौर
 - 4. नागलक्ष्मी सुन्दरम

(ग्रन्सरक)

- (2) 1. श्री कें जी परमेश्वर पणिकर
 - 2. के० जी० गोपीनाथ पणिकर
 - 3. कें जी वालकुष्ण पणिकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

14 cents of land with building in Sy. No. 814/22/1 of Alleppey village. Document No. 1862/80 dated 29-5-1980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 12 जनवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जेकब सुभाष व ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारन

भारत सरकार

(भ्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-15

कार्यनाहियां करता हुं।

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए

एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निवेश सं० एस० सी० 462/80-81—यतः मुझे, बी० मोहनलाल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्रौर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार हैं तथा जो एरणाकुलम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नार्थ परूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनांक 13-5-1980

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अनुस्नी

1.800 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam Village and 0.500 costs of land in Sy. No. 1375/6 of the Same village.

वी० मोहनसाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्जिन-15

एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

निवेश सं० एल० सी० 463/80-81---यतः मुझे, वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2,69-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- द० से मधिक है

धौर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पुणे रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नार्थ परवूर में भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोकत सम्पत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (प्रह्तरकों) और मृत्वरिती (मृत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निर् तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्तर ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण के हुई किसी भाय की बाबत आयकर प्रधिनियम 1961 (1981 का 43) के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, 1961 या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, छक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269-श की अपधारा (1) के के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:-- (1) श्रीमती सूसी अन्ना भौर अनूप माल्यू

(ग्रतरक)

(2) कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति ने वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उम्त स्थावर सम्मति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्कत अधि-नियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्ब होगा, जो उस सम्बाय में दिया गया है।

घनुसुषो

1.800 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam Village Doc. No. 2216/80.

बी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोष्चिन-15

एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 198 1

निदेश सं० एल० सी० 464/80-81---यतः मुझे, वी० मोहनलाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है, तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (भीर इसम उपाबड़ भ्रनुसूची में भीर पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नार्थ परवूर में भारतीय रिकस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रात्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, एक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिश्नीलिख्त व्यक्तियों, अपेत् :--- (1) श्रीमनी सुनी मन्ना भीर भनूप मात्यू

(श्रन्तरक)

(2) कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

धक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में परिनयो व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरीं के
 पास लिखिर्त में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो संबर्त श्रिधिनियम के श्रद्धाय 20-के में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उप अंध्याय में सिंगा गया है।

अनुसूची

1 863 costs of land in Sy No 855/4 of Ernakularn village Doc. No 2217/80

त्रा० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 16 जनवरी 1981

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, एरणाकुलम, कोव्चित-15

एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० एल० सी० 465/80-81--यतः मुझे, वी० मोहनलाल भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

भीर जिस की सं० भनुसूची के भनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय नार्थ परवूर में भारतीय रजिस्ट्रीकर णग्निधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भीन, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उक्त प्रधि नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में भ्रविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीम निम्नुसिक्ति व्यक्तियों अधीत्:-- (1) श्री के० के० मात्यू, के० एम० श्रवहाम श्रौर श्रनूप मात्यू

(अन्सरक)

(2) कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाधि-नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3.452 cents of land in Sy. No. 8554 of Ernakulam village. Doc. No. 2218/80.

वीं० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्ररूप आई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोश्चिन-15, एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश मं० एल० सी० 466/80-81---यतः मुझे वी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ▲3) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियस कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नार्थ परवूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से घष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत जनत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचले में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धनकर ध्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतःअय, उक्त मिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चिन्न निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ----

(1) श्रो के० ए० पात्यू, के० एम० अन्नहाम धीर श्रनूप मात्यू

(श्रन्तरक)

(2) कुमार

(ग्रन्तरिती)

को पर मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा अध्योहरूता क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्षों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में वियागमा है।

अनुसूची

2.700 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam village. Doc. No. 2219/80.

वी० मोहनलाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोण्चिन-15 एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० एस० सी० 467/80-81—यतः मुझे, वी० मोहनलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

धौर जिस की सं० धनुसूची के धनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारा के कायिलय नार्थ परवूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीधन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धम-कर धिधिनयम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) द्या जेकब, सुभाष श्रीर श्रन्प

(भ्रन्तरक)

(2) कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाल के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रेति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रायं होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam village. Doc. No. 2220/80.

वी० मोहनलाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रापेन रेज, एरणाकुलम

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०---

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भाषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-15

एरणाकुलम, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० एल० सो० 468/80-81—यतः मुझे, वी० मोहनलाल

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है,

श्रौर जिस को सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची मे श्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नार्थ पण्वूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर प्रम्तरक (भ्रम्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रम्तरितयों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण निखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :—-

- (क) घन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः प्रजं, उश्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उश्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधान निम्तलिखित स्थाननयों, प्रधान —

(1) श्री जेकब, सुभाष श्रीर श्रनूप

(प्रन्तरक)

(2) कुमार

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो खक्त प्रधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3.912 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 2221/80.

बा० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 16 जनवरी 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस•---

भायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घिधीन सूचना

ू<mark>मारत सरकार</mark>

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणकुलम, कोच्चिन-15 एरणाकुलम, दिनांक, 12 जनवरो 1981

निदेण सं० एल० सा० 461/80-81----यतः मुझे, बो० मोहनकास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भीर जिसका सं० भ्रनुसूचों के भ्रनुसार है तथा जो उद्योग मण्डल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पुर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्ती भ्रधिकारी के कार्यालय एटप्पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12-5-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण व कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अन्तरित (त्रनर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निर्वय प्राप्त गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य न उका प्रन्तरम निज्ञित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण य हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाषि-नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या श्वससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या जन्त ग्रिघिनयम वा धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्मा चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः, शव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन क्यक्तियों, भवति :--- (1) श्रामतो पद्मावतो श्रम्माल श्रादी

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकला धर

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त वस्पत्ति के सर्जिय के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजमल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति श्रादा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास किबियन में किये जा सकेंगे।

प्रनुसूची

4 cents of land with a building in Sy. No. 150/5 of Varappu Zha Village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 12 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन स्वामा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निर्देश सं० एग्रार-II/293-5/मई 80—-ग्रम: मुझे, ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

प्रीर जिस का संग्रम नंग्री 2 (प्रांग) 105 (प्रांग), 125 (प्रांग) 113 हिंग नंग्री 23 120 (प्रांग) प्रीर 122 (प्रांग) है तथा जो गेरेगाव (घ) में स्थित है (प्रांग इमसं उपाबद्ध प्रनुसूष्त में भीर थ्रीर पूर्ण का से विभिन्न है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिज्म्ट्र करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान दिनांक 14-5-80

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्के यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहाप्रतिशत से अधिक ही और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिस उय्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रः बेहरामज जंजं भाई प्रा० लिं० (ग्रन्तरक)
- (2) में सर्स देवनदाइल प्रोसेसिंग कारपोरेशन (भ्रन्सरिता)

को यह सूचना आरी अरको पूर्वीकत सम्पन्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधित व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजमत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पुस लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त, शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विवा नया है।

अनुसूची

अनुसूचा जैमा कि विलेख सं० श्रार० 4017/ 67/बम्बई उपरजिस्ट्रार श्राधिकारों द्वारा दिनांक 14-5-1980 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० एच तेजाले मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-II बम्बई

दिनाक: 20 नम्बर 1980

प्ररूप आइ.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (196% का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, विनांक 21 नवम्बर 1980

सं० ऐ० मार० 🎹/ऐपी 353/80-81--म्बतः मुझे, ए० एच० तेजा ले,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० प्लाट नं० 6 सी० एस० नं० 278 है तथ⁷ जो अंधेरी (प) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे उरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं यिया गया है. --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. रमेश शांतीलाल शहा
- 2. महेंद्र शांतीलाल शहा
- 3. चंद्र कांत ठाकोरलाल कांता वाला
- सुरेंद्र ठाकोरलाल कांता वाला
- 5. दिपक चंद्रकान्ता वाला
- 6. प्रकाश चन्द्रकांत कांतरवाला
- 7. रमेश शांतीलाल गहा
- महेंब्र शांतीलाल शहा
- 9. सोनल महेंद्र शहा
- 10. सजल महेंद्र शहा
- 11. शीतल महेंद्र शहा
- 12. चंद्रकांत ठाकोरलाल कांता वाला
- 13. सुरेन्द्र ठाकोरलाल कांतावाला
- 14. विपक चन्द्रकांत कांतावाला

(ग्रन्तरक)

कैलाश पर्वत पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ को० स्ना० सी० लि० मैंबर्स

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं ० 1536/79/बम्बई उपरजिस्ट्रार भक्षिकारी द्वारा दिनांक 7-5-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (एघ० तेजाले) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत्त (निरीक्षण),

दिनांक : 21-11-1980

ग्रर्जन रेंज 3 बम्बई

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ए० ग्रार०-I/4410/80-81---ग्रतः मुझे, संतोप

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 29 श्रौर 32 मी० एस० नं० 320 है तथा जो मतबार श्रौर खांबाला हिल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बस्बई मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-5-1980 विलेख नं० 526/77/बस्बई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहें भिय उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दासिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) एसी हिसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृविधा के लिए,

भ्रतः, भ्रवः, उक्तः श्राधितयम की धारा 269-ग क भनु-मरण में, में, उक्तः अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निक्तिलिखा व्यक्तियों, प्रयोतः--- 1 श्री ईश्वरदास हरीदास भाटिया

(ग्रन्तरक)

- 2. दिव्यलोक को श्राप० हा० सोसायटी लिर्मिटेड (भ्रन्तरिती)
- 3. मेंसर्स श्राफ द सोसायटी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी वारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना कि राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भी र पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थायर सम्पत्ति में हितजब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रव्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही ग्रंथें होगा, जी जम ग्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 526/77/बम्बई उपरिजस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 26-5-80 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 20-12-80

प्रस्प ग्राई • टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 2 नवम्बर 1980

स्रोर जिसकी सं० 70 है तथा जो नूर उल्ला रोड इलाहाबाद में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, विनांक 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिश्रत से ग्रीव्रक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्राह्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात:—-

1. श्री वशारत हुसेन

(अंतरक)

2. श्री मोहम्मद हबीब ग्रन्मारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पन्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इप मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन सी ताचीच में 45 दिन में भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अन्त्रोत्रस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रंथ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिशा गया है ।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान न० 70 मोहल्ला नूर उल्ला रोड इलाहा-बाद कवर्ड एरिया 3500 वर्गफिट भूमि का क्षेत्रफल 2000 वर्ग-फुट तथा वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37 जो संख्या 2488 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्या-लय में दिनांक 12-5-1980 को किया जा चुका है।

> श्रमर मिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-5-1980

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन क्षेत्र 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 4 नवम्बर, 1980

सं० वाई-5/म्रर्जन, मृत: मुझे—स्प्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो न्यू सिविल लाइन मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 23-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्ति व्यक्तियों अधीतः -- 20—456 GI/80

1. श्रीमती विद्यावती

(भ्रन्तरक)

2. श्री यशपास मग्गा

(ग्रन्तरिती)

3. यशपाल मग्गा

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)

4. श्री टी० एन० गौतम (किरायेदार)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितब**द्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सकान वाक्य मोहल्ला न्यू सिविल लाइन्स साकेत नगरी मुरादाबाद व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 2333 में विणत है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-5-1980 को किया जा चुका है।

> श्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 4 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेद्र 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिमांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए-86/मर्जन मतः मुझे भ्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 8 (मि० नं० 32/19) है तथा जो बाल्मीिक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

- श्री नवाब ग्रब्दुल रहीम खां द्वारा श्री कृष्ण कुमार (ग्रन्तरक) १
- 2 सर्वश्री श्रिष्विलेश कुमार कालरा(2) श्रीलक कुमार कालरा

(ग्रन्तरिती)

3. मालिकान

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

मकान नं 8 (म्यूनिसिपल नं 32/19) क्षेत्रफल 2724 बर्ग फिट स्थित, रटलज रोड, (बाल्मीकि मार्ग) हजरत गंज, लखनऊ मय भ्मि व इमारत वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 2981/80 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय मे दिनांक 9-5-1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-11-1980

प्ररूप आइ.टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 57 नम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 4 दिसम्बर 1980

स० बी०-93/प्रर्जन --- प्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

भौर जिसकी स॰ 561, खलासी लेन, कीट गज, इलाहाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनाक 13-5-1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 श्रीमती मनोरमा देवी

(अन्तरक)

- (1) सर्वश्री बन्सीलाल (2) बालकृष्ण अग्रवाल (3) राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (4) आनन्द कुमार अग्रवाल (नाबालिंग) द्वारा पिता बन्सीलाल अग्रवाल (अन्तरिती)
- 3. श्रीमती मनोरमा वेबी (यह व्यक्ति, जिसके अधिकोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पधों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्लोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 561, भवन भूमि स्थित मोहल्ला खलासी लेन, कीट गज (कीड गंज) इलाहाबाद व वह तमाम सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी सख्या 2422 मे विणित है जिनका पजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय मे दिनांक 13-5-1980 को किया जा चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 4-12-1980

मोहर् 🛭

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1980

सं० फा० स० नि० आ० आ०/अर्जन/155/80-81---भ्रतः मुझे ए० एम० खरे,

आयक्तर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिपियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार भूस्य 25,000/-स्पर से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 147, वार्ड नं०4, है तथा जो धतोली नागपुर में स्थित है (ग्नौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 20-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूह्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए धन्तिरत को गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उन्तित बाजार पृथ्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिप्रत धांधक है और अन्तरक (अन्तरको) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से दृश्य धांखरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे प्रचने में सुविधा के लिए; और/धा
 - (ख) ऐसी किसी धाय या किन्नी धन या अन्य आस्तियों की िन्हें आरतीय धाय-कर रांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधिताम को गारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-भ की उपजारा (1) के अधीन, निम्तिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्रीमती एन० लक्ष्मी बाई एन० बासवा राजु,
 श्री एन० वासुदेव राजु पिता एन बासवाराजु,
 घंतोली नागपुर ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती स्मिता सिताराम जी भोतमांगे,
 रिगल टाकीज के पीछे, सिताबर्डी नागपुर ।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाधियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहों शर्थ होगा जो उस शब्दाय में विया गया है।

धनसूची

मकान सं० 147, राधिकाप्रसाद बेनर्जी मार्गे, वार्ड नं० 4, धेतोली, नागपुर ।

> ए० एम ० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर ।

नारीख : 27-11-1980

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , तिसरा माल, सराफ चेम्बर, सदर, नागपुर नागपुर, दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० फा० स० नि० स० भ्रा०/अर्जन/156/80-81—यतः मुझे ए० एम० खरे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 1,2,3, तथा 4, शिट नं० 77884 है तथा जो जाफर गेट, औरंगाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-5-1980

को पूर्वाक्त संपरित के जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का जारण ही कि प्रभापूर्व केत सपित का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- श्री प्रतापमल तथा जयवंतराज, पिता हजारीमल, सुराना, तर्के, थ्रु घटणी प्रेमचन्द प्रतापमल सुराणा, वाच एण्डा, चौक, श्रौरंगाबाद ।
- मेसर्स सुराना कन्स्ट्रक्शन कंपनी तथा अन्य 92 खु अटर्नी श्री प्रेमचन्द प्रतापमल सुराना, वाच एण्ड चौक (सराफा) भौरंगाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कमलबाई पंडीतराग कुलकर्णी, घाटी, श्रीरंगाबाद ।

श्री गजानन्व तथा सुधीर पंडीत राव कुलकर्णी (मायनर) ध्रुश्रीमती कमल बाई पंडीतराव कुलकर्णी, घाटी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

श्रौरंगाधाद ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िल्डिल में किए जा सकरेंगे '।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

दुकान नं० 1, 2, 3, तथा 4 नं० मकान नं० 4-19-43, शिट नं० 77 तथा 84, सी० स० नं० 12960 मोहल्ला जाफर गेट, सुराणा जीनी फैक्ट्री, ऋौरंगाबाद ।

> ए० एम० खरे सक्षम श्रिषकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर ।

नारोख : 29-11-80

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजिंग रेंज- Π , नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, 24 जनवरी , 1981

निर्देश सं० ब्राई० ए०सी०/ एक्यू०/11/एस० श्रार०-1/5-80/6579—श्रतः मुझे, श्रार० बी० श्रप्रवाल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीक है

श्रौर जिसकी सं० सी-2/34 है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली 471 वर्ग गज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1980 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य ने बाहाविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण पहुइ किसी आय को बाबत, उन्त प्राध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए ।

श्रतः श्रव, उक्त श्रव्धिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिश्चिमम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन. निम्नलिखित ब्यक्तियों. अर्थात् '—— श्री हंस राज बेटा श्री मोना राम, सी-2/34, माडल टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पवन दास बेटा श्री गीतल दास,
 - (2) प्रेम चन्द
 - (3) नन्द लाल
 - (4) गोबिन्द राम बेटा पवन दास, नया मोहल्ला, पुल बंगश, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त नमात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---इममे प्रयुक्त शब्दां ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठिक निर्मा के अध्याय 20- हमें परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनु सूची

एक मंजिल बिल्डिंग, जोकि प्लाट नं० 34, ब्लाक नं० सी-2 माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं जिसका क्षेत्रफल 471 वर्ग गज है।

> भ्रार० बी० एल० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , एच ब्लाक, विकास भवन (श्राई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली

तारीख: 24-1-1981

SUPRIME COURT OF INDIA

New Delhi, the 21st January 1981

No. F. 6/81/SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has poomoted and appointed Shri Ved Prakash Sharma, Private Secretary to Hon'ble Judge as officiating Assistant Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 22, 1981 to February 28, 1981 in the leave vacancy of Miss S. V. Kashyap, Assistant Registrar, until further orders.

R. SUBBA RAO Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 9th January 1981

No. A. 35014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Senior Analyst for the period from 15-1-81 to 14-4-81, or until regular arrangements are made, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri S. K. Mishra will be on deputation to an ex-cadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10-(24).E-III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

P. S. RANA Section Officer, for Chairman New Delhi-11, the 12th January 1981

No A 32014/4/80-Admn.-II.—The Secretary. Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, on an adhoc basis for a period of three months with effect from 17-1-1981 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32015/1/80.Admn.-II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby apoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 2-1-81 to 31-3-81, or until further orders, whichever is earlier vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

P. S. RANA Seciton Officer for Secy.

New Delhi-110011, the 5th January 1981

No. A-32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 25-10-1980, the President is pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat, a permanent Grade I officer of the C.S.S. (of the Cadre of the Union Public Service Commission), as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, on an ad-hoc basis, for a further period of three months with effect from 24-11-1980 to 23-2-1981, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN Dy. Secy.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 13th January 1981

No. A-11/19/80—The following Enforcement Officer/Superintendent have been appointed to work on ad-hoc basis as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each:-

Sl. Name No.	 		 		 	Place of posting	Date of assumption of charge)
1. Shri B. Bose		•		•		Hgrs. Office, New Delhi.	9-12-80 (Forenoon)
2. Shri A. K. Roy				•		Do.	9-12-80 (Гогепооп)

M. S. BINDRA Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 21st January 1981

No. O.II-658/70-Estt.—Consequent on his appointment as Assistant Director in Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad on deputation, Shri H. C. Sood relinquished charge of the post of vice-Principal CTC-II CRPF Avadi on the afternoon of 22nd December 1980.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA New Delhi, the 23rd January 1981

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion. Shri Lakhan Singh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh.

Lucknow, as Assistant Director of Census Operations (T) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 29th December, 1980 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Singh will be at Lucknow.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Singh any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations(T). The services rendered by him on ad-hoc basis, will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations(T) nor for eligiblity for promotion to the next higher grade. The above-mentioned had-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF WORKS & HOUSING DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 31st December 1980

No N 18/AII—The Director of Printing is pleased to appoint Shir Abrahim Philip Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho) in the Government of India Text Books Press, Chandigarh, with effect from the forenoon of 15th December, 1980 until further orders

The 28th January 1981

No R(44)/AlI—The Director of Printing is pleased to appoint Shri B R Rattin to officiate as Assistant Manager (Admin) in the Govt of India Text Books Press, Chandigarh in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—

35—880—10—1000—FB -40—1200 with effect from the forenoon of 1st January, 1981 until further orders

S S P RAU, Joint Director (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR I ABOUR BUREAU

Simla 171004, the 7th February 1981

No 23/3/80-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 408 (Four hundred and eight) during the month of December, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of December, 1980 works out to 496 (Four hundred and ninetysix)

A K. MAI HOTRA Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dowas, the 17th January 1981

No BNP/C/5/80—On the recommendation of the DPC (Group "B") the following officers are substantively appointed to the permanent posts and from the date shown against each of them —

SI Name No	Permanent post to which substantively appointed	Date from which substantively appointed
A Control Deptt		
1 Shri S. K. Mahtur	Dy. Control Officer	21-8-80
2 Shr ₁ M.L. Narayan	Dy. Control Officer	21-8-80
B Work-Shop		
(1) Air-conditioning Deptt 3 V S Giri	Asstt. Engineer (A/C)	2-5-80
(11) Electrical Deptt		
4 Shrl G. N. Disawal	Asstt Engineer (Elect)	3-4-78
5 Shrl A. K. Saxena	Asstt Engineer (Elect)	17-10-80
(m) Civil Deptt.		
6 Shri C V. N Elayathu	Asstt. Engineer (Civil)	4-8-80

M. V. CHAR Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 22nd January 1981

No 119 CA I/54-80—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders—

Si No.	Name of S O.s(C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of posting as AO(C)	
1	2	3	4	4	
S/S	hrı				
1 Rad	lhey Shyam	AG-II MP, Gwalior	AG-II, Bihar, Patna	30-5-1980	
2 S. K. Paul		DCA, Calcutta	DCA, Calcutta	15-5-1980	
3 V I	N. Somayana Rayanan	AG, Kerala, Trivendrum	DCA, Bombay	12-6-1980	
4 T M Rayındran 5 M, K Bhattacharjee		DCA, Madras	AG, Karnataka, Bangalore	9-6-1980	
		DCA (Coal), Calcutta	AG-II, W B, Calcutta	13-5-1980	
6. G.	R. Hanumantha Rao	On deput, to B.H E L.	DCA, Bangalore	26-5-1980	
7. H.	S, Kahlon	AG, Punjab, Chandigarh	AG, H.P. & Ch, Simla	19-5-1980	
8 K. I	K. Beotra r	Do	AG, J & K, Srinagar	21-5-1980	
9, N I	R. Chaudhury	AG, Raj, Jalpur	AG-II, Bihar, Patna	10-6-1980	

1 2	3	4	5
10. S/Shri B. L. Gupta	. DA (Coal), Bhopal	DCA, Ranchi	29-5-1980
11. S/Shri A. K. Gupta	DCA, Ranchi	DCA, Ranchi	27-5-1980

M. A. SOMESWARA RAO Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Ahmedabad, the 17th January 1981

No. Estt.(A)GO/1882.-The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri R. V. Derai permanent member of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 1-1-81 (FN). until further orders.

The above promotion has been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of Gujarat High Court in Special Civil Application No. 735 of 1980.

C. V. AVADHANI Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

Allahabad, the 16th January 1981

No. Admn/11-144/Notification/386.—The Accountant General: I: Uttar Pradesh, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

- . S/Shrl
- Mahcsawar Nath Singh--6-11-80 (A.N.).
- 2. Virendra Kumar Bhartiya-6-11-80 (A.N.).
- 3. Krishna Swarup Bhatnagar--15-12-80 (F.N.).
- 4. Kashi Nath Chatterjee 15-12-80 (F.N.).
- 5. Radhey Shyam Agrawal-II-15-12-80 (F.N.).
- 6. Bijai Kumar Majumdar-2-1-81 (F.N.)
- 7. C. P Mudgal-27-12-80 (F.N.).
- 8. Kailash Nath Varma 6-31-12-80 (F.N.).
- 9. Chandra Lal-27-12-80 (F.N.).

S. J. S. AHLUWALIA Sr. Dy. Accountant General(A).

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 14th January 1981

No. 1/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. D.M./DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders:

- Shii R. K. Saxena, AM(P)—29th Nov., 1980
 Shri K. N. N. Kartha, AM(P)—29th Nov., 1980.
 Shri S K. Gupta, AM(P)—29th Nov., 1980.
 Shri A. K. Sinha, AM(P)—29th Nov., 1980.
 Shii D. R. Ghosh, AM(P)—29th Nov., 1980.
 Shri C M. P. Kujur, Ty. A. M —29th Nov., 1980.

V. K. MEHTA Asstt. Director General Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

THE DEVELOPMENT COMMISSIONER OFFICE OF FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 12th Janua y 1981

A-12025(i) /5/80-Admn II(A).—The President pleased to appoint with effect from the afternoon of the 20th Dec., 1980 and until further orders Shri Laxman Mukaji 21-456GI/80

Paunikar, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Panipat.

A-12025(i)/5/80-Admn.II(A).—The President pleased to appoint with effect from the forenoon of the 10th December, 1980 and until further orders Shri V. Sriramulu, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Madras.

> P. SHANKAR Jt. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st January 1981

No. 12(760)/62-Admn.(G).-Vol.II.—Consequent Qn reversion at his own request Shri Guruswamy relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Agra in the afternoon of 10-12-1980 and assumed charge of the nost of Assistant Director (Gr.I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, New Delhi in the forenoon of 11-12-1980.

No. A. 19018(185)/75-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Assistant Salt Commissioner under the Office of the Salt Commissioner, Jalpur, Shri S. Sundaresau relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr.I) (Chemical) in the Small Industries Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 12th December, 1980.

No A. 19018/496/80-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Y. S. Bhatnagar, Small Industries Promotion Officer (Chem.) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as A small Director (Chem.) in the agree office on small the basis with (Gr. II) (Chemical) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19-12-1980.

The 22nd January 1981

No. 12/346/62-Admn.(G).—Consequent upon his deputation for appointment as Adviser with the Industrial Estate Development Authority, Sana'a, Yemen Arab Republic. Shri K. D. Khosla relinquished charge of the post of Director (Gr.I) (Chemical) in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi in the forenoon of 27th September, 1980

> M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 6th January 1981

No. E.11(7).—In this Denartment's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July 1969, under Class. 2—NITRATE MIXTURE, add "ALFADYNE-PE-1AT for carrying out field trials at the specified locations upto 31-12-1981" before the entry "AMEX".

-The 17th -January 1981

No. E.11(7).—In this Department's nonfication No. E.II(7) dated the 11th July, 1969, add the following namely:-

Under Class 2-NITRATE MIXTURE

'f, "DYNEX-2 for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 30-6-81" after the entry "DYNEX-1".

Under Class 3-Division 2

- 1. "POWERPAK for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 30-6-81" before the entry "PRIMEX"; and
- manufacture ii. "TRINEX—C for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 30-6-81" after the entry "TONITE NO, 3".

CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd January 1981

No. A. 19011(30)/70-Estt.A.—On his voluntary retirement on 31-12-80 (A.N.) Shri D. V. Kulkarni, Permanent Deputy Ore Dressing Officer and Officiating Superintending Officer (Ore Dressing) has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31-12-80 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date. from the said date.

The 23rd January 1981

No. A. 19012(138)/80-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. M. Quazi, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry) is promoted to officiate as Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 18-12-1980 until further orders.

No. A. 19012(139)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promtion Committee, Shri B. S. Moroney, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry) is promoted to officiate as Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 18-12-1980 until further orders.

No. A. 19012(140)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. G. Ingale, Officiating Senior Technical Assistant (OD) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (OD) in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 18-12-1980, until further orders,

No. A. 19012(141)/80-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. S. S. S. Hargopal, Officiating Senior Technical Assistant (OD) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (OD) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 19-12-80, until further orders

The 24th January 1981

No. A. 19011(280)/80-Estt. A.--On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Naresh Chandra Narayan Deshkar to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26-12-1980.

> Head of office Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 16th January 1981

No. 4(40)/80-SI.—The Director General, All India Radio. hereby appoints Smt. Ruma Ghosh as Programme Executive, All India Radfo; New Dolhi in a temporary capacity with effect from 31-12-80 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 29th December 1980

No A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bharat Singh, Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Calcutta, to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi from the forenoon of December 18, 1980 in an ad-hoc capacity vice Shri R. K. Sharma, formerly Inspector of Accounts, DG:AIR, appointed and transferred as Deputy Director of Administration, Doordarshan Kendra, Bombay.

S. V. SESHADRI Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 19th December 1980

No. A-22012/4/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. B. Gupta, Assistant Business Manager, Publications Division, New Delhi to officiate as Business Manager. Sales Emporium, Lucknow on an ad-hoc basis with effect from 1-12-1980 (F.N.), until further orders.

AJAY PRASAD Dy. Secy.

Bombay-26, the 9th January 1981

No. A-24013/6/80-Est. I .- The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. A. Naik, Permanent Salesman in the Films Division, Bombay to officiate as Branch Manager, Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 10th December, 1980 to 24th January, 1981 vice Shri P. S. Rawtel, Branch Manager granted leave.

S. N. SINGH Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th January 1981

No A. 22013/3/80-CGHS. I.—Consequent upon his transfer from CGHS Meerut to CGHS Delhi Dr. B. P. Misra, Homoeopathic Physician relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Meerut with effect from the afternoon of 30-9-80 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Delhi with effect from the forenoon of 1-10-80.

The 15th January 1981

No. 16-9/70-CGHS. I.—Consequent upon his transfer from CGHS Jaipur to CGHS Delhi Dr. B. C. Roy relinquished charge of the post of Homocopathic Physician under CGHS Jaipur with effect from the afternoon of 31-10-80 and assumed. charge of the post of Senior Physician Homoeopathy CGHS Delhi with effect from the forenoon of 3-11-80. under

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 20th January 1981

F. No. A. 12026/34/79 (NMEP) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri H. P. Nagarajappa to the post of Deputy Assistant Director (Stores), National Malaria Fradication Programme Directorate with effect from the forenoon of the 4th December 1980 on a temporary basis and until further orders.

The 21st January 1981

F. No. A. 31013/6/76-(NICD)/Admn. l.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Q. Z. Hussoin in a substantive capacity to the permanent post of Deputy Director (Biochemistry) in the National Institute of Communicable Diseases, with offect from the 30th October, 1975.

No. A. 12025/22/79(CRI)/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar Bhagwan Ramtake to the post of Deputy Assistant Director (non-medical) at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 28th November 1980, in a temporary capacity and until further orders.

The 22nd January 1981

No. 1-34/68-Admn. L.—The President is pleased to transfer Shri Baldev Raj, Assistant Professor of Health Education, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Senior Training Officer, Rural Health Training Centre. Najafgarh, New Delhi, with effect from the afternoon of the 6th December, 1980.

Consequent on his transfer from All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, Shri Baldev Raj assumed charge of the post of Senior Training Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, New Delhi with effect from the forenoon of the 8th December, 1980.

No. A. 12025/26/79-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. N. K. Verma to the post of Dental Surgeon under the CGHS, Delhi, with effect from the forenoon of 11th September, 1980, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director of Administration (O&M)

AGRICULTURAL PRICES COMMISSION (DEPTT, OF AGRI. & COOP.)

New Delhi-110001, the 18th January 1981

No. F. 2-5/76-Admn.—Shri A. L. Shorey, Stenographer Grade I has been appointed to officiate as Private Secretary to the Chairman, Agricultural Prices Commission in a temporary capacity w.e.f. 13-1-1981 (forenoon) and until further orders.

R. S. HANSRA Administrative Officer

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th January 1981

No. A. 19023/9/78-A-III.—Shri U. D. Pande, Marketing Officer of this Directorate at Faridabad, expired on 6-1-1981.

The 23rd January 1981

No. A. 19025/61/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Supriya Kumar Haldar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi with effect from 11-12-80 (FN), until further orders.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 30th October 1980

ORDER

No. NFC/PA. V/2606/0312/3149.—WHEREAS it was alleged that "Shri Mohd Miran, Tradesman 'B' MFP, NFC has been remaining absent from duty without prior intimation/permission unauthorisedly from 8-5-80 onwards causing dislocation of work and thus committed an act of misconduct under para 39(5) of NFC Standing Orders and under Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Miran was informed of the charge levelled against him and the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/0312/1887 dated 11-9-80;

AND WHEREAS the said memorandum dated 11-9-80 sent by Registered post with A.D. to his local address viz. H. No. 1-9-707, Adikmet, Hyderabad was returned undelivered by the Postal authorities with the remarks, "Left!

AND WHEREAS the said memorandum dt. 11-9-80 sefft by Registered post with A.D. to his permanent address: viz. Andoor Village, Chintulcheru PO, Narsapur Tq., Bedak Distt., was also returned undelivered by the Postal authorities with remarks "The party is not here and reported to be at Hyderabad":

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Miran has been guilty of remaining absent from duty unauthorisedly and voluntarily abandoning services without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and CCS (CCA) Rules, 1965;

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(i)/68-Adm-II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri Mohd. Miran from services of NFC with immediate effect.

N. KONDAL RAO Chief Executive

(1) Shri Mohd Miran H. No. 1¹9-707, Adikmet, Hyderabad. (2) Mohd Miran Andoor Villago Chintulcheru PO Narsapur Tq. Medak Distt.

Hyderabad-500 762, the 16th January 1981

No. NFC/PAR/0704/219.—In continuation of this office Notification No. PAR/0704/7858 dated 15-12-80, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Bh. L. G. Sastry, an indl. temp. Stenographer (SG) to officiate as Asst. Personnel Officer, on ad hoc basis against short-term vacancy in N.F.C. from 20-1-81 to 17-2-81, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

Now Delhi, the 23rd January 1981

No: A. 32014/3/79-EC (Pt. IV).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. H. Mukunth, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from 4-9-80 (FN) and to post him at the same station.

No. A. 32014/4/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following eight Communication Assistants at present working as Assistant Communication Officer on ad-hoc basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the 27th December 1980 and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name			Station of posting
S/S	hri			
1. V. I	3. Kulkarni			Aero. Comm. Station, Nagpur
2. Ani	l Kumar Bane	rjee		Aero. Comm. Station, Gauhati
3. M.	Warrier .	•	,	Aero. Comm. Station Calcutta
4. K. 1	S. Bajwa .			Aero. Comm. Station, Amritsar
5. S. K	Das .			Aero. Comm. Station, Port. Blair
6. S. T), Silva, .			Aero. Comm. Station, Hyderabad
	. Janardhanan	l		Aero. Comm Station, Nagpur
8. S. V	. Cholkar			Aero. Comm. Station, Ahmedabad

R. N. DAS Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 21st January 1981

No. 16/356/80-Ests.-L.—The President, FRI & Colleges, has permitted Shri Hamidullah, Asstt. Registrar, FRI & Colleges, to retire from Govt. service w.e.f. the afternoon of 31-12-80.

The President, FRI & Colleges has been placed to appoint Shri D. S. Bist, Office Superintendent, FRI & Colleges as Asstt. Registrar in the same office w.e.f. the afternoon of 31-12-80 until further orders.

R. N. MOHANTY Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madras-1, the 31st October 1980 CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 12/80.—Shri Ripunja Singh Chandel, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appriaser (Expert) in this Custom House with effect form 22-10-1980 (A.N.) in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 9th December 1980

No. 15/80.—Shri Udaya Babu Khalwadekar, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 1-2-80 (F.N.) in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 27th December 1980

No. 16/80.—Shri Mahendra Kumar Arora, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 19-12-80 (forenoon) in a tempy, capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th January 1981

No. 36/80.—Shri K. D. Math, lately posted as Asstt. Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, on his appointment as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Directorate Headquarters Office vide Directorate's order F. No. 1041/68/80 dated 16-12-80 assumed charge of the post on 16th December, 1980 (forenoon).

No. 2/81.—Shri Bhagwan Singh, lately posted as Asstt. Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, on his appointment as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Directorate Headquarters Office vide Directorate's order F. No. 1041/68/80 dated 13-1-81 assumed charge of the post on 13-1-81 (afternoon).

S. B. SARKAR Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 23rd January 1981

No. A-19012/865/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Biswa Ranjan Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ed-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period

of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the foreneon of 10-10-1980.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Apna Distributors Private Limited

Bombay-2, the 16th January 1981

No. 17614/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Seciton 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Apaa Distributors Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Handy Angle (India) Pvi. Limited

Bornbay-2, the 16th January 1981

No. 12298/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Handy Angle (India) Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Omega Motors Pvt. Ltd.,

New Delhi, the 30th December 1980

No. 3702/34898.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Omega Motors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Indo International Merchants Pvt. Limited.

New Delhi, the 16th January 1981

No. 2248/1226.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Indo International Merchants Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Bagga Finance & Chit Fund Pvt. Limited New Delhi, the 21st January 1981

No. 3641/1656.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bagga Finance & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LALL Asstt. Registar of Companies Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 5th December 1980

INCOME-TAX

No. CIT. V/Jur/80/81/31338.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. I (1) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt I(1)(Addl.) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-V, also authorises the IAC Range-V-C, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 1-12-80.

No. CIT. V/Jur/80-81/31440.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. IV(1) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt. IV(1) Addl. New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-V, also authorises the IAC Range-V-C, New Delhi to pass such orders as contemplated in subsection 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 1-12-80.

No. CIT. V/Jur/80-81/31540.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. IV(3) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt. IV (3) Addl. New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 of which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-V, also authorises the IAC Range-V-C, New Delhi to pass such orders as contemplated in subsection 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 1-12-80.

No. JUR-DLI/V/80-81/31640.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax circle shall be created with effect from 1-12-1980:—

- 1. Distt. IV (1) (Addl.), New Delhi.
- 2. Distt. IV (3) (Addl.), New Delhi.
- 3. Distt. I (1) (Addl.), New Delhi.

R. D. SAXENA Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 20th January 1981

No. F. 48-Ad.(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for the period from 17-10-1980 to 16-1-1981 vide Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 16th October, 1980, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of three months with effect from 17-1-1981 to 16-4-1981 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

2. The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

Now Delhi, the 24th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-80/3375,—Wheres I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. 17 situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on May,1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Soop Jain, Sh. Jai Kumar Goel & Sh. Salek Chand Jain sons of Sh. Mauji Ram R/o 7055, Gali Tanki Wali, P. Dhiraj, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Nice Estates Pvt. Ltd., 6/85, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi through directors Sh. H.S. Hanspal & Sh. Sher Singh Chawla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly built House on Plot No. 17, on Road No. 41, mg. 2195.37 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of village Madipur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 24-1-1981

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 24th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-80/3368.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 223 situated at Revenue Estate Village Roshanpura, Najafgarh Block, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating th reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shiv Gopal son of Diwan Sarup Lal, (2) Smt. Vishwa Mohini W/o Shiv Gopal, r/o D/11-12, Ajay Enclave. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Behari Lal s/o Shri R. B. Mathur, 1/o C-417, Defence Colony, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 79 Bighas 4 Biswas bearing Khasra No. 223(4-4), 224(4-16), 225(4-16), 227 Min (4-10), 228 Min (4-7), 229 (4-16), 230(4-16), 231(4-16), 232(4-16), 233(4-16), 234/1(3-10), 234/3(0-16), 236(0-5), 237 (4-12), 238/1(1-07), 238/3(2-19), 239(4-16), 240(4-16), 241(4-16), 246(4-14) situated in the Revenue Estate Village Roshanpura, Najafgarh Block, Delhi.

R. B. L. AGGARWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 24-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Babu Maheshwari S/o R. S. Maheshwari R/o A-1, Sarvodaya Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s Eicher Tractors India Ltd. at 212, Deendayal Upadhayaya Marg, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 28th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/359.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

agr. land area 14 bighas and 11 biswas at village Chhattarpur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at New Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agr. land area 14 bighas and 11 biswas, Khasra No. 1227(4-16), 1226/1(2-0), 1228 (4-16), 1229/1(1-17), 1229/2(1-2), situated in village Chattarpur, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-1-1981

Scal:

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

New Delhi, the 28th January 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-80/357.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. agr. land area 14 bighas and 11 biswas situated at village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 279°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following versons, namely):—
22—456GI/80

(1) Bishen Chand Maheshwari S/o R. S. Maheshwari R/o A-1, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Eigher Tractors India Ltd. 212, Deendayal Upadhayaya Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovelite property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A4t, shall have the same mounting as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agr. land area 14 bighas and 11 biswas Khasra No. 1227 (4-16), 1226/1(2-0), 1228(4-16), 1229/1(1-17), 1229/2(1-2), sheated in village Chhattarpur, Tehail Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 28-1-1981

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2152

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

New Delhi, the 28th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/394.—Whereas I, R, B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. agr. land situated at village Chattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 on 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Bunoo Dugal, A-12, West End, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Harvinder Pal Singh Mrs. Kuldip Kaur & Mrs. Nirum Kaur, N-3, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Chhattarpur Tehsil Mehrauli, comprising of Khasra Nos. 1901 (3-16), 1902/2(1-05), 1902/1 (0-18), 1900(4-16), 1902/2(1-06), 1899/1 (1-13), 1899/2(1-05), 1899/3(1-09).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-1-1981

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 28th January 1981 Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/217.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. agr. land 25 bighas 15 biswas situated at Revenue Estate

of village Shaurpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Rajinder Nath Pawar son of late Beli Ram D-151/A, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Divine United Organisation, Shri Sant Yogashram Hans Marg, Mehrauli, New Delhi, through Sampurna Nand its President & Ved Parkash, Treasurer. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 bighas 15 biswas situated in the revenue estate of village Shaurpur & comprised in Khasra Nos. 199(4-17), 200(3-19), 201(5-16), 202(3-1), 203 (3-6), 204(4-16).

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi.

Date: 28-1-1981

Scal:

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

NEW DELHI

New Delhi, the 28th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-Hf/5-80/358.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 1227 (4-16), 1226/1(2-0), 1228 (4-16), 1229/1(1-17) 1229/2(1-2), situated at (Village Chhattarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shyam Babu Maheshwari S/o Sh. R. S. Maheshwari R/o A-1, Sarvodaya Enclave, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s Richer Tractors India Ltd. a company duly having its registered office at 212, Deendayal Upadhayaya Marg, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in 14 bighas and 11 biswas khasra No. 1227 (4-16), 1226/1(2-0), 1228(4-16), 1229/1(1-17), 1229/2 (1-2), situated in village Chattarpur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Defin/New Delhi.

Date: 28-1-1981

Seal:

FORM ITNS-

(1) M/s D. R. Thapar & Sons (HUF) 19, Kautilya Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gaggan Chopra, I-22, Maharani Bagh, New (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/173.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 192/1, 192/2, 195, 382 & 381/1, situated at East in Village Shourpur (Tehnil Mehrauli)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bighas, 17 biswas bearing Khasra Nos: 192/1, 192/2, 195, 382 & 381/1, East in Villago Shourpur (Tebali Muhrauk).

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/389.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing

No. 1(7-10), 2(5-8), 7 min (4-6) and in village Sahupur, Tehsil Mehrauli, 8 min(4-8) situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daryao Singh, Ran Singh, sons of Kesho Ram residents of vullage Nangal Dewat, N. Deihi-37.

 (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Kumar Jain S/o Shri B. L. Jain R/o C-2/30, Janakpuri, New Delhi-58.
 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 21 bighas and 12 biswas, Khasra No. 1(7-10), 2(5-8), 7 min (4-6), and 8 min (4-8), in village Sahupur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 27-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Jagdish Chander S/o Shri Mohan Lal R/o R-41, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swaran Singh Duggal S/o Shri Ram Singh Duggal R/o B-1/277, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

457(2-6), 460(4-16), 461(4-16) situated at Village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 11 bighas and 17 biswas khasra No. 457(2-6) 460(4-16), 461 (4-16) Village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 27-1-1981

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACCUSTION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/5-80/172.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 196, 209 and 381/1 situated at Village Shourpur (Tehsil Mehrauli)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s D. R. Thapar & Sons (HUF) 19, Kantilya Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Miss Charu Chopra, I-22, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11-Bighas, 17-Biswas bearing Khasra Nos: 196, 209 and 381/1 West in Village Shourpur (Tehsil Mehrauli).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/362.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 645 situated at Village Neb Sarai, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
23—456GI/80

 Shri Jaga Ram, Thana sons of Ami Lal of village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Misa Sunita Jain D/o Mahender, Kumar Jain R/o D-1A, Green Park, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 645, village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Seal;

FORMS ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/5-80/361.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 639/1(1-16), 664(2-9) situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Jaga Ram and Thana Sons of Ami Lal of village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sunita Jain D/o Mahender Kr. Jain R/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. in 1 area 4 bignes and 5 biswas, khasra Nos. 639/1 (1-16), 664(2-9), village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Seal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-J1I/5-80/363.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 640 situated at village Neb Sarai, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jage Ram Thana sons of Ami Lal of village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferee)

 Miss Sunita Jain D/o Mahender, Kumar Jain R/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 640, village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Seal:

FORM I.T.N.S.---

- Shri Jage Ram Thana sons of Ami Lal of village Neb Sarai, New Delhi.
 - (Transferor) Kumar Jain
- (2) Miss Sunita Jain D/o Mahender r/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/364.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

644 situated at village Neb Sarai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas, khasra No.644, village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

Seal:

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/365.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

641 situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jage Ram Thana sons of Ami Lal residents of village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sunita Jain D/o Sh. Mahender Kumar Jain. r/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 641, village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jage Ram Thana sons of Ami Lal residents of village Neb Sarai, New Delhi

(Transfetor)
(2) Miss Sunita Jain D/o Mahender Kumai Jain R/o
D-1A, Green Park, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DEI HI 110002

New Delhi the 27th January 1981

Ref No IAC/Acq I/SR-III, 5 80/366 --- Whereas, I, R B L AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

663 situated at village Neb Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EPXLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agi land area 4 bighas and 16 biswas, khasra No 663, village Neb Sarai, New Delhi

R B L AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date 27-1-1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE, JUI.LUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP No./2404.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at village Dhilwan Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridot on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, ο ! Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karnail Singh S'o Sh, Chet Singh r/o village Dhilwan Kalan, Tehsil Faridkot.

(Transferor)

(2) Shii Gurdev Singh S/o Kharak Singh r/o village Dhilwan Kalan, Tehsil Faridkot.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be intrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration Sale Deed No. 674 of May, 80 of the Registration Authority, Faridot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP No. 2405.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at village Dhilwan Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Sh. Karnail Singh S/o Sh. Chet Singh r/o village Dhilwan Kalan, Tehsil Faridkot.
- (2) Sh. Gurdev Singh S/o Sh. Kharak Singh r/o Village Dhilwan Kalan, Tehsil Faridkot.
- (3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(Transferce)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 732 of May, 1980 of the Registeration Authority, Faridot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2406.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Khoja (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-456GI/80

- (1) Sh. Sarwan Ram S/o Ram Lok r/o V. Khoja, Tehsil Nawanshehr. (Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Singh S/o Buta Singh r/o V. Khoja, Tehsil Nawanshehr. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the porperty.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 771 of May, 1980 of Registeration Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Autority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2407.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Urapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawaushehr in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chain Singh S/o Harnam Singh r/o V. Urapur, Tehsil Nawanshehr.
- (Transferor)
 (2) Sh. Amar Singh S/o Bhagat Singh, r/o of Village Urapur, Teh. Nawanshehr.

*(3) As per S. No. 3 above.

be interested in the property).

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whome the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 493 of May, 80 of the Registeration Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Rcf. No. AP/2408.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Barnala Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshehr on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jasbir Singh S/o Sher Singh r/o V. Saloh Tehsil Nawanshehr.
- (2) Ch. Malkiat Ram s/o Chaudhri Bishui Ram, r/o V. Saloh, Tehsil Nawanshehr.

(Transferce)

- *(3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 537 of May, 1980 of the Registeration Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullun-fur

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2409.—Whereas, 1, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Shahpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Piara Singh S/o Inder Singh through Sh. Nachhittar Kaur Wife of Sh. Piara Singh, Lahori Gate, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Sh. Mangal Singh s/o Tara Singh r/o Village Shahpur and Smt. Bhajan Kaur w/o Malkiat Singh V. Umarwal Billa, Tehsil Nakodar.

(Transferec)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration Sale deed No. 486 of May, 1980 of the Registeration Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: , 14-1-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2410.—Whereas, 1, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Lalian Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurbachan Singh s/o Jawala Singh r/o Village Lalian Khurd, Teh. & Distt. Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Balwant Singh, Parmjit Singh, Sarbjit Singh, Gurmail Singh Ss/o Joginder Singh r/o Village Lalian Khurd, Teh. & Distt. Jullundur.

 (Transferee)
- *(3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Decd No. 973 of May, 1980 of Registeration Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. A.P./2411.—Whereas, I. R. GlRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at village Ghaga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gidherbah on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devinder Singh s/o Ishar Singh r/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Kumari Mini Harpret Kaur daughter of Sh. Niranjan Pal Singh r/o Ghagha.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 201 of May, 1980 of the Registeration Authority, Gidharbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

PART III—SEC. 1]

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. A.P. No./2412.-Whereas, I, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot, on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Tek Chand s/o Sh. Vir Chand 1/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Ratten Lal S/o Sh. Kesho Ram s/o Hargobindmal r/o Kotkapura.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 347 of May, 1980 of Registeration Authority, Faridkot.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. A.P. No./2413.—Whereas, J. R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tek Chand s/o Sh. Vir Chand r/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash, Subash Chander Suresh Kumar, Puran Chand Sa/o Ram Kumar and Smt. Sukhdevi w/o Sh. Ram Kumar r/o Kotkapura.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 348 of May, 80 of the Registeration Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/No. 2414.—Whereas, I, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Main Bazar, Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the congralment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—25—456GI/80

(1) Sh. Moti Ram S/o Rulia Ram r/o Faridkot.
(Transferor)

(2) Sh. Baldev Raj S/o Sham Lal, Sham Lal S/o Moti Ram, Lajwanti W/o Sham Lal r/o Mohalla Talab, Faridkot

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 356 of May, 80 of the Registeration Authority Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1981

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP No./2415.—Whereas, I. R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per scheduled situated at Gorapur Tehsil Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue ofthis noticed under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) Sh. Pargan Singh S/o Sh. Deva Singh r/o V. URAPAR, Tehsil Nawanshehr.

 (Transferor)
- (2) Smt. Jit Kaur w/o Amar Singh s/o Bhagar Singh r/o V. Urapur, Teh Nawanshehr. (Transferce)
- (3) As S No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration deed No. 767 of May, 1980 of the Registeration Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-1-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP No./2416.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated

at Begampur Teh. Nawanshehr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshchr on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fololwing persons, namely:—

(1) Shri Dhanna Singh S/o Kirpa Singh, r/o Mohalla Hira Jattan, Nawanshehr.

(Transferor)

(2) Shi i Balwant Ral s/o Sh. Om Parkash, r/o Railway Road, Nawanshehr.

(Transferee)

- (3) as S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FPNIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration Sale Deed No. 380 of May, 1980 of the Registeration Authority, Nawanshehr.

R GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Juliundur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. A.P. No./2417,—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jawahar Market, Shabkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Sant Lal S/o Tahla Ram, r/o Shahkot Tehsil Nakodar.

(Transferor)

(2) Shi Gurmej Singh, Gurdev Singh Ss/o. Sh. SajjanSingh r/o Dhandowal, Tehsil Nakodar etc.,

(Transferee)

- *(3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- "(4) Any other person intedested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obejetion, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F.XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration Deed No. 248 of May, 1980 of Registeration Authority Shahkot.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGF
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2418.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Muktsar at Kotkapura Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muktsar on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjan Dev Diwan
S/o Sh. Nand Kishore r/o Muktsar and Smt.
Saroj Kumari wife of Sh. Niranjan Dev

(Transferor)

(2) Shri Romesh Kumai S/o Sh. Deep Chand S/o Sh. Jori Lal r/o Bara Bazar, Muktsar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 431 of May, 1980 of the Registeration Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2419.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R-25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Besti Gobind Garh, Moga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Moga on May 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mani Ram S/o Lachhman Dass R/o Basti Gobind Garh, Moga.

(Transferor)

(2) Shii Puran Singh S/o Hira Singh & Jaspal Singh, Kitan Pal Singh r/o Moga.

(Transferec)

- '(3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- "(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

INPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 923 of May, 1980 of the Registration Authority. Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Inllundur.

Date : 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2420.—Whereas, I, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule

situated at Basti Gobind Garh, Moga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under unb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh S/o Sh. Hira Singh r/o Basti Gobind Garh, Moga.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Jit Kaur W/o Sh. Sukhwinder Singh & Smt. Susil Kaur D/o Sh. Babu Singh R/o Basti Gobind Garh, Moga.

(Transferce)

"(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

'(4) Any other person intedested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FPYLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 922 of May, 1980 of the Registeration Authority, Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 14-1 1981 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1981

Ref. No. AP/2421.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per Schedule situated at Mandi Road, Juliundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kehar Singh S/o Sh. Mohinder Singh r/o Kartarpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kumar, Ram Baldev, Krishan Lal and khatatti Lal C/o Ganesh Rubber Industries, Industrial Area, Jullundur

(Transferee)

·(3)

- Balbir Singh s/o Shiv Singh C/o Balbir Cycle Store, Mandi Road, Jullundur.
- (2) Prem Nath S/o Baij Nath of M/s B. N. Kapoor & Sons. Maudi Road, Jullundur.
- (3) Inder Sain S/o Bansi Ram of M/s Mehra Mills Store, Mandi Road, Jullundur.
- (4) Darshan Lal S/o B. D. Bhola C/o Inder Pret Pictures, Mandi Road Jullundur.
- Daljit Singh S/o Sutinder Singh. Vishnu Pictures, Mandi Road, Jullundur.
- (6) Vakil Singh S/o Sharan Singh of Ruby Films, Mandi Road, Jullundur. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1397 of May, 1980 of the Registeration Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range Jullundur.

Date: 14-1-1981

Scal:

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JLLUNDUR

Jullundur, the 3rd January 1981 Ref. No. A.P. No. 2422.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Industrial Area, 14, Phagwara (and more fully, described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Amar Singh S/o Ram Dhan G.T. Road, Phagwara. (Transferor)
- (2) M/s Ganesh Rice Dal and General Mills, Industrial Alea-14-Phagwara.

(Transferee)

2183

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 408 of May, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-1-1981

Seal

26-456GI/80

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Gian Singh S/o Lal Singh R/o Vill. Kandhwala, Amarkot Teh. Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2423.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at New Abadi at Kandhwala Amarkot, Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Kishan Chand S/o Sant Ram R/o Abohar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 498 of May, 1980 of the Registering Authority,

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 13-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 13th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2424.—Whereas, 1, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sutehri Rd. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harmohinder Kaur W/o Sarbjit Singh S/o Dr. Mohan Singh R/o Sutehri Road, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Smt. Ultam Kaur Wd/o Harbans Singh and Param Bakhshish Singh S/o Harbans Singh R/o Arjan Singh St. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 676 of May 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2425.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Raja Cinema Road, Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parmshwari Devi Wd/o Sh. Tulsi Ram R/o Fazilka.

(Transferor)

- (2) Sh. Indr Sain, Dharamvir, SS/o Sh. Brij La! R/o Vill. Katehra, Teh. Fazlika.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 522 of May, 1980 of the Registering Authority Fazilka.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th January 1981

Ret. No. A.P. No. 2426.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Raja Cinema Road, Fazilka, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Fazilka on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parmeshwari Devi Wd/o Sh. Tulsi Ram R/o Fazilka.

 (Transferor)
- (2) Sh. Bhim Sau, Amai Singh Ss/o Sh. Brij Lal R/o Vill. Katehra, Teh. Fazilka. (Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentoned in the Registeration sale deed No. 523 of May, 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-1-1981

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 15th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2427.—Whereas I, R. GlRDHAR being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Kalwan Teh, Hoshiar-pur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kundan Singh S/o Kesar Singh Village Kalwan Teh. & Distt, Hoshiarpur.
 - (Transferor)
- (2) Shii Mohinder Singh S/o Gurbachan Singh, Ranjit Singh, Jasvir Singh Ss/o Mohinder Singh Village Kalwan Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 320 of May, 1980 of the Registering Authority, Brunga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 20-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No AP. No 2428—Whereas, I, R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Village Nalovan (Hoshiaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiaipur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Hari Pal Singh S/o Sh. Brij Lal R o Naloyan Distt Hoshiarpui. (Transferor)
- (2) M/s Hoshiaipur roller Floor Mills, Hoshiarpur (Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No 579 of May, 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 20-1-1981 Seal FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2429.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Village Naloyan (Hoshiarpur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Rajinder Singh S/o Brij Lal R/o Village Naloyan Teh. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) M/s Hoshíarpur Roller Floor Mills, Hoshiarpur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 580 of May, 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 20-1-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2430.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village, Nelyan Teh. Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-27-456GI/80

(1) Kundan Singh S/o Keser Singh Village Kalwan Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Shii Mohinder Singh S/o Gurbachan Singh, Ranjit Singh, Jasvir Singh SS/o Mohinder Singh Village Kalwan Teh. & Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 581 of May, 1980 of the Registering Authority. Hoshiarour.

> R. GIRDHAR. (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 3-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2431.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Naloyan (Hoshiarpur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Hoshiarpur in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Singh S/o Brij Lal R/o Vill. Naloyan Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) M/s Hoshiarpur Roller Floor Mills, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 642 of May 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No A. P. No. 2432.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill Naloyan (Hoshiarpur), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hardıal Singh S/o Brij Lal R/o Vill. Naloyan Distt. Hoshiarpur. (Transferor)
 - () ransieror)
- (2) M/s Hoshiarpur Roller Floor Mills, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 643 of May 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20 1-1981

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2433—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Naloyan (Hoshiar-pur).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Hari Pal Singh S/o Brij Lal R/o Naloian Distt Hoshiai pur. (Transferor)
- (2) M/s Hoshiarpur Roller Flour Mills, Hoshiarpur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 644 of May 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpui.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullund.

Date: 20-1-1981

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref No AP No 2434—Whereas I, R GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per Schedule situated at Mandi Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore viid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Ram Kaur wd/o Shri Balwant Singh R/o 8 Mandi Road, Jullundur
 - (Transferor)
- (2) Shii Vakil Singh S/o Shii Saran Singh, V & PO. Tanda, Dist Hoshiarpur (Transferee)
- (3) As per St No 2 above
 - 1 Paramount Films, Mandi Road, Jullundur
 - 2 Nand Films Corporation, Mandi Road, Juliun dur
 - 3 M/s Raj Films, Mandi Road, Jullundur
 - 4 M/s Ruby Films Mandi Road, Jullundur
 - 5 Amut 1 al, Tea Stall, Mandi Road, Jullundur
 - 6 M/s Rahul Pictures, Mandi Road, Jullundur (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

I XPI ANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registeration sale deed No 1119 of May 80 of the Registration Authority, Jullundur

R GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 20 1 1981 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2435 .- Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Shrimati Ram Kaur wd/o Balwant Singh r/o 8-Mandi Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Vakil Singh s/o Saran Singh V. & P.O. Tanda, Distt. Hoshiarpur, (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

- Paramount Films, Mandi Road, Jullundur.
 Films Corporation, Mandi Road, Jullundur.
- 3. M/s Raj Films Mandi Road, Jullundur.
- M/s Ruby Films, Mandi Road, Jullundur.
 Amrit Lal Tea Stall, Mandi Road, Jullundur.
 M/s Rahul Pictures, Mandi Road, Jullundur. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1116 of May 1980 of the Registration Authority, Jullundur,

> R. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

Seal

Ł

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No 2436—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Muktsai Road, Kotkapura, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Register ng Officer at Faridkot in July 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arvindei Singh S/o Balwant Singh r/o Kot-kapuia.
- (Transferor)
 (2) Shri Bhagwan Dass S/o Ram Chand & Pardeep Kumar S/o Kela Ram r/o Kotkapura Care of Kela Ram, MC Tiunck Union, Kotkapura.
- (3) As per st. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No 1739 of July 1980 of Registration Authority, Faridkot

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundu

Date · 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2437.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Ahata Badan Singh, Moga. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in June 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shrimati Bachan Kaur W/o Shri Mohan Singh, R/o Ahata Badan Singh, Moga.
- (2) Shri Darshan Lal S/o Shri Daulat Singh R/o Ahata Badan Singh, Moga.
- (Transferce)

 3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1540 of 6/80 of Registration Authority, Moga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juliundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2438.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Ahata Badan Singh, Moga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga in June 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: -- 28-456GI/80

(1) Smt. Bachan Kaur w/o Shri Mohan Singh Resident of Ahata Badan Singh, Moga.

(Transferor)

- (2) Shri Balwant Rai S/o Daulat Singh r/o Ahata Badan Singh, Moga.

 (Transferee)
 - (T(Allistotte)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1943 of June 80 of the Registration Authority.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2439.—Whereas I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomotax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

No. As per Schedule situated at Ahata Badan Singh, Moga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in June 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 Clare Road, Byculla, Bombay-8. 19. Mrs. Ivy M. Herbert M. C. Noronha, No. 16, Piccadilly Flats.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Bachan Kaur w/o Mohan Singh r/o Ahata Badan Singh, Moga.
 (Transferor)
- (2) Shri Joginder Pal S/o Daulat Singh r/o Ahata Badan Singh, Moga. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2114 of June 1980, of the Registration Authority, Moga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Juliundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2440.—Whereas I, R. GIRHDAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Banga,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Chanan Kaur w/o Ujagar Singh R/o Banga. (Transferor)
- (2) The Sutlej Public School, Banga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 167 of May 1980 of the Registration Authority, Banga.

R. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

and the second of the second districts

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2441.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur,

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Parkash, Kashmiri Lal Ss/o Shri Sadhu Ram and Smt. Pawan Kumari W/o Shri Manohar Lal r/o Kalyan Pur, Tehsil and Distt. Juliundur. (Transferor)
- (2) Shri Tirath Singh S/o Sawaran Singh, r/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 862 of May 1980 of Registration Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2442,—Whereas I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sarinh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in May 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbans Lal S/o Shri Ram Chand V. & P.O. Sarinh, Tehsil Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Nasib Chand S/o Kabal V. & P.O. Sarinh, Tehsil Nakodar,

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 350 of May 1980 of Registration Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundul

Date: 20-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No 2443—Whereas I, R. GIRHDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gulraj Singh S/o Jaswant Singh r/o 7-Gurdev Nagar, Ludhiana General Attorney of Shri Rakesh Dhillon, IPS, alias Shri Rajinder Singh Muradabad.

(Transferor)

- (2) Shrimati Santosh W/o Inder Mohan, 338 Lajpat Rai Nagar, Juliundur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1104 of May 1980 of the Registration Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP. No. 2444.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1980.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gulraj Singh s/o Jaswant Singh 7-Gurdev Nagar, Ludhiana General Attorney of Shri Rakesh Dhillon, IPS, alias Shri Rajinder Singh, Muradabad.

(Transferor)

(2) Shri Inder Mohan Manon S/o Shri Dhanpat Rai, 338-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1482 of June 1980 of the Registration Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2445.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Nakodar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Swaran Singh S/o Karam Singh r/o mohalla Garian, Nakodar.
- (2) Shri Gurcharan Singh Raghbir Singh Se/o Kartar Singh r/o mohalla Gardan, Nakodar.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 364 of May 1980 of registration Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
amissioner of Income-tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2446.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Gorapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—456GI/80

 Shri Piara Lal s/o Daulat Ram R/o V. Gorapur Tehsil Nawanshehr.

(Transferor)

(Transferee)

- (2) S/Shri Joga Singh Hardyal Singh, Sardara Singh, Sohan Singh ss/o Kehar Singh R/o Village Amargarh, Tehsil Nawanshehr.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 682 of May, 1980 of the Registration Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2447.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Bawa Singh R/o Village Mithapur through Gurmeet Kaur wife of Mohinder Singh, General Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/o Mohar Singh R/o V. Nurpur now 570 R, Model Town, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1236 of May, 1980 of the registration authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundui, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2448.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Siri Ram s/o Hans Raj R/o Bhatinda C/o New India Book Store, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Kishore S/o Lahori Ram R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1180 of May, 1980 of the Registration Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2452.--Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Santosh Singh S/o Mehnga Singh R/o V. Garha Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Kuldip Singh R/o Daliwal Tehsil Nakodar Distt. Jullundur.
(3) As per S. No. 2 above.

1. Amar Karyana & General Store, Garha Jullundur.

2. Pawan Provision Store, Garha.

3. Harbans Dairy, Garha.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 753 of May 1980 of the Registration Authroity, Jullundur.

> R. GIRDHAR. (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Julaundur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. AP No. 2453.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

As per schedule situated at Garha

Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliundur in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Sureshta Jain w/o Satish Kumar R/o Gulchaman Gali, Ludhiana, now at Jullundur. (Transferor)
- (2) Shi Piara Singh S/o Chaman Singh R/o Bilga, Tehsil Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1190 of May 1980 of the Registration Authority, Jullandur.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2454.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bara Pindi Road Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- S/Shri Ram Piara, Mohinder Pal Se/o Shri Tılak Ram, Smt. Durga Devi Wd/o Shri Tılak Ram Village Buddala, Teh. Phillaur.
- (2) S/Shri Bhupinder Singh, Prit Pal Singh, Jasbir Singh Ss/o Mohan Singh R/o Goraya Teh. Phillaur.

(3) As per S. No. 2 above. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 270 of May, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQISITION RANGE,
JULLUNDUR

Juliundur, the 20th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2455,—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bara Pind Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1)) Shri Mohindei Pal s/o Shri Tilak Ram G.A. Ram Labhaya, Sukintala Devi Village Buddala, Teh. Phillaur, Bimla Devi D/o Shri Tilak Ram, R/o Village Buddala, Teh. Phillaur.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Bhupinder Singh, Prit Pal Singh, Jasbir Singh Ss/o Mohan Singh R/o Goraya, Teh. Phillaur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in Registration sale deed No. 312 of May, 1980 of the Registering Authority Phillanr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Rachhpal Singh, Charan Singh Ss/o Shri Shyam Singh R/o V. Ghurala (Khanna), Distt. I udhiana.
(1) S/Shri Nirmal Singh, Harmail Singh, Kesar Singh, Ss/o Shri Gajian Singh.

(2) S/Shri Nirmal Singh, Harmail Singh, Kesar Singh, Ss/o Shri Gajjan Singh, R/o Harbanspura (Samrala), Distt. I udhiana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1981

Rof. No. SMR/21/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 25 Kanal 10 Marlas situated at V. Chawa, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 Kanal 10 Marlas at Vil. Chawa, Teh. Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed_No. 938 of May, 1980 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 22-1-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2456.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Gali No. 13-14, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—456GI/80

 S/Shri Jagdish Rai, Gobind Lal Ss/o Shri Nand Lal R/o Gali No. 13-14, Mandi Abohar.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Rani W/o Shri Madan Mohan Modi R/o Gali No. 13-14, Mandi Abohar.
- (Transferee)
 (3) As per S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in Registration sale deed No. 604 of May, 1980 of the Registering Authority Abolar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-1-1981

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2457.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kasera Nagari, Old Fazilka Abohar Road, Abohar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on May 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prakash Chand S/o Gopi Ram R/o Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Tej Kumari W/o Inder Chand R/o Village Kikar Khera, Teh, Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 636 of May, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2458.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for his acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kundan Lal, Prem Nath, R/o Gali No. 13, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj S/o Shni Mangat Ral, R/o Gali No. 13, Mandi Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 444 of May, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-1-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2459.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer At Abohar on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Lekh Raj, Kanwal Nath R/o Gali No. 13, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj S/o Mangat Rai, R/o Gali No. 13, Mandi Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 515 of May, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2460.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Ganga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jaswant Singh S/o Inder Singh R/o Village, Thana Nathana, Teh. & Distt. Bhatinda,

(Transferor)

(2) S/Shri Gurdev Singh, Gurcharan Singh, Surjit Singh, Harnek Singh, Gurjand Singh Ss/o Kadhu Singh R/o V. Ganga.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 243 of May, 1980 of the Registration Authority, Nathana

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2461.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beaning No.

As per schedule situated at Village Ganga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

Nathana on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaswant Singh S/o Inder Singh R/o Village, Thana Nathana, Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

 S/Shri Bhura Singh, Sadhu Singh Ss/o Kadhu Singh R/o V. Ganga.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undetaighted:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 244 of 2nd May 1980 of the Registration Authority, deed No. 243 of May, 1980 of the Registration Authority, Nathana.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 23rd January 1981

Ref. No. A.P. No. 2462.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Wan Bazar, Railway Road, Fazilka

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fazilka on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Hans Raj, R/o Near D.S.P., Office, Fazilka

(Transferor)

(2) Shii Kiishan Kumai Soo Nand Lal Nagpal, Shri Ruj Kumar Nagpal Soo Krishan Kumai, Smf. Anju Rani Woo Krishan Kumar Roo Nagpal Colony, Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in Registration sale deed No. 456 of May, 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 23-1-1981

TORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF JNCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 24th January 1981

Ref. No. A.P. No. 2463.—Whereas, I, R. GIRDHAR. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on May, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that

the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kehar Singh S/o Mohinder Singh, R/o Kartarpur.

(Transferor)

S/Shri

(2) 1. Jaspal Singh S/o Kehar Singh,

Kartarpur.

2. Madan Mohan Malhotta S/o Shri Nathu Ram, Kapurthala.

3. Smt. Kanchan Malhotia W/o Shri Brij Mohan S/o Shri Nathu Ram,

166. Bhagat Nagar, Ludhiana.

4. Avtar Kaur w/o Shri Charanjit Singh Randhava S/o Shri Harnam Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

Sarabha Nagar, Ludhiana
5. Smt. Jatinder Kaur W/o Shri Tajinder Singh Doel
S/o Shri Sudershan Singh,
132 KV Sub Station, Jullundur
6. Saroj Guota W/o Shri Madan Mohan Gupto.
Sarabha Nagar, Ludhiana.
7 Chiranii I al Goel S/o Jagan Nath
564-L. Model Town, Ludhiana
8. Smt. Bimla Kanoor W/o Shri Sardari I al Kanoor,
7. New Vijav Nagar Jullundur.

9.Smt. Romesh Tandon W/o Sat Pal Tandon, Cheap Cloth House, Lower Bazar, Simla. 10. Avnash Maini S/o Babu Ram, Ferozepur Road, Ludhiana.

11. Baldev Singh S/o Sohan Singh, Village Pokhana (Karnal).

12.Smtt, Parkash Rani Gosam W/o Pran Nath,

218/2, Shahced Udhan Singh Nagar, Jullundur in

13. Kalwinder Kaur Juggi W/o Gurbachan Singh, Kapurthala. Yash Pal Malhotra S/o Nathu Ram S/o Ram Chand. Lahori Gate, Kapurthala. 15. Smt. Adarsh Parti W/o Karandeep Parti, Yatpura, Kapurthala.

16. Smt. Bimal Chhabra W/o Romesh Chand, Ludhiana. 17. Smt. Urmala Khanna W/o Romesh Khanna S/o Sohan Lal, 40 Din Dayal Nagar, Jullundur. 18. Smt. Rajinder Kaur W/o Balbir Singh Marwaha. Inder Nagar, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

Ambala.

(Person in occupation of the property)

(4) Any otehr person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

19. Prithi Raj Sharma S/o Lek Raj Sharma,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 145 of May, 1980 of the Registration Authorny Kartarpui

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur.

Date * 24-1-1981.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No 2464.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Kartarpur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jaspal Singh Sfflo Shri Khear Singh R/o Kartarpur.

(Transferor)

Madan Mohan Malhotra S/o Shri Nathu Ram, Kapurthala.

2. Smt. Kanchan Malhotra W/o Shri Brij Mohan S/o Shri Nathu Ram, 166 Bhagat Nagar, Ludhiana.

3. Avtar Kaur W/o Shri Charanjit Singh Randhava S/o Shri Harnam Singh, Sarabha Nagar, Ludhiana.

4. Smt. Jatinder Kaur W/o Shri Tajinder Singh Deol 4. Smt. January S. S. So Shri Sudershan Singh, 132 KV Sub-Station, Jullundur.

31--456GI/80

5. Saroj Gupta W/o Shri Madan Mohan Gupta, Sarabha Nagar, Ludhlana.

6. Chiranji Lali Goel S/o Jagan Nath, 564-L, Model Town, Ludhiana

7. Smt. Bimla Kapoor W/o Shri Sardari Lal Kapoor

7. Smt. Bimla Kapoor W/o Shri Sardari Lal Kaj New Vijay Nagar, Juliundur. 8. Smt. Romesh Tandon W/o Sat Pal Tandon, Cheap Cloth House, Lower Razar, Simla. 9. Avnash Maini S/o Babu Ram, Ferozepur Road, Ludhiana. 10. Baldev Singh S/Sohan Singh, Village Pakhana, Karnal. 11. Smt. Parkash Rani Gosain W/o Pran Nat

11. Smt. Parkash Rani Gosain W/o Pran Nath, 218/2, Shaheed Udham Singh Nagar,

Jullundur.

12. Kalwinder Kaur Jaggi W/o Gurbachan Singh,

Kapurthala.

13. Yash Pal Malhotra S/o Nathu Ram

S/o Ram Chand. Lahori Gate, Kapurthala. 14.Smt. Adarsh Parti W/o Karandeep Parti.

Jatpura, Kapurthala.

15. Sut. Bimay Chhabra W/o Romesh Chand,

Ludhlana. 16. Smt. Urmala Khanna W/o Romesh Khanna

S/o Sohan Lal. 40 Din Dayal Nagar, Jullundur. 17. Smt. Rajinder Kaur W/o Balbir Singh Marwaha,

Inder Nagar, Phagwara. 18. Prithi Raj Sharma S/o Lekh Raj Sharma,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 146 of May, 1980 of the Registration Authority, Kartarpur

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ACQISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd January 1981

Ref. No. A.P. No 2465.--Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovsble property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kartarpur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

 Jaspal Singh S/o Kehar Singh. R/o Kartarpur.

(Transferor)

S/Shri

Madan Mohan Malhotra S/o Shri Nathu Ram, Kapurthala.

2. Smt. Kanchan Malhotra W/o Shri Brij Mohan S/o Shri Nathu Ram.

166, Bhagat Nagar, Ludhiana.
3. Avtar Kaur W/o Shri Charanjit Singh Randhava
S/o Shri Harnam Singh,

Sarabha Nagar, Ludhlana. 4. Smt. Jatinder Kaur W/o Shri Tajinder Singh Deol 4. Shrt. Jatimer Kaur W/o Shri Tajinder Singh Deol S/o Shri Sudershan Singh, 132 KV Sub-Station, Jullundur. 5. Saroj Gupta W/o Shri Madan Mohan Gupta, Sarabha Nagar, Ludhiana. 6. Chiranji Lall Goel S/o Jagan Nath, 564-L, Model Town, Ludhiana. 7. Smt. Bimla Kapoor W/o Shri Sardari I al Kapoor 7, New Viia Nagar, Jullundur.

8 Smt. Romesh Tandon W/o Sat Pal Tandon, Cheap Cloth House, Lower Bazar, Simla.

9. Avnash Maini S/o Babu Ram, Ferozepur Road, Ludhiana. 10. Baldev Singh S/Sohan Singh,

Village Pakhana, Karnal. 11. Smt. Parkash Rani Gosain W/o Pran Nath, 218/2, Shaheed Udham Singh Nagar,

12. Kalwinder Kaur Jaggi W/o Gurbachan Singh, Kapurthala.

13. Yash Pal Malhotra S/o Nathu Ram

S/o Ram Chand, Lahori Gate, Kapurthala

Jullundur.

14. Smt. Adarsh Parti W/o Karandeep Parti, Jatpura, Kapurthala.

15. Smt. Mimay Chhabra W/o Romesh Chand,

Ludhiana. 16. Smt. Urmala Khanna W/o Romesh Khanna

S/o Sohan Lal, 40 Din Dayal Nagar, Jullundur,

17. Smt. Rajinder Kaur W/o Balbir Singh Marwaha,

Inder Nagar, Phagwara. 18. Prithi Raj Sharma S/o Lekh Raj Sharma,

Ambala.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 148 of May, 1980 of the Registration Authority, Kartarpur.

R. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Julianaur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1980

Ref. No. 342-B/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 12-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal Sehgal and Sri Daya Kishan Sehgal s/o Bhola Ram Sehgal r/o Mohalla: Thapar Nagar, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chand Jain, Advocate s/o Lal Atar Sent and Smt. Santosh Jain w/o Shri Mahesh Chandra, Advoate, r/o Mohalla Ismile Nagar, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property (Building) bearing No. 1413/12-A, 12-B, 12-C and 1413/12-D to 1413/12-L at present No. 229 and 299-A to 299/H, situated at Pyare Lal Sharma Road, Meerut which was sold for Rs. 180,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th January 1981

Ref. No. 287/Acq./Mathura/80-81.-Whereas. I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 9-5-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Vishnu Aytar S/o Sri Sahu Ram Swaroop Ji Self and Mukhtar Khas Sri Krishna Aytar S/o Sahu Ram Swaroopji, Smt. Tara Rani W to Suraj Avtar, Amil Kumar S to Sri Krishana Avtar R to Civil Lines, Bareili through Sri Rakesh Kumar and Rajeev Kumar S/o Sri Krishna Avtar and Smt. Pushpa Rani W/o Shri Om Avtar R/o Civil Lines, Bareilli.

(Transferors)

(2) Shri Hari Charan Gadodia, Sri Narain Prasad and Sri Bal Krishna Gadodia through Gadodia Sewa Kosh Trust, Maharani Bagh, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Property (Immovable Property) bearing 253 and 254, situated in Desait Brindavan, which was sold for Rs. 1.96.000/-.

> B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Janpur, the 5th January 1981

Ref. No. 363/Acq./Firozabad/80-81.--Whereeas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Firozabad on 12-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hetram, Kunwar Pal & Deviram, Hardev and Daulatram all Ss/o Sukh alias Sukha Ram R/o Asfabad, Firozabad, District Agra.

(Transferor)

(2) Shri Ram Krishna Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Firozabad, through Sri Shiv Narain S/o Ram Kishan R/o Hundawala Bagh and Shyam Baboo Agarwal S/o Sri Kailash Chand R/o Gher Aasgaran, Firozabad, Distt, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property Bhumidhari bearing No. 263, measuring 1 Bigha 7 Biswa in Village: Asfabad, Teh: Firozabad and other No. 270 measuring 1 Bigha 15 Biswa and 15 Biswansi, situated in vill.: Asfabad, Teh: Firozabad, Distt. Agra, which was sold for Rs. 1,45,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5-1-1981.

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 5th January 1981

Ref. No. 385/Acq./Agra/80-81.-Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

(1) Smt. Amrit Rani W/o Sri Kastoori Lal R/o Bank Colony, Agra Present Address 77, Jaipur House Colony Lohamandi, Agra. (Transferor)

(2) Shri Banshi Lal Obrai S/o Late Shri Setram Obrai, Smt. Rajrani Obrai w/o Sri Banshi Lal Obrai, Rakesh Kumar S/o Sri Banshi Lal Obrai and Sri Naresh Kumar S/o Sri Banshi Lal Obrai R/o 74-A,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ajit Market Agra.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 77, Municipal No. 19/10-A, situated at Jaipur House Colony Loha Mandi, Agra, which was sold for Rs. 175,000/-.

B. C. CHATURVEDI, (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-12-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMF-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th January 1981

Ref. No. TRNo. 1130/Acq./Mathura/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rq. 25000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mathura on 24-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagdish Prasad S/o Sri Har Dayal and Smt. Janak Devi W/o Shri Om Prakash r/o Lagra ki Chowki, Agra (AGRA).
- (2) Smt. Bhuvnesh Verma W/o Sri Ram Singh R/o Chowk Bazar, Mathura.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A, House Property bearing Water Rate No. 1321, situated at Shahganj Darwaja, Mathura, which was sold for Rs. 54.000/-.

B. C. CHATURVFDI.
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANFUR

Kanpur, the 5th January 1981

Ref. No. 347-B/Acq./Baghpat/80-81.--Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 19-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganga Sahai and Heera Lal S/o Sri Nanu R/o Village Rustampur, Parg. Baraut, Teh. Raghpat, District Meerut.

(Transferor

(2) Shri Har Narain Siagh S/o Sri Dhan Singh R/o Villagec Vavli, Parg. Baraut, Teh. Baghpat, District Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 323, measuring 10-0-14, situated at Bavli, Parg. Baraut, Teh. Baghpat, District Meerut, which was sold for Rs. 63,000/-.

B. C. CHATURVEDI, (Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 380/Acq./Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHFDUIE situated at AS PER SCHFDUIE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Ghaziabad on 13-5-80

Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-456GI/80

- (1) Shri Hahalaxmi Land & Finance Co., Ltd., 8-B, Jindal Trust Building Asaf Ali Road, New Delhi through General Attorney, Sri Ashok Kumar Chhabra S/o Sri Desh Raj Chhabra R/o 1, Ring Road, Lajput Nagar, New Delhi.
- (2) Shri Lallu Ram S/o Sri Buddh Singh R/o 197, Jatwada Beroon Dasna Gate, Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Open Plots bearing No. 52, measuring 289.42 Sq. Yards, situated at Third (3)-B, Nehru Nagar, Ghaziabad and Other plot bearing No 52-A, measuring 265.58, situated at Ashok Nagar, Colony, Ghaziabad, which was sold for Rs. 32,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-1-1981

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 385/Acq./Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULI-(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 21st May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. J. Sood (Jagjit Sood) S/o Sri J. N. Sood (Jagannath Sood) r/o J-22, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Bhushan S/o Sri Khase Ram r/o C & W, 23-B, R.D.S.O. Colony Manaknagar, Lucknow (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. R-11/36, measuring 1265.02 Sq. Yards, situated at Rajnagar Colony, Ghaziabad, which was sold for Rs. 48,070.76.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 386/Acq./Ghaziabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 21-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tara Chand Guliyani S/o Sri Siddhu Ram Guliyam, Old r/o 2/7, Daria Ganj Ansari Road, Delhi-6, present R/o 643, Ganj Mir Khan, behind Delite Cinema, New Delhi-2.

(Transferor

(2) Shri A. K. Saxena and Ashok Kumar Saxena S/o Sri Dolhraj Singh R/o R-1/159, Raj Nagar, Ghaziabad, Teh. and District Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Property bearing No. R-9/68, measuring 800 Sq. Yards, situated at Awasik Colony, Rajnager, Ghaziabad, Teh. and District Ghaziabad, which was sold for Rs. 32,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpun

Date: 6-1-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 296/Acq./Jhansi/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Jhansi on 2-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anand Mohan self and Mukhtaram Sri Brij Mohan S/o Lala Sadhu Ram and Madan Mohan S/o Lala Sadhu Ram R/o Civil Lines, Jhansi. (Transferor)
- (2) Smt. Ram Kumari D/o Jawahar Lal R/o Bara Bazar, Jhansi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 136, situated at Bush Berele, Jhansi, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI, (Competent Authority)

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ret No 409-B/Meerut/80-81 —Whereas I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 19-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shu Khacheru Soo Shu Lekha Roo Village Nagla, Rathi, Parg Daurala, Teh Særdhana, District Meerut (Transferor)
- (2) Shii Santar Pal and Rishi Pal S/o Sri Mathan Singh, Guaidian Sri Mathan Singh R/o Village Nagla Rathi, Parg. Daurala, Teh. Sardhana, District Mecrut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property which was sold for 40,000/- situated in Village Nagla Rathi, District Mediut

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 6-1-1981 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref No 379-A/Ghaziabad/80 81 —Whereas I B C CHAFURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULL (and more fully described in the Schedule annexed heact), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 15-5-80

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiva Datt Upadhyaya S/o Sh. J. N. Upadhyaya R/o 14-B Piesident's Estate, New Delhi, at present r/o C/o Dr. Bal Kishan, C-16 Green. Park. New Delhi

(Transferor)

(2) Mis Lakshmi Agrawal W/o Shii S P Agrawal, and Mrs Subodh Kumar W/o Di Sushil Kumar both r/o Dhampur District Bijnor (UP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Residential Plot No R-1/6, measuring 777 90 Sq Yards, situated in Raj Nægai, Ghaziabad, which was sold for Rs 32 676/-

B. C CHATURVED1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 6-1-1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3062-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 8-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Chandra S/o Sri Chatar Sen R/o 28, Abupura, East Muzaffarnagar, and Sri Jai Kunwar Singh S/o Jiwan Singh R/o 157, Bramhpuri, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishore S/o Sri Mitthan Lal R/o 157. Bramhpuri, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 157 (in double storey), situated at Bramhpuri, Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1981

Senl:

FORM ITNS----

(1) Shri Virendra Singh Chowdhary S/o Sri Gurdayal Singh, Advocate, r/o Savitganj, Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Nath Shukla S/o Late Shri T. N. Shukla r/o 194/B/10-O Block, Kidwainagar, Kanpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1981

Ref. No. 3194-A/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 140, Block-Q, Scheme No. 1, measuring 400 Sq. Yards, situated at Kaka Dev. Kanpur which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-1-1981

FORM J.T.N.S.-

(1) Shri Girdhar Mohan Aga S/o Sri B M Aga r/o 15/264, Civil Lines, Kanpur.

Late S. Bhola Singh r/o 28, Sarojani Nagar, Kanpur.

(Transferor)
Singh S/o

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1981

Ref. No. 317-B/Kanpui/80-81.—Whereas I, B, C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, on 3-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesau property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

33—456GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may, be made, in writing to the undersigned:—

(2) Sardar Suntosh Singh and S. Jagji

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period, expires later.
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication, of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing 431/88, Block-H, Scheme No. 1, measuring 356-Sq. Yards, situated at Kaka Dev, Kanpur, which was sold for Rs. 53,400/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandr

(1) Shri Sata Ram Pal s/o Sri Devi Singh Pal, R/o 133/182, O-Block, Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferor)

(2) Shri Ram Chandra and Ram Vishal s/o Sri Ramchan r/o 133/182, 0-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1981

Ref. No. 3196-A/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 19-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE'

A House property bearing No. 133/P/169-0 and Lease Plot No. 169, measuring 526 sq. yards and single storey is constructed, situated at Rattu Purwa, Kanpur which was sold for Rs. 80,000.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

Shri Harjit Singh ε/ο Sri Gurbachan Singh Sethi τ/ο 82, N-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

(2) Shri Durga Prasad Nigam S/o Sri Ayodhya Prasad Nigam, R/o 8/118, Araya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Jullundur, the 3rd January 1981

Ref. No. 3192/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-5-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 431/22, Block-H, Scheme One (1) Ward, situated at Kaka Dev, Kanpur, which was sold for Rs. 71,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 3-1-1981

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR KANPUR

Kanpur, the 5th January 1981

Ref.' No. '1899-A/Dehikhun'/80-81. Whefeas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to

believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Seema D/o Sri D. S. Chauhan through Sri D. S. Chauhan and Sri D. S. Chauhan S/o Thakur Bhawani Singh r/o Hardev Shastri Marg, Dehradun. (Transferor)
- (2) Shri Vijai Pal Singh and Charan Jit Singh S/o Sunder Singh R/o 70/5, Gandhi Road, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by 'any of 'the 'aforesaid persons 'within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the 'service' of notice of onto the 'respective apparatus, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said instruovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: +-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Action shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 617.924 Sq. Metres bearing Khasra No. 604 Municipal No. 1, situated at: Chander Nagar, Dehradun, which was sold for Rs. 51,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1980

A Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anoopshahar on 19-9-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the, Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mahendra Kumar S/o Ram Saran Dass R/o Diwai Mohalla, Mandi Sahdev, Teh: Anoopshahar, Distt: Bulandshahar.

(2) Smt. Rajani Singh W/o Dr. Suiesh Chandra Singh and Ajit Kumar Singhal S/o Mangeshwar Dayal Singhal R/o Mohalla: Chowk Durga-Prasad, Kasba: & Parg: Diwai, Teh: Annopshahar, Distt: Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be, made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A I and Property bearing No. 90/1, measuring 19 Biswa and 7 Biswansi, situated at Village: Jairampur, Tch: Annop Shahar, Distt: Bulandshahar, which was sold for Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1980

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3068-A/Dehradun/80-81.---Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 5-5-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Man Mohan Singh S/o Sri Lal Singh R/o 58-A Race Course Colony and Present Resident of 667, Sector-B, Faridabad.

(Transfereror)

(2) Sardar Har Charan Singh S/o Amrik Singh Sahni R/o 15-A, Race Course, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Muncipal No. 17, Block-II, situated at Govind Nagar Race Course, Dehradun, which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3069-A/Dehradun/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ks. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2-5-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Janki Devi W/o Sri Krishna Lal R/o 1/44, Chakhuwala, Tagore Colony), Chakrata Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Ratan Chand S/o Sri Dhanna Ram R/o 1E/3, New Town Ship, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property in double story, measuring 1226 Sq. Sq. Ft. bearing Land No. 44, situated at Chakrata Road, Dehradun, which was sold for Rs. 48,0000/-.

B. C. CHATURVEDI, (Competent Authority)

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

FOPM ITNS--

(1) Dr. Charan Singh S/o Sri Sant Singh r/o 36-B/36-2, Balbir Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE JNCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Snit. Renuka Khanna W/o Sri Inder Prakash Khanna, 15/3, Circular Road, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR

may be made in writing to the undersigned-

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3074-A/Dehradun/80-81,---Whereas I, B. C. CRATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immesvable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

A House Property bearing No. 36-B/36-2, situated at Balbir Road, Dehradun, which was sold for Rs. 1,85,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981.

FORM:NO./I.T.N:8.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur the 6th January 1981

Ref. No. 3045-A/Jansath/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—34—456GI/80

- Shri Shekher Chand Jain S/o Lala Shital Jain R/o Khatauli, Mauja Raja Ram, Post: Parg: Khatauli, Teh: Jansath, Distt: Muzaflarnagar.
- (2) Shri Sukhnandan Prasad S/o Sri Ajab Singh, Ashok Kumar and Sushil Kumar, age 11, 10 years S/o Sukhnandan Prasad (Nabalig) Guardian Shri Sukhnandan Prasad self r/o Khatauli, Mauje: Kanoongoyam, Parg: Khatauli, Teh: Jansath, Distt: Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official' Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property with Shop in Single and double story, Near-Jain College, situated at Teh: Jansath, Distt: Muzassar, ungar, which was sold over for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3061-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B, C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar 7-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lala Kesho Ram S/o Sri Vishan Lal, Lal Chand, Suresh Chand and Naresh Chand S/o Late Shri Lala Ratan Lal R/o Manglore, Teh: Roorkee, Distt. Saharanpur.
- (2) Shri Birbal Dass Jindal S/o Lala Shiv Lal R/o New Mandi, H. No. 64-B, Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Half Portion of House Property bearing No. 2-A, situated at Avadi Mandi, Muzasfarnagar, which was sold for Rs. 70,000/-

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1980

Ref. No. 306-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 13 May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Charles Albert Neil S/o Mr. M. G. Neil 1/o 34-C, L.I.C. Colony, Lachhanpur, Kanpur. (Transferor)
- (2) Mohd. Aslam S/o Mr. A. Gafoor r/o 7/109-A(G), Swaroop Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House bearing No. 7/109-A(1), measuring 781-44 Sq. Yds., situated in Swaroop Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 78,144/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kappur, the 5th January 1981

Ref. No. 353-Acq/Mathurn/80-81.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chhata on 21st May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1) Sh. Ahemad Ali, Apoonmali, Mohd. Unis S/o Makhan Ali, Shankersikhe-ulli and Kamalrikh Ballo S/o Rekhi, r/o Teh: Chhata Distt. Mathura.

 (Transferor)
- (2) Sh. Shiv Charan S/o Nandan, Har Charan and Chhidi, Suraj Pal and Ram Pal and Om Prakash S/o Sri Vijai Pal R/o Village Mauja Sahar, Teh: Chhata, Distt. Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land and situated at Mauja: Sahar, Teb Chhata, Distt. Mathura, which was sold for Rs. 52,900/-

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kangur.

Date: 5-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpul, the 9th January 1981

Ref. No. 372-B/Acq/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jitendra Kumar Badal S/o Sri Nand Kumar Badal R/o stadiom Cinema, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaswant Sangh Gil, Sardar Kripal Singh Gili and Sardar Jagjiwan Singh Gil S/o Sardar Sanant Singh Gil R/o III-D/272, Nehru Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. III-D/29, measuring 273.08 sy. yds., situated in Nehru Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 1.12,800/-.

B. C. CHATURVEDI.
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 352-B/Meerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 21 May 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:

 Sh. Smt. Parmeshwari Devi W/o Sri Ratan Lal Gupta R/o 1147/8, Mohalla, Begum Bagh, P. L. Sharma Road, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Ahtari Begum W/o Hazi Karam Ilahi R/o Purwa Ahmednagar, Garvi Jali Kothi, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A House Property (Ahata) with Shop bearing No. 75, situated at Mohalla Karim Nagar, Meerut City, which was sold for Rs 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 349-B/Meerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jamala Haq alias Jamaluddin S/o Shri Rahamtulla R/o Bagicha Mohd. Hussain Shahpir Gate, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Noor Jahan alias Bhoori D/o Hafijuddin alias Fiju Gaddi, R/o Village: Hazipur, Parg:, Teh: and Distt: Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property cum Ahata bearing No. 2, measuring 655 sq. Yards, situated at Mohalla: Karim Nagar, Meerut City, which was sold for Rs. 65,5000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

K'ANPUR.

Kampur, the 9th January 1981

Ref. No. 366-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjutt Arora S/o Sri Lila Ram Arora R/o 171-U, Aaboo-Lane, Meerut Cantt. Mukhtar-am Kumari Anshu Arora D/o Dr. Krishan Lal Arora r/o Civil Hospital, Lucknow (U.P.)
- (2) Shri Sushil Kumar S/o Sri Pooran Chand R/o 80, Purwa-Faiyaz Ali, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesati persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 418, measuring 225.88 sq. Mtrs., situated Colony Rajendra Nagar Sector 8, Ghaziabad, which was sold for Rs. 54,5000/-.

B. C. CHATURVEDI.
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 343-B/Meerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 9-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—35—456GI/80

(1) Shri Sardar Dayal Singh S/o Sardar Rajwant Singh Sikkh, r/o H. No. 50, Govindpuri Kankarkheda, present r/o Kaseru Kheda, Parg:, Teh: and Distt: Meerut.

(Transferor)

(2) Sh. Virendra Singh Poonia S/o Sri Bhim Singh, Harendra Singh, Jitendra Singh (Nabalig) s/o Sri Bhim Singh, through Sri Bhim Singh r/o Mauja: saroorpur, Teh: Sardhana, Distt: Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A House Property with Shops, measuring 148.60 sq. yds. situated in Mohalla Sadanpuri Kankarkheda, Meerut, which was sold for Rs. 85,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 9th January 1981

Ref No 334-B/Meernt/80 81—Whereas, I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 5-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1)Sh. Satya Pal Singh Hora S/o Sii Piem Singh Hora i/o Weston Road Meerut Cantt self Mukhtar-am Minjanib Smt Ram Kaui Widow and Ranbir Singh Hora, Madanjit Singh Hora and G S Hora and Rajendra Singh Hora, Sampurn Singh Hora and Hanumant Singh Hora all S/o Sii Sarda Prem Singh Hora

(Transferor)

(2) Sh Tahir Ali Khan and Masairat Ali Khan alias Baboo Miyan s/o Ahesan Ali Khan R/o Mauja and Post Radhna Inayatpur, Parg Kithaur, Teh Mawana, Dist Meerut

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property cum Urban Property bearing No 223, 229 at present No 97, measuring 330 Sq Yda, situated at Bazar Khair Nagar, Meerut City, which was sold for Rs 2,00,000/-

B. C CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date ' 9-1-1981 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR.

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 337-B/Mccrut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sukhbir Singh S/o Late Sri Nanak Chandra r/o Mohalla Gali Sethan, Kasba: Sardhana, Distt: Meerut, at Present r/o 779/8, present No. 739, Master Colony, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Gupta W/o Sri Jagnnath Gupta R/o Mohalla: Bramhpur, H. No. 752/9-B, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Old No. 779/8-B, at present No. 739, situated at Mohalla: Bramhpuri, Meerut City, which was sold for Rs. 45,000/-.

> B. C. CHATURVEDI, (Competent Authority) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 301/Acq/Aligarh/80-81.---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 19-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Prasad, S/o Sri Pyara Lal Maheshwari R/o Bali Para, present R/o Mohalla: Chaubeji Ka Kuncha, Distt. Aligarh. (Transferor)
- S/Shri Leeladhar
 S/o Sri Khan Sahai and Ramesh Chandra
 S/o Leeladhar,
 R/o Sarai Jaman, Distt. Aligarh,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land massuring 9 Bigha, 1 Biswa, bearing Khet No. 346-A and Khata No. 31, situated at Village: Mainath, Parg. and Teh. Kol, Distt. Aligarh, which was sold for Rs. 45,700/-.

B. C. CHATURVEDI,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 347/Acq/Mainpuri/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mainpuri on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Ishwar Dayal Varma
 S/o Late Dr. Har Dayal Varma
 R/o M. I. 14, Ali Ganj Housing Scheme, Lucknow,
 at present R/o 6-3-666/B, Punjagutta, Haidrabad,
 bahaisiat son and Mukhtar-Am Minjanib Smt. Kamlesh Kumari Devi Widow of Late Dr. Har Dayal
 Varma R/o Chhapatti, Mainpuri, now
 R/o M. I. 14, Ali Ganj Housing Scheme, Lucknow
 present R/o 6-3-666/B, Punja Gutta, Haidrabad.

 (Transferor)
- (2) S/Shri Rajesh Kumar Mittal S/o Late Sri Baboo Har Kishan Lal Mittal R/o Mohalla Chhapatti, Mainpuri City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Triple Storied House Property bearing Old No. 2105 and now new No. 3968 and 3955, measuring first Storey 72 Sq. Mtrs., second storey 102 Sq. Mtrs., and third storey 9 Sq. Mtrs. situated in Mohalla Chhapatti, Malnpuri City, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri S. K. Suri S/o Late Shri Amolak Ram Suri R/o B-47, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Devinder Kumar S/o Sh. Suraj Singh R/o A-7/42 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, dated 9th January 1981

Rcf. No. 303-B/Dadri/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 91, measuring 593 Sq. Yds., situated in Kantasuri Colony, Sector VII, Chikamberpur, Ghaziabad, which was sold for Rs. 38,545/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1980

Ref. No. 348/Acq/Mathura/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Nand Kumai Arora S/o Late Di. Govind Plasad Arora, Mukhtai Khas Pradeep Kumar, Brother self and Smt. Shanti Devi W/o Late Dr. Govind Prasad Arora, R/o Dampici Nagar, Mathura.

(Transferer)

(2) Smt, Hem Lata W/o Sri Vinod Kumar and Pramod Kumai S/o Sri Bal Mukand R/o Dampier Nagar, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land (Plot) Property measuring 1388 Sq. Yards, situated at Dampier Nagar, Mathuia, which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometerx,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 369/Acq/Ghaziabad/80-81,---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Soori Asbestes Industries Pvt. Ltd., Gyani Border, O. T. Road Ghaziabad, Head Office 1955, Shyama Prasad Mukherji Road, Delhi through Sardar Jagjit Singh S/o Sardar Harnam Singh Soori R/o 33, Vishwati Raj Road, New Delhi, Director Majaj Intkal Property, M/s. Soori Asbestes, Director.

(Transferor)

,=r .

(2) M/s. Transport Corporation of India Ltd., Head Office Mahatma Gandhi Road, Sikandrabad (Andhra Pradesh) through Chowdhari Shiv Lal S/o Gulab Singh R/o 1/7440-A, East Gorakh Park, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serieve of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property, measuring 2011.50 Sq. Yards, situated at Karkar Model, Parg. Loni, Teh & Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 5,26,110/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

Scal ·

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin 682 016, the 1st December 1980

Ref LC No 431/80-81—Whereas I, V MOHANLAL,

fripunithura on 21 5-1980

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy No. as per Schedule situated at Tripunithura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art 1 hereb, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 36—456GI/80

(1) Shri V. Kesavan, 2. Smt. Santha, W/o Shri V. Kesavan, Vadakke Madhom, Sanskrit College Road,, Tirpunithura

(Transferor)

(2) Shii k V Nath, XIII/181 'Reshmi', Sanskrit College Road, Tripunithura

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

6 175 cents of land with building as per Schedule attached to Doc No 1978/80, in Sy. No 1039/2 of Tripunithura

V. MOHANLAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date · 1-12-1980

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 3rd December 1980

Ref. L.C. No. 433/80-81,—Whereas I, V. MOHANLAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per Schedule situated at Nandancode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pottom on 28-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Solamen Alivar, Jnanavilasom Bungalow, Nandancode. (Transferor)
- (2) Shri Joy K. Nman, TC. 11/990, Watts Lane, Triyandrum-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land with building as per Schedule attached to Doc No 1677/80 dated 28-5-1980.

V. MOHANLAL, (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-12-1980

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 10th December 1980

Ref No J C 432/80-81 —Whereas I V MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No is per Schedule situated at Matathuvilakom (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pattom on 22 5 1980

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Sethumadhava Menon, Anavamkottu Veedu, Puthiangam Village

(Transferor)

(2) J Shri K K Vidyadharan, 2 Smt. V.K. Nandini, W/o Shri K. K Vidyadharan, Kochutharayil House, Govindamuttom, Puthupally Village, Karthikapally Taluk, Alleppey

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1 x11 NAII 11 The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 cents of land with building in Sy. No 3588 of Matathuvilakom village, Doc. No 1620/80 dated 22 5-1980

V MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date 10 12-1980 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 22nd December 1980

Ref. No. L.C. 435/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Kalady

(and more fully described in the Schedule anneved hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sreemoolanagaram on 28-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. Dr. K. I. Akbarkhan, 2. Mrs. Jawahar Sultana, Karepparambil House, Sreemoolanagaram.

(Transferor)

(2) Dr. B. Ajithkamar, B.Sc., M.B., B.S. Santhi Niketan, PERIMBAVOOR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Document No. 1007/80-27 cents of land with two buildings in Sy. No. 235/1/B1 of Manikhamangalan.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 22-12-1980.

FORM I'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", \NAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin 682 016, the 5th January 1981

Ref. No. L.C. 449, 80-81—Whereas f, V. MOHANLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. as per Schedule situated at Trikkandiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been translerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer. at Triul on 20-5-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shu C. Prabhakaran, Cholapurathu House, Chevayui, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri K P O Hamza Haji, by Shri K V. Kunhahamed, Power of Attorny holder Nirimarudur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

83 cents of land with a building in R. Sy. No. 203/10 of Trikkandiyui Desom. Document No. 1244/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-1-1981.

Form I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 5th January 1981

Ref. L.C. 450/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Trikkandiyur (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triur on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Asokan, Cholappurath House, Chevayur, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri K. P. O. Hamza Haji, by Shri Kunhahamed Power of attorney holder, Niramarudur, Tirur-7.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

83ccnts of land with building in R. Sy. No. 203/10 of Trikandiyur Desom. Document No. 1388/80 dated 26-5-80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5th Jan., 1981

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 5th January 1981

Ref. L.C. 451/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chalakudy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalakudy on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

(1) Shri Enasu, Kombara Konikkara, East Chalakudy.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Saramma George, Thachil House, Puthuparamba, Chalakudy.
(2) Smt. Kochuthressia W/o Shri Davis, Parakkal Njareleli, Chalakudi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

45.5 cents of land with a shed in Sy. No. 36/1 of Fast Chalakudy. Document No. 1544/80 dated 13-5-1980.

V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulary

Date: 5th Jan., 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 6th January 1981

Ref. L.C. 455/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule situated at Pettab, Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trivandrum on 22-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Agnes Joseph, 1.C. 36/710, Palkulangara, Trivandrum.

(Transferor)

(Transferce)

(2) (1) Shri H. P. Mohammed Jamal S/o Shri H. P. Howther,
Thottathil Veedu, Ramamangalam Kara Moovattupuzha (Now at Post Box No. 1203, AL-AIN, Abudhabi, U.A.E.)
(2) Smt. Nazeem Jamal W/o Shri H. P. Mohammed Jamal, (Now at Post Box No. 1203, AL-AIN, Abudhabi, U.A.F.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoves ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14th cents of land and building in Sy, No. 762/4 by document No. 1772 dated 22-5-1980.

V. MOHANI AL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ernakulam

Date: 6th Jan., 1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin 682016, the 6th January 1981

Ref LC 452/80 81—Whereas, I, V MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Sy No as per Schedule situated at Guruvayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kottappady on 9th May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

37-456GI/80

- (1) (1) Shri Mohammedkutty, Puthiya Veettil Karippayil, (PO) Punna, Manathala, Chavakkad (2) Shri Aboobacker (PO) Punna, Manathala, Chavakkad (Transferor)
- (2) Shri R V Khalid, Rayamarakkaru Veettil, Near Balakiishna Theatre, East Nada, Guruvayoor (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

3 cents of land as per schedule attached to document No 327/80 dated 9-5-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date 6th Jan, 1981 Seel

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 6th January 1981

Ref. LC. 456/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at East Chalakudy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at Chalakudi on 15th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. P. Kunjuvareed S/o Shri Kunjilalu, Kizhakoodan House, Pariyaram, Elanjipra Village.
 - (2) Smt. Thressiamma W/o Shri Kochouseph, Kızhakoodan House, Pariyaram, Elanjipra Village.
 - (3) Smt. Rosamma d/o Smt. Tressiamma Kizhakoodan House, Pariyaram, Elanjipra Village.
 - (4) Smt. Sophy d/o Smt. Thressiamma, Kizhakoodan House, Pariyaram, Elanjipra Village.
 - (5) Shri Dius 5/0 Smt. Thressiamma, Kizhakoodan House, Pariyaram, Elanjipra Village. (Transferor)
- (2) (1) Smt., Thankam Amma W/o Shri Bhaskara Menon, Document writer, Chalkudi.
 - (2) Smt. Celina Jose, W/o Shri O. M. Joseph, Ullattinkulam House, Chalakudi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1577/80—8 cents of and with an upstair building in Sy. No. 296/7 of East Chalkudy.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6th Jan., 1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin 682016, the 12th January, 1981

Ref LC 457/80-81—Whereas, I, V MOHANLAL, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at East Chalakudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalakudi on 15th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri K P Kunjuvareed S/o Shii Junjilalu, Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipra Village (2) Smt Thressiamma W/o Shii Kochouseph Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipia Village. (3) Smt Rosamma d/o Thressiamma, Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipia Village (4) Smt Sophy d/o Smt. Thressiamma, Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipa Village (5) Shii Dius s/o Smt Thressiamma, Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipia Village (5) Shii Dius s/o Smt Thressiamma, Kizhakkoodan House, Periyaram, Elanjipia Village (Transferor)
- (2) (1) Smt Thankam Amma
 W/o Shri Bhaskara Menon,
 Document writer, Chalakudi
 (2) Smt Celine Jose W/o Shri O M Joseph,
 Ullatinkulam House, Chalakudi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicatron of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 cents of land with a line building in Sy No 269/8 of East Chalakudi Village vide document No 1579/80

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date 12th January, 1981 Seal.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.".
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th January, 1981

Ref. L.C. 458/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Poothole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 14th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abalassery Raghavan S/o Shri Krishnan, Poothole, Aranattukara Village, Trichur. (Transferor)

(2) (1) Smt. Prabha Sivadas,
Changaram Kumarath House,
Mullassery, Chavakkad, Trichur.
(2) Rema & Hema (minors) represented by Smt.
Prabha Sivadas,
Changaram Kumarath House,
Mullassery, Chavakkad, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2687/22.5 cents of land with a building in Sy. No. 11/3 of Aranattukara Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th January, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th January, 1981
Ref. L.C. 459/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Poothole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 5th May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair mirket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ambalassery Raghavan, S/o Shri Krishnan, Painter, Poothole Aranattukara Village, (PO) Poothole, Changara Kumarath House, Mullassery, Chavakkad Taluk.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Prabha Sivadas,
(2) Rema & (3) Hema (minors) represented by Smt. Prabha Sivadas,
Changara Kumarath House,
Mullassery, Chavakkad Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23 cents of land in Sy. No. 11/3 of Aranattukara Village, Document No. 2502/80 dated 5-5-1980.

V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th January, 1981

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th January, 1981

Ref. No. L.C. 460/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mullackal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 29th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Mrs. Sarada Sundaram

Mrs. Kanthi Siyasankaran

(3) Smt. Gomathy K. K. Pathi (4) Smt. Nagalakshmi Sundaram,

Junction View Madom, Alleppey.

(Transferors)

(2) (1) Shri K. G. Parameswara Panicker, Thottappillil Veedu,

Avalukannu (PO), Aryad South, Alleppey.

(2) Shri K. G. Gopinatha Panicker
(3) K. G. Balakrishna Panicker,
C/o Shri K. G. Balakrishna Panicker,

National Bank of Abudhabi, U.A.E.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person waterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 cents of land with building in Sy. No. 814/22/1 of Alieppey Village.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th January, 1981

Form I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th January, 1981

Ref. No. L.C. 462/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Parur on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 3.1d/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) (1) Susy Amma (2) Anup Mathew (C/o K. I. Mathew) Kulangarathottil, Perumpadam.

(Transferor)

(2) Shri Kumaran, S/o Ayyappan, Kunnathusseril, Pulluttu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.800 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam Village and 0.500 cents of land in Sy. No. 1375/6 of the same village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th January, 1981

FORM ITNS (1) 1. Susy Anna, 2. Anun Ma

(1) 1. Susy Anna, 2. Anup Mathew, Kulangarathottil, Perumpadom.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Kumaran, S/o Shri Ayyappan, Kunnathusseru, Pululth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,

Cochin-682016, the 16th January 1981 COCHIN-682016

Ref. No. L.C. No. 63/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Parur on 13th May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.800 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam Village. Document No. 2216/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 16th Jonuary, 1981

FORM NO. ITNS—

(1) Mrs. Susy Anna (2) Anup Mathew, Kulangara-thottil, Perumpadom.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Kumaran, S/o Ayyappan, Kannathusseril, Pulluthu. (Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Cochin-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. No. 464/80-81.—Wheras I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. As per Schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

North Parur on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1.863 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam village as per schedule attached to document No. 2217/80.

THE SCHEDULE

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
8—456GI/80

Date: 16th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. 465/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Parur on 13-5-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri K. I. Mathew.

2. K. M. Abraham.

3. Anup Mathew, Kulanga athottil, Perumpadam.
(Transferor

(2) Shri Kumaran, S/o Ayyappan, Kunnathusseril, Pulluttu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.425 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakularn village as per document No. 2218/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 16th January, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. 466/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at North Parur on 13-5-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. K. I. Mathey.

2. K. M. Abraham.
3. Anup Mathew, Kulangarathottil, Perumpadam.
(Transferors

(2) Sri K. Kumaran, Kennathusseril, Pulluttu. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.700 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam village as per schedule attached to document No. 2219/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 16th January, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. 467/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Parur on 13th May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Jacob.

Shri Subhash,
 Shri Anup, S/o Shri K. I. Mathew, Kulangarathottil, Perumpadam.

(Transferors)

(2) Shri Kumaran, Kannothusseril, Pulluttu.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 cents of land in Sy. No. 855/4 of Ernakulam village—Document No. 2220/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 16th January, 1981

FORM ITNS----

- (1) 1. Sri Jacob.
 - Subhash.
 Anup, Kunbangarakottil, Perumpadam.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kuma1an, S/o Ayyappan, Kannathusseril, Pulluthu. (Tranferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Cochin-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. 468/80-81.—Whreas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Parur on 13-5-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3.912 cents of land in Sy. No. 855/4 of Emakulam village, as per document No. 2221/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16th January, 1981

(1) Smt. Padmavathi Ammal, Sea Pearl, Eloor East, Varapuzha. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Chandrakaladharan, E.P. IV/569, Sea Pearl, Udyogamandal.

Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BLDGS, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

COCHIN-682016, the 16th January 1981

Ref. No. L.C. 461/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Udyogamandal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Edappally on 12-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 cents of land with a building in Sq. 150/5 of Varapuzha Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16th January 1981

(1) Byramjee Jecjeebhow Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Textile Processing Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1980

Ref. No. AR-II/2983-5/May'80.—Whereas, I. A. H. TEJALE.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 112 (pt), 105 (pt), 125 ((pt), 113, H. No. 2, 120 (pt), 121 and 122 (pt) and situated at Goregaon (P) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-4017/67 registered with the Sub-registrar, Bombay, on 14-5-1980.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX, ACQUISITION RANGE III **BOMBAY**

Bombay, the 21st Novmeber 1980

No AR III/AP 353/80-81 —Whereas, I, A H. Ref TFJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

CS No 278 sub-plot No 6 situated at Andheri (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

S/Shri

Ramesh Shantilal Sha

- Mahendra Shantilal Shah Chandrakant Thakorlal Kantawala Suiendra Thakorlal Kantawala
- Deepak Chandrakant Kantawala Prakash Chandrakant Kantawala
- Ramesh Shantilal Shah as karta of HUF Mahendra Shantilal Shah as karta of HUF

Sonal Mahendra Shah 10 Sujal Mahendra Shah

Shital Mahendra Shah

12 Chandrakant Thakorlal Kantawala
13 Surendra Thakorlal Kantawala
14 Deepak Chandrakant Kantawala

(Transferors)

(2) Katlash Parvat Punjab National Bank Staff Co-ope native Housing Society Ltd Members

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on tht respective Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No 1536/79 with the Sub Registrar, Bombay on 7-5 1980

> A H TEJALF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date · 21-11-1980 Scal

(1) Shri Ishwarlal Haridas Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Divyalok Co-op. Housing Society Limited (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Members of the Society.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 20th December, 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-J/4410-8/80-81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

publication of this notice in the Official Gazette.

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. S. No. 29 & 32, C. S. No. 320 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Bombay on 26-5-1980 Document No. 526/77/Bom

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer

at Bombay on 26th May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 526/77/Bom and as registered on 26/5/1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

SANTOSH DATTA
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 20-12-80

FORM LTN'S.— (1) Shi BASHARAT HUSAIN

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) MOHD. HABIB ANSARI

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd November, 1980

Ref. No. G.I.R. M-117/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7. Noorullah Road, situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed House No. 70, covered area 3500 sq. ft. and land area 2000 sq. ft. situate at Mohalla-Noorullah Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 2488 which has been duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad. on 12-5-1980.

A. Ş. BISEN
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 2-11-1980

(1) Smt. VIDYAWANTI

(Transferor)

(2) Shri YASHPAL MAGGA

(Transferee)

(3) Above transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Shri T. N. GAUTAM (Tenant)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th November 1980

Ref. No. G.I.R. No. Y-5/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Civil Lines, Saket Nagari.

Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Monalla New Civil Lines, Saket Nagari, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2333 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 23-5-1980.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-11-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 15th November 1980

Ref. No. G.I.R. No. A-86/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 8 (Municipal No. 32/19) area-2724 sft situate at Rutledge Road (Balmiki Marg), Hazratgani, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar at Lucknow on 9-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nawab Abdul Rahim Khan Through Sri Krishna Kumar.
 (Transferor)

(2) 1. Akhilesh Kumar Kalra,2. Anil Kumar Kalra.

(Transferce)

(3) Owners.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8 (Municipal No. 32/19) measuring 2724 sq. ft. situate at Rutledge Road (Balmiki Marg), P. S. Hazratgan, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2981/80 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 9-5-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 15-11-1980.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) MANOROMO DEVI,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 4th December 1980

Ref. No. G.I.R. No. B-93/A:q.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building No. 561, Khalasi Lane, Kydganj, situated at Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) 1. Bansi Lal,2. Bal Krishna Agarwal,

3. Rajendra Kumar Agarwal, 4. Anand Kumar Agarwal (Minor) Through his father and Natural Guardian Shri Bansi Agarwai.

(Transferee)

3. Smt. Manorama Devi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettec.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 561, situated at Mohalla-Khalasi Lane, Kydganj, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2422, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 13-5-1980.

> A. S. BISEN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-12-1980

 Smt. N. Laxmibai N. Basva Raju, Shri N. Wasudeo Raju S/o N. Vasva Raju, Dhantoli, Nagpur.

(Transferors)

 Smt. Samita Sitaramji Bothmange, behind Regal Talkies, Sitabuldi, Nagpur.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th November 1980

No. 1AC/Acq '155/80-81.—Whereas, I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 147, Ward No. 4, Dhantoli, Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 20-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, No. 147 on Radhikaprasad Banerjee, Marg, Ward No. 4, Dhantoli, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur

Date: 27-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 29th November 1980

Ref. No. F. IAC.ACQ./156/80-81.—Whereas, I, A. M. KHER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Nos. 1, 2, 3 & 4, in M. House No. 4-19-43, Sheet No. 77, 84, situated at Jafar Gate, Mondha, Aurangabad.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Registering Officer at Aurangabad on 8-5-80 & 4/80 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therafor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) 1. Shri Pratapmal & Jaiwantraj sons of Hazarimal Surana, Through attorney Premchand Pratapmal Surana, Watch Land, Chowk (Sarafa), Aurangabad.
 - M/s. Surana Construction Co. & 12 Othres through Premehand Pratapmal Surana, Watch I and, Chowk (Sarafa), Aurangabad.

(Transferors)

- 1. Smt. Kamlabai Panditrao Kulkarni, Ghati, Aurangabad.
 - Gajanan Panditrao (Minor), through Guardian Smt. Kamlabaj Panditrao Kulkarni, Ghati, Aurangabad.
 - 3. Sudhir Panditrao Kulkarni (Minor) through Guarding Kamlabai, Panditrao Kulkarni, Ghati, Aurangabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 1, 2, 3, 4 in M.H. No. 4-19-43, Sheet No. 77 & 84, C.S. No. 12960, Mohalla Jafar gate, Surana Ginning Factory Area, Mondha Aurangabad.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur.

Date: 29-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001 New Delhi, the 24th January 1981

"Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-80/6579.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. C-2/34 situated at Model Town, Delhi, and measuring 471 sq. yds. in area

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj son of Shri Mohana Ram C-2/34, Model Town, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Paman Dass s/o Sh. Shital Das 2. Prem Chand 3. Nand Lal and 4. Govind Ram all sons of Sh. Paman Das of Naya Mohalla, Pul Bangash Delhi. (Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building constructed on a free hold plot of land No. 34, in Block No. 'C-2', situated in Model Town, Delhi and measuring 471 sq. yds. (i.e. 393.817 square metres),

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi,

Date: 24-1-1981